फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 346 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 18 जुलाई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

The Father of Plastic Surgery

Thanks to Gillies' pioneering work in reconstructive surgery, Yeo received a ground-breaking facial graft. A flap of skin was transplanted across his face and eyes, and after several months of recovery, he was declared fit for active service once again

Kolhapuri Pe Tariff!

राहुल गांधी ने एक बार फिर पूर्व आई.ए.एस. अधिकारियों के लिए अपनी कमज़ोरी जाहिर की

सैंथिल, पूर्व आई.ए.एस. अफसर व दलित, जो तमिलनाडू से सांसद भी हैं, अब राहुल की कोर कमेटी में दूसरे स्तम्भ बने

- रेणु मित्तल -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 17 जुलाई। कहा जा रहा है कि शशिकांत सैंथिल राहुल गांधी के करीबी सर्कल में सबसे ताक़तवर लोगों में से एक हैं। वे और के.सी. वेणुगोपाल मिलकर रणनीति, काम-काज और चुनाव संबंधी सभी महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हैं।

यहाँ तक कि बहुप्रचारित चुनाव प्रबंधन समिति, जो काफी चर्चा में रही थी और जिसकी अध्यक्ष प्रियंका गांधी बनने वाली थीं, उसे अब ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है, संभवतः प्रियंका को इतने हाई-प्रोफाइल पद से दूर रखने के लिए। अब चुनाव से जुड़े सभी मुद्दों पर विचार-विमर्श और निर्णय वेणुगोपाल, सैंथिल और संबंधित राज्य के प्रभारी मिलकर करते हैं।

वेणुगोपाल ने ज्यादातर शक्तियाँ अपने पास केन्द्रित कर ली हैं और उनके साथ सैंथिल हैं, जो सभी निर्णयों को क्रियान्वित करने का कार्य कर रहे हैं।

सैंथिल राहुल गांधी के नए चहेते हैं। वे एक पूर्व आई ए एस अधिकारी और दलित हैं, तथा तमिलनाडु से लोकसभा सांसद भी हैं।

के. राजू, जो एक अन्य प्रभावशाली पूर्व आई ए एस अधिकारी और दलित हैं, भी एक समय राहुल गांधी के बेहद करीबी रहे हैं। दोनों ने दलित एजेंडा को पार्टी में आगे बढ़ाने का काम किया है और कांग्रेसजनों का कहना है कि राहुल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- वेणुगोपाल, सैंथिल व राज्य के प्रभारी, अब राज्य में चुनाव के बारे में अंतिम निर्णय लेंगे।
- कुछ समय पूर्व तक के. राजू भी इस ग्रुप के महत्वपूर्ण सदस्य हुआ करते थे, पर अब के. राजू को झारखण्ड का इन्चार्ज बनाने के बाद, सैंथिल सर्वेसर्वा हो गये हैं, कांग्रेस के दलित एजेण्डा के बारे में।
- पार्टी में जिलाध्यक्षों को असीमित पावर देकर जिला पार्टी को पुनजीर्वित करने का प्लान भी सैंथिल के दिमाग की उपज है। इस प्लान के अनुसार जिलाध्यक्ष को प्रदेशाध्यक्ष को ''रिपोर्ट'' करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि वह सीधा हाईकमान द्वारा नियुक्त होता है। इस नई व्यवस्था में पी.सी.सी. अध्यक्ष व राज्य की इकाई कमज़ोर होगी, यह शायद सोचा नहीं गया। तथा इस नई व्यवस्था से कांग्रेस के संगठन में काफी कंफ्यूज़न फैलने की आशंका है।
- राहुल गांधी के अन्य प्रिय चहेते, कानूनगोलू को बिहार में सर्वे की जिम्मेदारी दी गई है, तथा यह सर्वे ही टिकट वितरण का आधार बनेगा। पर यह स्मरण करने की भी आवश्यकता है, कि महाराष्ट्र व हरियाणा के चुनाव के समय यह जिम्मेदारी कानूनगोलू को सौंपी गई थी। उन्होंने यह जिम्मेदारी इतनी खूबसूरती से निभाई कि कांग्रेस दोनों राज्यों में बुरी तरह हारी।
- एक अन्य नेता आंध्र के चैला वमाशी चान्द देडडी को जिलाध्यक्ष के चयन व उनके काम काज का विश्लेषण व मूल्यांकन करने की जिम्मेदारी दी गई है। वे भी वेणुगोपाल के साथ हैं।

महेश जोशी की जमानत याचिका पर सुनवाई एक सप्ताह बाद

जयपुर, 17 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े ईडी प्रकरण में आरोपी पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी की जमानत याचिका पर सुनवाई एक सप्ताह बाद रखी है। जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की एकलपीठ ने ये आदेश महेश जोशी की जमानत याचिका पर दिए। सॉलिसिटर जनरल आर. डी. रस्तोगी, जिन्हें बुधवार को ही केस आवंटित हुआ था, कोर्ट में उपस्थित नहीं थे, इसलिए प्रकरण की सुनवाई टाली जाने का अनुरोध किया गया। इस पर कोर्ट ने अगले सप्ताह सुनवाई रखने के आदेश दिए।

- गत दिनों ईडी कोर्ट ने महेश जोशी को जमानत देने से इन्कार कर दिया था। उसके बाद ईडी ने जोशी तथा डेढ़ दर्जन अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया था।

महेश जोशी की जमानत याचिका में अधिवक्ता स्नेहदीप ने अदालत को बताया कि जोशी को इस प्रकरण में फंसाया गया है। प्रकरण को लेकर एसीबी में दर्ज मूल केस में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। याचिकाकर्ता को एक साल पहले नोटिस दिया गया। इसके बाद बिना कोई परिस्थिति बदले याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा, ईडी याचिकाकर्ता पर 2.01 करोड़ रुपए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हैल्थ इन्श्योरैंस पर लगे जी.एस.टी. में भारी कमी आएगी

हैल्थ व लाइफ इन्श्योरैंस पर जी.एस.टी. 18 प्रतिशत से घटाकर 5 से 12 प्रतिशत करने की सोच उभरी है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जुलाई। भारत के बीमा क्षेत्र के लिए यह एक ऐतिहासिक क्षण साबित हो सकता है। गुड्स एण्ड सर्विसेज़ टैक्स (जी.एस.टी.) काउन्सिल जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लगने वाले भारी 18 प्रतिशत जी.एस.टी. को घटाने की तैयारी में है। यदि आगामी बैठक में यह प्रस्ताव पास हो जाता है, तो इससे पॉलिसीधारकों का आर्थिक बोझ कम होगा और पूरे देश में बीमा कवरेज में बड़ा इज़ाफा हो सकता है।

हालिया रिपोर्टों के अनुसार, काउन्सिल अगस्त के मानसून सत्र के बाद बैठक कर सकती है, बशर्ते कि रेट रैशनलाइज़ेशन (दरों में सुधार) के लिए गठित मंत्री समूह की प्रमुख रिपोर्टें पूरी हो जाएं।

जिस समय पर यह निर्णय आयेगा, वो बहुत ही अहम है। भारत में वार्षिक चिकित्सा मुद्रास्फीति (मैडिकल इन्फ्लेशन) 14 प्रतिशत तक पहुंच गई है, और बीमा प्रीमियम हर साल 20-25 प्रतिशत की दर से बढ़ रहे हैं। ऐसे में मौजूदा 18 प्रतिशत जी.एस.टी. आम मध्यमवर्गीय और निम्न आय वाले परिवारों के लिए असंतुलित बोझ बन गया है। बीमा क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि एक ऐसे देश में, जहाँ केवल 40 प्रतिशत से कम लोगों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इस सोच के अनुसार, यह भी संभव है, कि कुछ कैटेगरीज़, जैसे सीनियर सिटिज़न को इन्श्योरैंस पॉलिसी पर ''ज़ीरो'' जी.एस.टी. कर दी जाये।
- सोच का मकसद है, हैल्थ इन्श्योरैंस सस्ता होगा, तो हैल्थ इन्श्योरैंस का काम छोटे शहरों व ग्रामीण क्षेत्रों में भी बढ़ेगा तथा 2027 तक हैल्थ इन्श्योरैंस के कवरेज में सभी नागरिकों को ले लेने के लक्ष्य तक पहुंचना संभव हो सकेगा।
- हैल्थ इन्श्योरैंस से जुड़े सभी संस्थाओं व लोगों ने इस सोच की आगे बढ़कर, भूरि-भूरि प्रशंसा की है।
- इन लोगों का कहना है, हैल्थ इन्श्योरैंस एक लग्ज़री नहीं है, जो कुछ लोगों को उपलब्ध है, बल्कि एक अधिकार है, जो सभी नागरिकों को मिलना चाहिये।

'भारत वहीं से ऑयल खरीदेगा, जहां से उसे ''बैस्ट ऑफर'' मिलता है?

भारत ने नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूटे की टिप्पणी पर, अपनी ''ऑयल परचेज नीति'' स्पष्ट की

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 17 जुलाई। मोदी सरकार की विदेश नीति में बदलाव के संकेत देते हुए, विदेश मंत्रालय ने आज रूसी कच्चे तेल की आपूर्ति पर अमेरिकी प्रतिबंधों की धमकी पर, अपनी लंबे समय से चली आ रही चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि भारत को जो 'सबसे अच्छा प्रस्ताव' मिलता है, वह उसी के अनुरूप अपनी दिशा तय करता है।

कुछ यूरोपीय देशों को प्रतिबंधों के दोहरे मापदंड अपनाने के बारे में आगाह करते हुए, विदेश मंत्रालय ने बड़ी सावधानीपूर्वक यह रेखांकित किया कि उसकी प्रतिक्रिया महासचिव मार्क रुटे की प्रतिबन्धों की धमकी पर केन्द्रित है, तथा मंत्रालय के प्रवक्ता ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का नाम न लेने का विशेष ध्यान रखा, जबकि सबसे पहले यह धमकी ट्रम्प ने ही दी थी।

अमेरिका की ओर से रूसी कच्चे तेल पर द्वितीयक (सेकण्डरी) प्रतिबंध लगाने की धमकी के बीच, भारत ने गुरुवार को जवाब देते हुए कहा कि अपनी ऊर्जा सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और यह सबसे अच्छे प्रस्ताव से प्रेरित है। नई दिल्ली ने प्रतिबंधों के लगाये जाने में दोहरे मापदंडों से भी सावधान रहने को कहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत ने यह स्पष्ट करते समय, यह सावधानी रखी, कि ट्रम्प की रूस से ऑयल खरीदने वाले देशों पर, 100 प्रतिशत अधिक टैरिफ लगाने की धमकी को सीधे संबोधित नहीं किया।
- भारत ने, पर यूरोपीय देशों के दोहरे मापदण्ड पर जरूर कटाक्ष किया, कि इन देशों ने 2027 तक रूस से गैस खरीदने का हाल ही में अनुबंधन किया, पर भारत के रूस से ऑयल खरीदने पर, उनको आपत्ति है।

निचली अदालतों के कर्मचारी शुक्रवार को सामूहिक अवकाश पर

जयपुर, 17 जुलाई। प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों के कर्मचारियों ने, लंबे समय से कैडर पुनर्गठन की मांग पूरी नहीं करने के विरोध में, शुक्रवार से अनिश्चितकालीन समय तक सामूहिक अवकाश पर जाने का निर्णय लिया है।

राजस्थान न्यायिक कर्मचारी संघ के प्रवक्ता योगेश महर्षि ने बताया कि कैडर पुनर्गठन को लेकर हाईकोर्ट की फुल बैंच ने दो साल पहले प्रस्ताव पास कर राज्य सरकार को आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया था। इसके बावजूद, राज्य सरकार की ओर से मामले में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

जिला न्यायालय कर्मचारी संघ के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों के कर्मचारी लंबे समय से कैडर पुर्नगठन की मांग कर रहे हैं।

अमेरिका की भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी से भारत का रुतबा बढ़ा है

पहली बार विश्व महसूस कर रहा है, भारत की भूमिका भी चीन जितनी ही है, ऑयल खरीद के मामले में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 जुलाई। एक नया प्रस्ताव सामने आया है जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले देशों से अमेरिका को होने वाले सभी निर्यातों पर 500 प्रतिशत का भारी शुल्क (स्लेजहैमर टैरिफ) लगाने की बात की जा रही है।

इस कदम को रूस पर दबाव बनाने और यूक्रेन युद्ध जारी रखने की उसकी क्षमता को खत्म करने की कोशिश माना जा रहा है।

हालांकि, यह कदम वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर संकट खड़ा कर सकता है और आर्थिक स्थिरता को भी नुकसान पहुँचा सकता है। इससे अमेरिका के अपने हितों को भी चोट पहुँच सकती है। यह निर्णय तेल की वैश्विक कीमतों को बहुत ऊपर ले जा सकता है और विकास की रफ्तार पर ब्रेक लगा सकता है।

लेकिन जैसे-जैसे यूक्रेन युद्ध की स्थिति और गंभीर होती जा रही है, इस तरह के कड़े कदम को लेकर अमेरिका में मजबूत समर्थन बनता जा रहा है और अमेरिका इस मामले में अपने पारंपरिक यूरोपीय सहयोगियों के साथ एकजुट है। यूरोप हर दिन इस युद्ध का असर महसूस कर रहा है क्योंकि रूस धीरे-धीरे यूक्रेन में आगे बढ़ रहा है।

इसके अलावा, यूक्रेन युद्ध के बहाने यूरोप के पूर्वी हिस्से में तानाशाही और रूसी राजनीति की वापसी देखी जा रही है। हंगरी, जो ईयू का सदस्य है, पर ईयू के नियमों की अनदेखी करता रहा है, और जॉर्जिया अब पश्चिमी यूरोप की लोकतांत्रिक व्यवस्था से हटकर रूस जैसे तानाशाही शासन की ओर बढ़ता दिख रहा है।

यह प्रस्तावित ''स्लेजहैमर'' टैरिफ अमेरिका को होने वाले निर्यातों पर सीधी मार साबित हो सकता है और इससे तेल खरीदने वाले देश रूसी तेल से दूरी बनाने को मजबूर हो सकते हैं। यह कदम खासतौर पर दो देशों को ध्यान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भारत को चीन के बगल में खड़ा करके, विश्व के समक्ष यह सच्चाई उजागर हुई, कि भारत एक बड़ा व महत्वपूर्ण मार्केट है, जिसकी राय विश्व की इकोनॉमी को प्रभावित करती है।
- पर भारत व चीन की रुस से ऑयल खरीदने की मजबूरी यह है कि, अगर ये दोनों देश चाहें भी तो ऑयल की व्यवस्था वैकल्पिक करना अब इतना आसान नहीं। दोनों देश रुस से अपनी ऑयल की आवश्यकता पूरी करने के बारे में इतना व्यस्त हो गये हैं, कि विकल्प के बारे में कभी सोचा ही नहीं, व्यवस्था करना तो दूर की बात है।

अमरनाथ यात्रा मार्ग पर भारी बारिश से भूस्खलन

नई दिल्ली, 17 जुलाई। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश और लैंडस्लाइड के बाद गुरुवार को अमरनाथ यात्रा रोक दी गई। गंदेरबल जिले में बालटाल मार्ग पर रायलपथरी के निकट हुए लैंडस्लाइड में जोधपुर की महिला श्रद्धालु की मौत हो गई। हादसे में तीन यात्री घायल हो गए। इससे बालटाल और पहलगाम के आधार शिविरों से यात्रा रोक दी। भूस्खलन के बाद यात्रा मार्ग पर सैकड़ों लोग फंस गए हैं। रायलपथरी और ब्रारमर्ग के बीच भूस्खलन में फंसे 500 से अधिक तीर्थयात्रियों को सेना ने निकाला और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

परिजनों के अनुसार, जोधपुर के चांदपोल के बाहर बड़ी भील बस्ती निवासी सोना देवी आठ जुलाई को बस से श्रद्धालुओं के एक जत्थे के साथ अमरनाथ महादेव के दर्शन के लिए निकली थीं। उनके साथ नौ अन्य महिलाएं भी थीं। दर्शन के बाद लौटते

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हादसे में जोधपुर की सोना देवी की मौत हो गई व 3 अन्य घायल हो गए हैं।

'मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान सहकारिता में देश के शीर्ष 5 राज्यों में शामिल'

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने दादिया में सहकार व रोजगार उत्सव को संबोधित किया

जयपुर, 17 जुलाई। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को समृद्ध, सुरक्षित और विकसित बना रहे हैं। उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा हमले के बाद एयर स्ट्राइक और पहलगाम के कायराना हमले के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया और पाकिस्तान के घर में जाकर आतंकवादियों को नेस्तनाबूत किया गया।

शाह गुरूवार को जयपुर के दादिया में सहकार एवं रोजगार उत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने अल्प समय में ही बहुत काम किए हैं। राज्य सरकार ने एसआईटी का गठन कर पेपरलीक माफियाओं के खिलाफ सख्त संदेश दिया। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में लगभग 35 लाख करोड़ रूपये से अधिक के एमओयू हुए, जिनमें से लगभग 3 लाख करोड़ के एमओयू पर काम भी शुरू हो चुका है। शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राजस्थान, सहकारिता में नवाचारों को अंगीकार करते हुए बेहतरीन काम कर रहा है तथा देश के टॉप 5 राज्यों में शामिल हो चुका है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश में नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। राज्य सरकार सहकारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से पाकिस्तान के घर में जाकर आतंकवादियों को नेस्तनाबूद किया गया।
- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार नया कोऑपरेटिव कोड लाने की दिशा में कार्य कर रही है।
- दादिया के कार्यक्रम में अमित शाह ने विभिन्न गोदामों व आउटलैट्स का वर्चुअल लोकार्पण किया तथा कई योजनाओं के लाभार्थियों को चेक एवं प्रमाण पत्र वितरित किये।

जयपुर के दादिया गांव में आयोजित सहकार एवं रोजगार उत्सव में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह का मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्वागत किया। इस अवसर पर शाह ने गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 1400 लाभार्थियों को लगभग 12 करोड़ रूपये का ऋण और दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों को 2346 माइक्रो एटीएम वितरण किए।

ब्रिटेन में 16 साल पर मिलेगा मताधिकार

इंग्लैंड, 17 जुलाई। कीर स्टार्मर के नेतृत्व वाली ब्रिटेन सरकार ने बड़ा ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, मतदान करने की उम्र सीमा घटाकर 16 वर्ष करने का फैसला किया है। सरकार ने ऐलान किया है कि ब्रिटेन में अब अगले आम चुनावों में सभी 16 और 17 साल के किशोर भी वोट डाल सकेंगे। बता दें कि ब्रिटेन में मतदान की उम्र में आखिरी बार बदलाव 1969 में हुआ था, जब इसे 21 से घटाकर 18 साल किया गया था। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की सरकार ने कहा कि इस बदलाव को संसद की मंजूरी के बाद लागू किया जाएगा। सरकार का कहना है कि ये सरकार 16-17 साल के युवाओं को भी अपनी बात रखने का मौका देगी। इस उम्र के बहुत सारे युवा पहले ही सेना में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

उप प्रधानमंत्री एंजेला रेयनर ने कहा कहा कि हम आयुसीमा से जुड़े बदलाव लागू कर युवाओं को मुख्य राजनीतिक धारा से जुड़ने का बड़ा मौका दे रहे हैं।

- ब्रिटेन की सरकार ने कहा, इस तरह से युवाओं को मुख्य राजनीतिक धारा से जुड़ने का मौका दिया जाएगा।

विचार बिन्दु

आशा प्रयत्नशील मनुष्य का साथ कभी नहीं छोड़ती। –गेटे

एक देश-एक चुनाव की विधि प्रक्रिया संवैधानिक है

चुनाव कराने के सम्पूर्ण अधिकार चुनाव आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 में दिये गये हैं। चुनाव संविधान व जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के तहत् कराये जाते हैं। देश में चुनाव 1951-52, 1957, 1962 व 1967 में चुनाव उक्त प्रावधानों के अनुसार होते रहे, बाद में हुये चुनावों में यह देखा गया कि व्यवहार में चुनाव चाहे वे लोकसभा के हों अथवा असेम्बली के हों 5 वर्ष की अवधि में नहीं किये गये । सन् 2014 से पूर्व एक राष्ट्र एक चुनाव के मूल मंत्र की पालना चुनाव आयोग करता रहा। अनियमितता की ओर ध्यान आकर्षित किये जाने पर 2018 में नीति आयोग ने अपनी रिपोर्ट में 'एक राष्ट्र-एक चुनाव' नियम पुन: लागू करने का सुझाव सन् 2015 में दिया। लॉ कमीशन की राय ली गई। यह राय दी गई कि संविधान व जन प्रतिनिधित्व अधिनियम में संशोधित कर ऐसा किया जाना संभव है। इस हेतु केन्द्र सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की। कमेटी ने अपने सुझाव दिये।

विपक्ष और पक्ष दोनों यह तो मानते हैं कि एक देश एक चुनाव कराने पर कई कठिनाईयां आयेंगी और देश को नये मार्ग पर चलना भी है अत: कठिनाईयों के प्रश्नों को सुलझाना भी होगा। सभी पार्टियां मानती हैं कि चुनाव बहुत खर्चीले हो गये हैं, राज्यों में विकास के कार्य रूक जाते हैं, देश व नेतागण पूरे वर्ष में ही चुनावों में उलझे दिखाई देते हैं।

विपक्ष का आरोप है कि एक देश-एक चुनाव भारत के संघीय ढांचे अथवा Basic Structure (मूल संरचना) पर आक्रमण है अर्थात् संवैधानिक नहीं है।

संसद में 'एक देश-एक चुनाव' बिल प्रस्तुत हुआ है और इस पर विचार करने के हेतु JPC (जोइन्ट पार्लियामेन्टरी समिति) का गढ़न किया गया है, जिसके अध्यक्ष पी पी चौधरी हैं और कई अन्य जानी मानी हस्तियां हैं, जिनमें मनीष तिवारी, पी विल्सन, रामदीप सुरजेवाल, अनिल बनूली, प्रियंका गांधी वाड्रा, सम्मित पात्रा, भर्तरूहरि मेहताब आदि है। इस कमेटी के समक्ष देश के न्यायाधीशों, एडवोकेट्स, विद्वानों तथा जन प्रतिनिधियों को और आमजन को अपने विचार रखने व सुझाव देने को आमंत्रित किया गया है।

दिनांक 11 जुलाई, 2025 को जेपीसी की मीटिंग में देश के दो यशस्वी पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चन्द्रचूड़ व जस्टिस जे एस खेहर ने अपने-अपने प्रजेन्टेशन दिये हैं। दोनों ही देश के महान विधि वेत्ताओं ने स्पष्ट किया कि एक साथ चुनाव कराने का कानून पर विचार किया जा रहा है, वह संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन नहीं करता। दोनों ही विद्वान न्यायाधीशों का मत था कि यद्यपि चुनाव कानूनों के मामले में संविधान चुनाव आयोग को चुनाव कराने के पूर्व अधिकार देता है, किन्तु उन्हें अनियन्त्रित अधिकार भी नहीं दिये जा सकते। दोनों न्यायाधीशों ने कुछ सुझाव भी दिये। उनका कहना था कि अनियंत्रित अधिकार लोकतंत्र को असंतुलित कर देता है।

जेपीसी को कई सुझाव और भी प्राप्त हुये हैं और भविष्य में प्राप्त होते रहेंगे। जेपीसी के अध्यक्ष पी पी चौधरी ने कहा हमारी कमेटी सभी प्राप्त सुझावों पर विचार करेगी और संविधान संशोधन के हेतु महत्वपूर्ण सिफारिश करेंगे। हमारा प्रयत्न होगा कि कानून ऐसा बन पाये कि भविष्य में कोई शंका नहीं रहे। काम कठिन है किन्तु इसे निष्ठा के साथ पूर्ण करने का भरसक प्रयास होगा।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चन्द्रचूड़ ने लिखित में अपनी राय दी और उपस्थित होकर अपनी राय रखी। उन्होंने सहजता से यह भी स्वीकार किया कि बिल में कुछ ग्रे एरिया है, उस पर विचार होना आवश्यक है। उदाहरण के तौर पर उन्होंने प्रश्न किया कि आपातकाल में चुनावों के बाबत क्या प्रक्रिया होगी? यह भी प्रश्न उठाया कि यदि किसी विधानसभा का शेष काल कुछ ही महिनों का रहता है तो क्या उस अवधि के लिये ही चुनाव कराये जावेंगे?

हमें यह नहीं भूलना चाहिये भारत में यशस्वी न्यायाधीशों, विधिवेत्ताओं, एडवोकेट्स व जूरिष्टों की कमी नहीं है, जब वे देश की सेवा में हैं तो फिर हम प्रत्येक विपत्ति, आपदा व समस्या का समाधान निकाल सकते हैं। देश के ये लोग चाहे पक्ष के हों अथवा विपक्ष के, देशहित में देश के विकास और लोगों के उज्जवल भविष्य के लिये एक रहे हैं और एक रहेंगे। भारत, देश का नाम है जिसका अर्थ ही धर्म प्रधान है और धर्म को आचरण की शुद्धता के रूप में समझा गया है। यदि हम सब 141 करोड़ भारतीय संविधान में दिये गये मूल कर्त्तव्यों की पालना अनेकान्त भाव शुद्ध मन वचन और कर्म से करें तो देश को स्वर्ग बना सकते हैं।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश खेहर ने अपने प्रेजेन्टेशन में सबका ध्यान आकर्षित करते हुये कहा कि बिल धारा की धारा 82ए (5) के माध्यम से चुनाव आयोग को यह अधिकार दिया है कि वह किसी विधानसभा चुनाव को लोकसभा के चुनाव के साथ न कराने की सिफारिश राष्ट्रपति को भेज सकती है। जस्टिस खेहर ने कहा कि यह प्रावधान भेदकारी तथा अनियंत्रित मालूम पड़ता है क्योंकि वस्तुत: तो इस बाबत सरकार व संसद की भूमिका को अनदेखा किया गया प्रतीत होता है। पूर्व मुख्य जस्टिस रंजन गोगोई भी इस प्रावधान पर चिन्ता अभिव्यक्त कर चुके हैं। जस्टिस यू यू ललित ने भी कहा था कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' चरणबद्ध तरीके से कराये जाने चाहिये।

मनीष तिवारी ने जस्टिस खेहर व जस्टिस चन्द्रचूड़ के विचारों से असहमति अभिव्यक्त की और कहा कि विधान सभाओं के चुनाव जो असंगतियां हैं वे सब संविधान की ही देन है तथा यह भी कहा कि सभी विधान सभाओं के साथ समान व्यवहार होना चाहिये, किन्तु ऐसा नहीं हो रहा है। श्री मनीष तिवारी ने यह भी स्पष्ट किया कि केशवानंद भारतीय के निर्णय में यह उल्लेख है कि भारतीय लोकतंत्र संविधान के अनुच्छेदों द्वारा संचालित होता है अत: उनकी राय में यह व्यवहार संविधान के मूल ढांचे के विपरीत है।

प्रियंका गांधी वाड्रा तथा कुछ अन्य सदस्यों का प्रश्न था कि अगर विधान सभा का कार्यकाल पूरा होने से पूर्व ही उसे भंग कर दिया जाता है तो क्या वह संविधान सम्मत होगा?

इस प्रकार पक्ष व विपक्ष के कई सदस्यों ने अपने अपने विचार रखे और अपनी अपनी चिन्ताओं से जेपीसी को अवगत कराया। इससे यह तो स्पष्ट होता है कि जेपीसी सभी की सुनवाई कर रहा है और जेपीसी इन विचारों पर मंथन करेगी। ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका समाधान नहीं निकाला जा सकता। संशोधन द्वारा समाधान निकाला जा सकता है। वर्तमान आपातकालीन प्रावधानों में संशोधन कर केन्द्र सरकार के अधिकारों पर अंकुश लगाया जा सकता है। विधानसभा के कार्यकाल में जहां कटौती होती है, वहां वैकल्पिक व्यवस्था को जन्म दिया जा सकता है। सदस्यों को होने वाले वेतन भत्तों का मुआवजा दिलाया जा सकता है। कई योजनाओं के काल को नई विधान सभा के कार्यकाल तक बढ़ाया जा सकता है। हमें यह नहीं भूलना चाहिये भारत में यशस्वी न्यायाधीशों, विधिवेत्ताओं, एडवोकेट्स व जूरिष्टों की कमी नहीं है, जब वे देश की सेवा में हैं तो फिर हम प्रत्येक विपत्ति, आपदा व समस्या का समाधान निकाल सकते हैं। देश के ये लोग चाहे पक्ष के हों अथवा विपक्ष के, देशहित में देश के विकास और लोगों के उज्जवल भविष्य के लिये एक रहे हैं और एक रहेंगे। भारत, देश का नाम है जिसका अर्थ ही धर्म प्रधान है और धर्म को आचरण की शुद्धता के रूप में समझा गया है। यदि हम सब 141 करोड़ भारतीय संविधान में दिये गये मूल कर्त्तव्यों की पालना अनेकान्त भाव शुद्ध मन वचन और कर्म से करें तो देश को स्वर्ग बना सकते हैं।

यहाँ यह लिखना समीचीन होगा कि जेपीसी को क्या करना है और लोगों को क्या सुझाव देना है इस बाबत निम्नलिखित विषयों पर ध्यान देंवे:-

(अ) एक साथ चुनाव हो सकें इस बाबत चुनाव का फ्रेमवर्क स्पष्ट करना, यदि सम्भव नहीं हो तो चरणों में चुनाव करने का मार्ग प्रशस्त करें।

(ब) संविधान संशोधन करते समय यह देखना कि चुनाव का चक्र बना रहे।

(स) एक वोटर लिस्ट बने व मतदाता आईडी को बनाने का सुझाव देना।

(द) सरकार ने आग्रह किया है कि पैनल समिति अपना कार्य शीघ्रता से प्रारम्भ करे और शीघ्र ही अपनी रिपोर्ट सुझावों के साथ भेज दे क्योंकि सरकार ने समय सीमा निर्धारित नहीं की है।

(य) संविधान संशोधन की प्रक्रिया को विधिवत अपनायें।

आइये, हम सब आलोचना को भुलाकर समीक्षा करें, नये नये सुझाव जेपीसी को भेजें और प्रतीक्षा करें, नई सुबह होगी। हमारा देश भारत संसार का नेतृत्व करेगा।

सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्व सन्तु निरामया:।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद्दु:खभाग्भवेत॥
इसी कामना के साथ –
सबको सन्मति दे भगवान्।

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

सरकारी स्कूलों का विलय : कारण, प्रभाव और चिंताएं

अशोक शर्मा

वर्तमान में देश के विभिन्न राज्यों में स्कूलों को बंद करने और विलय करने की प्रक्रिया चल रही है। यह एक राष्ट्रीय स्तर का रुझान बन गया है, जिसके पीछे कई कारण और तर्क दिए जा रहे हैं, लेकिन इसके प्रभाव को लेकर गंभीर चिंताएं भी हैं।

मुख्य कारण जो बताए जा रहे हैं:

कम छात्र संख्या : यह सबसे बड़ा कारण है। कई सरकारी स्कूल, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में, बहुत कम छात्रों के साथ चल रहे हैं। कुछ मामलों में तो शून्य छात्र संख्या वाले स्कूल भी पाए गए हैं (जैसा कि राजस्थान में देखा गया)। सरकार का तर्क है कि इन स्कूलों को बनाए रखना संसाधनों का अपव्यय है।

संसाधनों का बेहतर उपयोग: सरकार का मानना है कि छोटे-छोटे स्कूलों में बिखरे हुए शिक्षकों, कक्षाओं और अन्य बुनियादी ढांचे को एक जगह लाकर उनका बेहतर और अधिक कुशल उपयोग किया जा सकता है। इससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में मदद मिलेगी।

प्रशासनिक खर्चों में कमी : कम स्कूलों का प्रबंधन करना, उनका निरीक्षण और ऑडिट करना सरकार और शिक्षा विभाग के लिए आसान होता है, जिससे प्रशासनिक लागत कम होती है।

शिक्षकों का बेहतर उपयोग : जहां शिक्षकों की कमी है, वहां विलय के बाद शिक्षकों को उन स्कूलों में स्थानांतरित किया जा सकता है जहां छात्रों की संख्या अधिक है, जिससे शिक्षक-छात्र अनुपात बेहतर हो सकता है।

गुणवत्ता में सुधार का तर्क : तर्क दिया जाता है कि बड़े स्कूलों में बेहतर बुनियादी ढांचा, अधिक शिक्षण सामग्री, ई-लर्निंग सुविधाएं और सह-पाठ्यचर्या गतिविधियां उपलब्ध होंगी, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।

विभिन्न राज्यों में स्थिति और रुझान:

उत्तर प्रदेश: उत्तर प्रदेश में हाल ही में स्कूलों को बंद करने या विलय करने का निर्णय लिया गया है। जिन स्कूलों में छात्रों की संख्या 50 से कम है, उन्हें विलय किया जा रहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भी स्कूल एकीकरण को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा है कि शिक्षा का अधिकार तो है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि स्कूल एक किलोमीटर के भीतर ही स्थापित किया जाए।

राजस्थान: राजस्थान में भी शून्य छात्र संख्या वाले स्कूलों को बंद किया गया है और कुछ का विलय किया गया है। सरकार का कहना है कि इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा और संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा। प्रभावित छात्रों को लीड स्कूल में प्रवेश पर एकमुश्त सुविधा भत्ता भी प्रदान करने की बात कही गई है।

मध्य प्रदेश: पिछले कुछ वर्षों में मध्य प्रदेश में भी बड़ी संख्या में सरकारी स्कूल बंद किए गए हैं। सरकार नामांकन में गिरावट को लेकर चिंतित है और कलेक्टरों को अनमैप किए गए विद्यार्थियों को फिर से स्कूलों में नामांकित करने के निर्देश दिए हैं।

हरियाणा: हरियाणा भी उन राज्यों में से एक है जहां सरकारी स्कूलों को बंद करने की नीतिगत प्रक्रिया लागू की गई है।

राष्ट्रीय स्तर पर डेटा: संसद में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में देश भर में 89,441 सरकारी स्कूल बंद हुए हैं, जिनमें से 61इ यूपी और एमपी में हैं।

चिंताएं और नकारात्मक प्रभाव:

जैसा कि आपने अपनी पिछली प्रतिक्रिया में भी कहा था, यह प्रक्रिया कई गंभीर चिंताएं पैदा करती है:

शिक्षा तक पहुंच का संकट: खासकर ठाामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में, छोटे बच्चों को अब स्कूल तक पहुंचने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ सकती है, जिससे ड्रॉपआउट दर बढ़ सकती है। यह शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत 6-14 वर्ष के बच्चों को 1 किलोमीटर के दायरे में स्कूल उपलब्ध कराने के प्रावधान का उल्लंघन माना जा रहा है।

वंचित और गरीब बच्चों पर असर: जिन परिवारों के पास परिवहन के साधन नहीं हैं या जो अपने बच्चों को दूर नहीं भेज सकते, उनके बच्चे शिक्षा से वंचित हो सकते हैं।

शिक्षकों की नौकरी और स्थानांतरण: स्कूलों के विलय से शिक्षकों के स्थानांतरण या यहां तक कि सरप्लस होने की समस्या भी सामने आती है।

सामुदायिक स्वामित्व का नुकसान: छोटे स्थानीय स्कूल अक्सर अपने समुदाय से गहराई से जुड़े होते हैं। उनके बंद होने से सामुदायिक भागीदारी कम हो सकती है।

गुणवत्ता सुधार की गारंटी नहीं: केवल स्कूलों को मिलाने से स्वचालित रूप से गुणवत्ता में सुधार नहीं होता। इसके लिए प्रभावी शिक्षण, पर्याप्त शिक्षक, अच्छा पाठ्यक्रम और सीखने के अनुकूल माहौल जैसी मूलभूत चीजों पर ध्यान देना आवश्यक है।

संक्षेप में, स्कूलों को बंद करने और विलय करने की यह प्रक्रिया भारत में शिक्षा के परिदृश्य को बदल रही है। जबकि सरकार इसे संसाधनों के कुशल उपयोग और गुणवत्ता सुधार के रूप में देखती है, वहीं आलोचक इसे शिक्षा तक पहुंच में कमी और हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए शिक्षा के अवसरों को कम करने के रूप में देखते हैं। इस नीति का दीर्घकालिक प्रभाव क्या होगा, यह देखने के लिए अभी समय लगेगा, लेकिन यह निश्चित रूप से भारतीय शिक्षा प्रणाली में एक महत्वपूर्ण और बहस का विषय बना हुआ है।

-अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

स्वच्छ भारत मिशन 2.0 स्वच्छता रैंकिंग मे देशभर में डूंगरपुर अव्वल, जयपुर की रैंकिंग मे बड़ा सुधार

जयपुर नगर निगम ग्रेटर को देशभर में 16वीं रैंक मिली, वहीं नगर निगम हेरिटेज को 20वीं रैंक हासिल हुई

जयपुर/डूंगरपुर, (निसं)। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित स्वच्छ भारत मिशन 2.0 स्वच्छता रैंकिंग में डूंगरपुर, राजस्थान ने देशभर के नगरीय निकायों के बीच अव्वल स्थान प्राप्त किया है। वहीं स्वच्छ सर्वेक्षण में जयपुर ने अपनी रैंकिंग में बड़ा सुधार किया है।

जयपुर नगर निगम ग्रेटर और हेरिटेज पहली बार स्वच्छ सर्वेक्षण के टॉप-20 शहरों में शामिल हुए हैं। नगर निगम ग्रेटर को देशभर में 16वीं रैंक मिली है। नगर निगम हेरिटेज को 20वीं रैंक हासिल हुई है। जयपुर के दोनों नगर निगम को 10 लाख से ज्यादा आबादी वाले शहरों में यह सम्मान मिला है। वहीं डूंगरपुर देशभर के 20 से 50 हजार की आबादी वाले शहरों की स्वच्छ सुपर लीग में शामिल हुआ है।

वहीं उदयपुर ने देश में 13 वां और राजस्थान में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसी प्रकार भरतपुर का देश में 141वां स्थान और प्रदेश में 6वां स्थान प्राप्त किया है। इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ, डूंगरपुर ने सुपर स्वच्छता लीग में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है।

राजस्थान में स्वच्छ रैंकिंग की बात करें तो डूंगरपुर को प्रदेश का सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा दिया गया है। प्रदेश में प्रॉमिसिंग स्वच्छ शहर का अवॉर्ड जयपुर नगर निगम ग्रेटर को दिया गया है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 का अवॉर्ड फंक्शन गुरुवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देशभर में अवॉर्ड जीतने वाले शहरों के प्रतिनिधियों को अलग-अलग अवॉर्ड से नवाजा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी मौजूद रहे। राजस्थान के यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा और जयपुर नगर निगम ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर ने अवॉर्ड ग्रहण किया। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पुरस्कार प्रदान किए। डूंगरपुर की ओर से यह अवार्ड लेने के लिए राजस्थान के स्वायत्त शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा, डूंगरपुर के सभापति अमृतलाल कलासुआ और आयुक्त सांवरलाल अबासरा उपस्थित रहे। यह उपलब्धि डूंगरपुर के स्वच्छता प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर मिली एक बड़ी पहचान है। 20 से 50 हजार की आबादी वाले निकायों के लिए यह पुरस्कार जो लगातार 3 साल से अव्वल आ रहे हैं। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 कुल 12500 अंक का था जिसमें दृश्य स्वच्छता, स्त्रोत पृथक्करण, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सिटीजन फीडबैक, स्वच्छता तक लोगों की पहुंच के कुल 5500 अंक थे। इसके अलावा इस वर्ष के नए विषय जैसे जल के पुनरुपयोग, स्वच्छता के महत्व को बढ़ावा देना, इको सिस्टम, सफाई कर्मियों के लिए कल्याणकारी योजनाओं के 4500 नंबर थे। इस वर्ष डूंगरपुर नगर निकाय ने ओडीएफ एवं जीएफ सी एक स्टार रैंकिंग प्राप्त की है साथ ही 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर टॉप 3 में प्रवेश किया है। साथ ही विगत 2 वर्षों से लगातार अव्वल आने के कारण डूंगरपुर को सुपर स्वछता लीग में प्रवेश किया हैं, अब डूंगरपुर का मुकाबला छोटे शहरों की श्रेणी शीर्ष शहरों से होगा।

दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रदेश के यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा और जयपुर नगर निगम ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर को अवॉर्ड प्रदान किया।

- **उदयपुर ने देश में 13 वां और राजस्थान में तीसरा स्थान प्राप्त किया, भरतपुर का देश में 141वां स्थान और प्रदेश में 6वां स्थान प्राप्त किया**
- **इस उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ डूंगरपुर ने सुपर स्वच्छता लीग में अपना स्थान सुनिश्चित किया**

प्रदेश के सेवारत शिक्षकों के बच्चों को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड छात्रवृत्ति देगा

छात्रवृत्ति का उद्देश्य शिक्षकों के बच्चों को बेहतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना और आर्थिक मदद करना है

अजमेर, (कासं)। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान अजमेर द्वारा राज्य के सेवारत शिक्षकों के बेटे-बेटियों के लिए शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करेगा। बोर्ड द्वारा शुरू की गई इस योजना का लाभ उच्च शिक्षा के लिए दिया जाएगा। योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र शिक्षक 18 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। छात्रवृत्ति का उद्देश्य शिक्षकों के बच्चों को बेहतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना और आर्थिक मदद करना है। छात्रवृत्ति की राशि पाठ्यक्रम के अनुसार 3000 से 7500 रुपए प्रति सत्र तक होगी।

इस योजना में वे शिक्षक पात्र होंगे जो पिछले पांच वर्षों से किसी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्था में कार्यरत हैं और अजमेर बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं की जांच कम से कम तीन बार परीक्षक के रूप में कर चुके हैं। छात्रवृत्ति की सुविधा केवल एक संतान के लिए ही दी जाएगी और शिक्षक की वार्षिक आय 14 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। छात्रवृत्ति केवल एक शैक्षणिक सत्र के लिए मान्य होगी, नवीनीकरण के लिए अगले वर्ष फिर से नवीनीकरण हेतु पुन: आवेदन करना होगा। अध्यापक कल्याण कोष न्यास छात्रवृत्ति 2024-25 के लिए आवेदन प्रक्रिया बोर्ड की वेबसाइट पर शुरू हो चुकी है।

यह छात्रवृत्ति परीक्षा परिणाम और पारिवारिक आय के आधार पर दी जाएगी। छात्रवृत्ति राशि पाठ्यक्रम के अनुसार प्रदान की जायेगी। कॉलेज, बीएसटीसी, आईटीआई, एलएलबी के लिए 3000, पॉलिटेक्निक डिप्लोमा, नर्सिंग, फार्मेसी हेतु 4500, बीएड व एमएड हेतु 6000 तथा मेडिकल आयुर्वेद, इंजीनियरिंग, एमबीए, वेटनरी, आईआईटी, पीएचडी हेतु 7500 राशि प्रदान की जायेगी।

- **आवेदन की अंतिम तिथि 18 अगस्त, छात्रवृत्ति राशि पाठ्यक्रम के अनुसार प्रति सत्र होगी, छात्रवृत्ति की राशि पाठ्यक्रम के अनुसार 3000 से 7500 रुपए प्रति सत्र तक होगी**

राशिफल

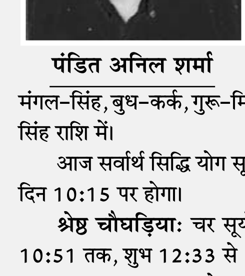

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 18 जुलाई, 2025

सावन मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2082, अश्विनी नक्षत्र रात्रि 2:14 तक, सुकर्मा योग प्रात: 6:48 तक, बालव करण प्रात: 6:06 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क चन्द्रमा-मेष, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 2:14 तक है। आज बुध वक्री दिन 10:15 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:24 तक, लाभ-अमृत 7:24 से 10:51 तक, शुभ 12:33 से 2:14 तक, चर 5:33 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:48, सूर्यास्त 7:18

मेष
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाओं पर धन खर्च होगा।

वृष
घर-गृहस्थी के खर्चों पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है।

तुला
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

धनु
घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
घर-परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

काली मिर्च व सुपारी की तस्करी करने वाले अभियुक्त की जमानत याचिका खारिज

अभियुक्त 19 जाली फर्मों को चला रहा, इन फर्मों का उद्देश्य जाली ई-वे बिल बनाना था

जयपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने काली मिर्च की तस्करी कर कस्टम विभाग को 12.53 करोड़ रुपये की 'कस्टम ड्यूटी' की हानि पहुंचाने के आरोपी, विजय कुमार विज्ञ, उर्फ राणा ठाकुर, को जमानत देने से इंकार कर दिया है। न्यायाधीश चन्द्र प्रकाश श्रीमाली ने यह आदेश, विजय कुमार विज्ञ, द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दी। इस मामले में कस्टम व जी.एस.टी. विभाग की ओर से अधिवक्ता अक्षय भारद्वाज के साथ उनके सहायक अधिवक्ता आशुतोष रंगा और अजय सिंह भी पैरवी के लिए पेश हुए थे।

इस मामले में कस्टम व जी.एस.टी. विभाग के अधिवक्ता ने अदालत को बताया था कि अभियुक्त, विजय कुमार विज, ने राणा ठाकुर की नाम की जाली पहचान बनाकर 'गोल्डन फेदर ट्रडर्स' नाम की एक जाली फर्म के अतिरिक्त प्रतिनिधि के तौर पर काली मिर्च के आयात, 'क्लियरेंस' और परिवहन का किया था। उन्होंने

■ अभियुक्त पर आरोप है कि उसके द्वारा तस्करी करने की वजह से कस्टम विभाग को कम से कम 12.53 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान पहुंचाया है

बताया कि 28, फरवरी, 2025 को अभियुक्त के घर पर तलाशी ली गई थी, जहां तीन आधार कार्ड मिले जिस पर क्रमशः राणा ठाकुर, विजय कुमार विज्ञ व विशाल महतो के नाम दर्ज थे। उन्होंने अदालत को बताया कि तलाशी के दौरान ही तीन मोबाईल फोन भी जब्त किये गये, जिनके 'फोरेंसिक डाटा एक्स्ट्रेशन' से सामने आया कि अभियुक्त 19 जाली फर्मों को चला रहा है और उन सभी फर्मों के दस्तावेज फोन में उपलब्ध थे।

अधिवक्ता अक्षय भारद्वाज ने बताया कि 19 फर्म किसी किर्ति राज के निर्देश पर बनाई गई थी और इन फर्मों का उद्देश्य जाली ई-वे बिल बनाकर काली मिर्च, सुपारी की तस्करी कर एक जगह से दूसरी जगह भेजना था।

वहीं अभियुक्त, विजय कुमार विज्ञ, का कहना है कि उसे 28, फरवरी को गिरफ्तार किया गया, परन्तु उस पर लगाये गये आरोप झूठे है, और वह किसी भी तरह से काली मिर्च के आयात और उसके परिवहन से जुड़े व्यापार से सम्बन्ध नहीं रखता है।

अभियुक्त का कहना था कि क्योंकि आयातकर्ता नहीं है उस पर कर अदायगी का दायित्व नहीं है। उसका यह भी कहना था कि कस्टम एक्ट के अन्तर्गत लगाये गये आरोप जमानती अपराध है इसलिए उसे जमानत दे देनी चाहिए।

इसके अलावा अदालत के समक्ष पूरे मामले को सहानुभूति से देखने के लिए अभियुक्त अदालत को कहा कि वह डायबिटिज से बीमारी से ग्रसित है, और उसका एक्सीडेंट होने की वजह से मल्टीपल फ्रेक्चर हुए थे और वर्तमान में उसके शरीर में 20 रोड लगी हुई है, और उसका शरीर विकलांगता को प्राप्त हो चुका है। उसने कहा कि उसे पुलिस के अफसरों ने भी बुरी तरह सलूक किया है।

उसने अदालत के समक्ष अंतिम गुहार यह कि वह मामले में सहयोग करेगा और उसके भागने की भी कोई संभावना नहीं है। अदालत ने अभियुक्त की जमानत रद्द करते हुए कहा कि उसके खिलाफ 12.53 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान पहुंचाने का गंभीर आरोप है। अदालत ने कहा कि प्रकरण में जांच लम्बित है और इस स्तर पर जमानत का लाभ दिये जाने की स्थिति में अभियुक्त द्वारा जांच को प्रभावित करने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता, इसलिए अभियुक्त द्वारा प्रस्तुत जमानत प्रार्थना पत्र का अस्वीकार कर खारिज किया जाता है।

नकल गैंग के सहारे लिपिक ग्रेड-II संयुक्त सीधी परीक्षा-2018 में चयनित लिपिक गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की सूचना पर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए आयोग में कार्यरत लिपिक ग्रेड-प्रथम को आयोग कार्यालय से हिरासत में ले लिया। आरोपी कनिष्ठ सहायक-लिपिक ग्रेड-द्वितीय संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2018 के अन्तर्गत चयन पश्चात् लिपिक ग्रेड-द्वितीय के पद पर आयोग में नियुक्त हुई थी जो कि पदोन्नित पश्चात लिपिक ग्रेड-प्रथम के पद पर कार्य कर रही थी।

आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि आरोपित सरोज विश्नोई निवासी नोखा जिला-बीकानेर है। आरोपित के कनिष्ठ सहायक-लिपिक गेड-द्वितीय संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2018 में ब्लूटूथ के माध्यम से नकल कर चयनित होने की जानकारी आयोग को गोपनीय माध्यमों से प्राप्त हुई थी। इस पर आयोग ने 24 मार्च 2025 को

■ आरोपी सरोज बिश्नोई ने लिपिक ग्रेड -II संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2018 (एलडीसी) की परीक्षा ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से नकल करके पास की थी, इसमें राजू मैट्रिक्स के साथ लीक पेपर नरेश दान से हल करवाया था

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस और एसओजी जयपुर को इस संबंध में सूचित किया गया।

इसके परिणाम स्वरूप एसओजी ने मामला दर्ज कर किया। जहां जांच दौरान पुलिस थाना एसओजी जयपुर ने यह पाया कि आरोपित सरोज बिश्नोई ने लिपिक ग्रेड -II संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा-2018 (एलडीसी) की परीक्षा ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से नकल करके पास की थी। इसमें पौरव कालेर द्वारा उसके परिचित दिनेश सिंह व राजू मैट्रिक्स के साथ लीक पेपर नरेश दान से हल करवाया गया था। इसके उपरांत पौरव कालेर द्वारा हल प्रश्न पत्र आरोपी को ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से पढ़ाया गया।

परिणामस्वरूप उक्त भर्ती में नकल के माध्यम से सरोज चयनित हुई तथा परीक्षा प्रणाली की पवित्रता को भंग करते हुये पेपर के बदले में पौरव कालेर को मोटी रकम देकर ब्लूटूथ डिवाइस के माध्यम से परीक्षा का पेपर हल कर अनुचित लाभ प्राप्त किया। इस पर आरोपी सरोज विश्नोई को अग्रिम कार्यवाही के लिए आयोग कार्यालय से एसओजी ने गिरफ्तार किया गया है।

जिंदा कारतूस सहित दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत कार्रवाई करते हुए दो बदमाशों को पकड़ा है और उनके पास से पांच तीन जिंदा कारतूस जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत सिंधी कैंप थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 20 वर्षीय फरमान उर्फ इंजू निवासी माणक चौक जयपुर और 20 वर्षीय साहिल उर्फ मुन्ना निवासी राजीव नगर जयपुर को गिरफ्तार कर उनके पास से पांच तीन जिंदा कारतूस बरामद किया है। पुलिस आरोपियों से अवैध जिंदा कारतूस की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ की जा रही है।

'राजस्थान में कहीं भी अत्याचार होता तो आरपीआई करेगी धरना प्रदर्शन'

जयपुर। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) राजस्थान का प्रदेश कार्यकर्ता स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन ए आर जी ऑडिटोरियम शास्त्रीनगर में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आर पी आई (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले रहे।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर राधामोहन सैनी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के कार्यकर्ताओ का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मंच को संबोधित करते हुए रामदास आठवले ने कहा कि राजस्थान में अगर कही भी कोई अत्याचार होता है तो पार्टी द्वारा उसका विरोध करते हुए धरना,प्रदर्शन कर अत्याचार को खत्म करे। इन्होंने बताया कि आगामी समय में आर पी आई पार्टी का विशाल सम्मेलन भी किया जाएगा।

राजस्थान पुलिस का दो दिवसीय ऑपरेशन रहा सफल: दो दिन में 80 हजार वाहन जांच किया, करोड़ों का माल जब्त

जयपुर। राजस्थान में अपराधियों की कमर तोड़ने और आम नागरिक को भयमुक्त वातावरण देने के लिए पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशन में राजस्थान पुलिस ने दो दिवसीय अभूतपूर्व अभियान चलाया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस प्रशासन एवं कानून व्यवस्था विशाल बंसल की सीधी निगरानी में 15 और 16 जुलाई को राज्यभर में चली ए श्रेणी की सघन नाकाबंदी ने अपराधियों में हड़कंप मचा दिया।

एडीजी बंसल ने गुरुवार को इस दो दिवसीय मेगा ऑपरेशन की सफलता का ब्यौरा देते हुए बताया कि पुलिस की इस मुस्तैदी से कानून का राज स्थापित हुआ है। राजस्थान पुलिस अपराधियों के हर मंसूबे को नाकाम करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह ए श्रेणी नाकाबंदी केवल एक अभियान नहीं बल्कि अपराधियों के खिलाफ हमारी जीरो-टॉलरेंस नीति का स्पष्ट संदेश है।

- **ए श्रेणी की नाकाबंदी अभियान में 3 हजार 672 वाहन जब्त**
- **1 हजार 519 स्थानों पर की नाकाबंदी**
- **एमवी एक्ट के तहत 2 हजार 428 चालान किए गए। साथ ही 3 हजार 672 वाहन जब्त किए**

हमने सुनिश्चित किया है कि कोई भी अपराधी बच न पाए और आम जनता खुद को सुरक्षित महसूस करे, यह हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पुलिस की टीमों ने पूरे राज्य में 1 हजार 519 नाकाबंदी पॉइंट स्थापित किए, जहां दिन-रात चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान में एमवी एक्ट के तहत 2 हजार 428 चालान किए गए। साथ ही 3 हजार 672 वाहन जब्त किए गए।

इसके अलावा 23 एफआईआर आर्म्स एक्ट,79 एफआईआर आबकारी अधिनियम, 25 एफआईआर एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज सहित अन्य विशेष स्थानीय अधिनियमों के तहत 85 एफआईआर दर्ज की गई और एफआईआर मामलों में 193 व्यक्ति गिरफ्तार किए है। इसके अलावा आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 170 के तहत 767 व्यक्ति सहित 960 व्यक्ति गिरफ्तार किए है। बंसल ने इस सफल अभियान के लिए सभी पुलिसकर्मियों की कड़ी मेहनत और समर्पण की सराहना की। उन्होंने बताया कि राजस्थान पुलिस अपराधियों के खिलाफ अपनी मुहिम जारी रखेगी ताकि प्रदेश में अमन-चैन कायम रहे और नागरिक सुरक्षित महसूस कर सकें।

निगम ने हटाए अस्थाई अतिक्रमण

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज जयपुर की सतर्कता शाखा ने गुरुवार को अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल के निर्देश पर उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के नेतृत्व में दस्ते ने जवाहर नगर, गोल मार्केट,आदर्श नगर, दिल्ली बाईपास रोड, रेलवे स्टेशन पर कार्रवाई करते हुए आठ ट्रक सामान और एक ट्रक बजरी का जब्त किया है। उपायुक्त सतर्कता पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि दस्ते में 35 हजार रुपए परिवहन शुल्क भी जमा किया और सड़क और बरामदे पर से अस्थाई अतिक्रमण को हटा दिया।

तीर्थ यात्रा योजना के लिए आवेदन कल से

जयपुर। देवस्थान विभाग, राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन 18 जुलाई-2025 से प्रारंभ होंगे। देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि इस यात्रा के लिए आवेदन की प्रक्रिया 18 जुलाई, शुक्रवार से प्रारंभ होकर 10 अगस्त-2025 तक चलेगी। इसके लिए आवेदक राजस्थान का मूल निवासी हो, जिसकी आयु 60 वर्ष से अधिक हो, पात्र माना जाएगा। इसके अलावा आवेदक आयकरदाता नहीं होना चाहिए। देवस्थान मंत्री ने बताया कि बजट घोषणा-2025-26

■ आवेदन की प्रक्रिया 18 जुलाई, शुक्रवार से प्रारंभ होकर 10 अगस्त-2025 तक चलेगी

के अनुसार इस बार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर एसी ट्रेन के लिए 50 हजार तथा हवाई यात्रा के लिए 6 हजार वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्रा करवाई जाएगी।

उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन के पश्चात जिला स्तर पर कमेटी द्वारा पात्र लोगों का चयन किया जाएगा। वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक पर सीधे जाकर आवेदन किया जा सकता है। पहली बार ट्रेन पर राजस्थानी संस्कृति नजर आएगी। ढेर के बालाजी स्टेशन पर ट्रेन को खासतौर पर इस तीर्थ यात्रा के लिए डिजाइन किया है। विशेषतौर पर सभी 11 डिब्बों पर राजस्थानी लोक नृत्य, लोक कलाएं, तीज त्योहार की झलक नजर आएगी। अलग-अलग थीम के साथ डिजाइन तैयार करवाई गई है। प्रत्येक डिब्बे पर राजस्थान के अलग-अलग मंदिर, दुर्ग, अन्य पर्यटक स्थल व अभयारण्य नजर आ रहे हैं।

कुछ लोग 'भील प्रदेश' जैसे भ्रामक और विभाजनकारी विचार को बढ़ावा दे रहे हैं : राठौड़

जयपुर। विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद राजकुमार रोत के ट्वीट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों के पुनर्गठन के लिए 'राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956' पारित किया किया था जिसके तहत ही राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों का गठन हुआ। साथ ही भारतीय संविधान का अनुच्छेद 3 संसद को नए राज्यों के निर्माण और मौजूदा राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन करने का अधिकार देता है।

संसद को मिला यह अधिकार राजनीतिक नारेबाजी या भावनात्मक उकसावे की पूर्ति के लिए नहीं बल्कि राष्ट्रीय हित, प्रशासनिक आवश्यकता और जनकल्याण के आधार पर दिया गया है। आखिरी बार वर्ष 2014 में भी तेलंगाना को आंध्र प्रदेश से अलग करके एक नया राज्य बनाया गया था जो एक लंबी लोकतांत्रिक प्रक्रिया और व्यापक विमर्श के पश्चात हुआ था।राठौड़ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा किए गए राज्यों के पुनर्गठन का

■ राठौड़ ने कहा भील समाज का गौरवशाली इतिहास है , आदिवासी समाज हमारे देश की आत्मा है जिनकी परंपरा, संस्कृति और संघर्ष को मैं पूरा सम्मान देता हूं

आधार संवैधानिक प्रक्रिया की पालना के साथ देश की एकता, प्रशासनिक आवश्यकता और क्षेत्रीय संतुलन था।

उन्होंने यह कार्य संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार संसद में पूर्ण चर्चा और सहमति से किया था। भारत की विविधता ही हमारी एकता की सबसे बड़ी ताकत है और कोई भी विचार जो देश या राज्यों की एकता को खंडित करता हो वह किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं होना चाहिये।

राठौड़ ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग संविधान की भावना, ऐतिहासिक संदर्भ और राष्ट्रीय एकता को दरकिनार कर 'भील प्रदेश' जैसे भ्रामक और विभाजनकारी विचार को बढ़ावा दे रहे हैं। बिना किसी विधायी प्रस्ताव या संवैधानिक प्रक्रिया के सीधे नक्शा जारी करके स्वयं को लोकसभा, राज्यसभा और संविधान से ऊपर मानना क्या उचित है ? आप कैसे स्वयंभू हो गए जो संसद को दरकिनार कर नक्शा जारी कर रहे हो?राठौड़ ने कहा कि आदिवासी समाज हमारे देश की आत्मा है जिनकी परंपरा, संस्कृति और संघर्ष को मैं पूरा सम्मान देता हूं।

भील समाज का गौरवशाली इतिहास है और उनके सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार लगातार प्रयासरत हैं लेकिन इसके नाम पर 'राज्य तोड़ने' की कोशिश संविधान और लोकतंत्र दोनों के साथ अन्याय है।राठौड़ ने कहा कि राजस्थान एक है, अभिन्न है और अटूट है। हमारे मतभेद विचारों में हो सकते हैं लेकिन बयानबाजी करते समय हमें उस संसदीय गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिए जिसकी रक्षा करना हम सभी जनप्रतिनिधियों का नैतिक कर्तव्य है।

एस.आई. भर्ती पेपर लीक प्रकरण में अदालत ने जानी आयोग की कार्यप्रणाली

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में सुनवाई करते हुए भर्ती को लेकर आरपीएससी की कार्यप्रणाली जानी। वहीं अदालत ने मामले की सुनवाई 22 जुलाई को तय की है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान अदालत ने आरपीएससी के वकील एमएफ बेग से भर्ती से जुडा रिकॉर्ड मांगा। इस पर आयोग के वकील ने प्रकरण में तत्कालीन सदस्य बाबूलाल कटारा को भर्ती की जिम्मेदारी देने से जुड़े आरपीएससी चेयरमैन का आदेश पेश किया। इस दौरान अदालत ने भर्ती को लेकर आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली की जानकारी चाहने की मंशा जताते हुए प्रकरण की कैमरा प्रोसेडिंग के निर्देश दिए और केस से जुड़े वकीलों के अलावा अन्य सभी को बाहर कर दिया। इसके बाद अदालत ने आयोग के वकील से भर्ती प्रक्रिया की जानकारी चाही। जानकारी के अनुसार आयोग के वकील

■ अदालत ने मामले की सुनवाई 22 जुलाई को तय की है

ने बताया कि किसी भी भर्ती में आयोग अध्यक्ष किसी एक सदस्य को अधिकृत करता है। इसके बाद वह सदस्य विशेषज्ञ को भर्ती प्रक्रिया में शामिल करता है और आखिर में अलग-अलग प्रश्न पत्र तैयार कर सीलबंद लिफाफे में आयोग अध्यक्ष को सौंपे जाते हैं। आयोग अध्यक्ष उन्हें प्रिंटिंग प्रेस तक पहुंचाते हैं। इस पर अदालत ने पूछा कि प्रेस निजी होती है या सरकारी? इसका जवाब देते हुए वकील ने कहा कि प्रेस को निजी होती है, लेकिन वहां विश्वसनीयता से काम होता है। इस दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने कहा कि कैमरा प्रोसेडिंग के दौरान गोपनीय बातों का खुलासा होता है। जिसे सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। इस पर अदालत ने कहा कि हम इस संबंध में मीडिया को निर्देश नहीं दे सकते।

48 ग्राम स्मैक सहित दो महिला तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। हरमाडा थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए 48 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित दो महिला तस्करों को गिरफ्तार किया है। साथ ही वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी बरामद किया है। फिलहाल आरोपित महिला तस्करों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे

■ वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन भी बरामद किया

ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत हरमाड़ा थाना पुलिस ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए 48 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक सहित महिला तस्कर सम्पत्ति अटोलिया (31)निवासी दूदू जिला जयपुर ग्रामीण और हाल हरमाड़ा पिंकी सांसी(25) निवासी दौसा हाल हरमाडा जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित महिला तस्करों से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में जानकारी कर रही है।

भाजपा की मीडिया कार्यशाला आज

जयपुर। भाजपा की प्रदेश स्तरीय मीडिया कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में किया जाएगा। सुबह 11 बजे से शुरू हो रही कार्यशाला को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी और राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यवर्धन सिंह राठौड़ संबोधित करेंगे। भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने जानकारी देते हुए बताया कि इस विशेष कार्यशाला में पार्टी के प्रदेश प्रवक्ताओं, मीडिया पैनलिस्टों, संभाग एवं जिला मीडिया संयोजकों को आमंत्रित किया गया है। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सुधांशु त्रिवेदी पार्टी की विचारधारा, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं, नीतियों एवं उपलब्धियों को आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचाने की रणनीति पर मार्गदर्शन देंगे।

उन्होंने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य प्रदेश स्तरीय मीडिया प्रतिनिधियों को संवाद के प्रभावशाली तरीकों से प्रशिक्षित करना है ताकि वे मीडिया के माध्यम से जनसम्पर्क को और अधिक सशक्त बना सकें। इस दौरान प्रवक्ताओं और संयोजकों से

■ राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी रहेंगे मुख्य वक्ता

संवाद कर उनकी भूमिका और अनुभवों को भी साझा किया जाएगा। इस दौरान कार्यशाला में बताया जाएगा कि मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का कैसे प्रभावशाली उपयोग कर पार्टी के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जा सकता है। इसके साथ ही कार्यशाला में जिलेवार मीडिया संयोजकों से क्षेत्रीय अनुभवों पर चर्चा कर भविष्य की कार्ययोजना भी तय की जाएगी।

भाजपा की यह कार्यशाला संगठन को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी।

मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने बताया कि दोपहर 4 बजे डॉ. सुधांशु त्रिवेदी 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विषय पर विशेष कार्यशाला को भी संबोधित करेंगे। इस कार्यशाला में समाज के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की सहभागिता रहेगी। इस सत्र में डॉ. त्रिवेदी 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के संवैधानिक, प्रशासनिक और सामाजिक पक्षों पर विस्तार से चर्चा करेंगे।

प्रवासी संघ राजस्थान ने केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले को सौंपा महत्वपूर्ण प्रस्ताव

जयपुर। प्रवासी संघ राजस्थान की ओर से केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले को जयपुर आगमन के अवसर पर एक महत्वपूर्ण सामाजिक प्रस्ताव सौंपा गया। जयपुर के होटल खासा कोठी में यह प्रस्ताव प्रवासी संघ राजस्थान के प्रदेश संयोजक भीम सिंह कासनियां की

■ प्रवासियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए जिला स्तर पर प्रवासी संघ की टीमों से सहयोग की मांग

ओर से केंद्रीय मंत्री आठवले को दिया गया। इस अवसर पर सर्व ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्योपत सिंह कायल और समाजसेविका काजल सैनी सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

प्रस्ताव में कहा गया है कि राजस्थान के प्रत्येक जिले में देशभर के विभिन्न राज्यों से आए हुए प्रवासी परिवार बड़ी संख्या में निवास कर रहे हैं।

इन प्रवासियों में से कई अब भी सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े

प्रवासी संघ राजस्थान ने केंद्रीय अधिकारिता मंत्री रामदास आठवले (बीच में) का स्वागत किया।

हुए हैं तथा उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं की पूरी जानकारी नहीं मिल पाती।

भीम सिंह कासनियां ने केंद्रीय मंत्री आठवले को सुझाव दिया कि यदि सामाजिक न्याय विभाग, प्रवासी संघ की जिला स्तरीय टीमों के माध्यम से जन-जागरूकता और समस्या समाधान का तंत्र विकसित करता है तो यह सामाजिक समरसता और न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल होगी।

प्रवासी संघ ने आग्रह किया है कि सामाजिक न्याय विभाग द्वारा प्रत्येक जिले में प्रवासी संघ के सहयोग से शिविरों का आयोजन किया जाए, जिनमें दिव्यांगजन, अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य वंचित वर्गों को विभागीय योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके।इससे एक ओर जहां सरकार की कल्याणकारी योजनाएं आमजन तक प्रभावी रूप से पहुंचेंगी, वहीं प्रवासियों को भी उनका संवैधानिक अधिकार व सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

पार्किंग से दुपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरफ्तार

जयपुर । जीआरपी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए खातीपुरा रेलवे स्टेशन की पार्किंग से दुपहिया वाहन चोरी करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के पांच दुपहिया वाहन भी बरामद किए है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक (एसपी जीआरपी अजमेर) नरेन्द्र सिंह ने बताया कि जीआरपी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले टीकम बैरवा (26) निवासी वजीरपुर जिला सवाई माधोपुर और अजय सैनी (20) निवासी लेखराज नगर जयसिंहपुरा खोर को गिरफ्तार किया। जीआरपी थाना पुलिस ने एएएसआई जगदीश प्रसाद के नेतृत्व में एक पुलिस टीम गठित की गई। जहां टीम ने सीसीटीवी फुटेजों को खंगाल कर वाहन चोरों का पीछा करते हुए धर-दबोचा। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने खातीपुरा रेलवे स्टेशन की पार्किंग से दुपहिया वाहन चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों टीकम बैरवा और अजय सैनी को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चोरी के पांच दुपहिया वाहन जब्त की है। पूछताछ में और भी कई दुपहिया वाहन चोरी की वारदातें खुलने की आशंका जताई।

स्वच्छता में पटना देशभर के 21 शहरों में शामिल

जयपुर/पटना । कभी स्वच्छता की दौड़ में पीछे माना जाने वाला शहर आज देशभर के हजारों शहरों के बीच अपनी एक स्वच्छ पहचान के साथ एक अलग छवि प्रस्तुत कर रहा है। पटना नगर निगम को स्वच्छता में बेहतर प्रदर्शन हेतु दिल्ली के विज्ञान भवन में सम्मान प्राप्त हुआ। पटना 10 लाख आबादी वाले 44 शहरों में 21 वें स्थान पर है।जीएफसी 3 स्टार से सम्मानित किया गया। गंगा टाउन शहरों में पटना को 4 रैंक प्राप्त हुआ।नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर ने कहा कि पटना ने स्वच्छता के क्षेत्र में बीते वर्षों में असाधारण प्रगति की है आमजनों को सुविधा देने वाला पिंक टॉयलेट, लू कैफे एवं निगम नीर एवं मेवहॉल एम्बुलेंस की गाड़ियां पटना नगर निगम की वेस्ट गाड़ियों से तैयार कर सफल पूर्वक इस्तेमाल किया जा रहा है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 के अंतर्गत सिटीजन फीडबैक कैटेगरी में पटना 4था स्थान मिला। पटना नगर निगम ने बीते कुछ वर्षों में सफाई व्यवस्था को प्रभावी और टिकाऊ बनाने के लिए डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन, सूखे और गीले कचरे का पृथक्करण (वेस्ट सेगरेगेशन), कंपोस्टिंग यूनिट्स की स्थापना, और

पटना नगर निगम की स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर डॉ नीतू कुमारी (दांये) को सम्मान प्राप्त हुआ।

वॉशरूम मैनेजमेंट सिस्टम को मजबूत करने जैसे महत्वपूर्ण पहल शामिल है। सम्मान समारोह कार्यक्रम में नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह, माननीय महापौर सीता साहू, उप महापौर रेशमी कुमारी सशक्त स्थाई समिति के सदस्यगण , नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर, अपर नगर आयुक्त आशिष कुमार, उप नगर आयुक्त रामाशीष तिवारी, स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर ड़ॉ नीतु कुमारी नवगीत एवं सफ़ाई कर्मचारी सुलेखा एवं मानती और नगर निगम की टीम उपस्थित रही।

हर पटनावासी का सम्मान सब मिलकर आदतें सुधारें तो और बड़ी बनेगी पहचान : नीतू नवगीत

राष्ट्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण में पटना नगर निगम को मिले सम्मान से हर्षित पटना नगर निगम की स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर डॉ नीतू कुमारी नवगीत ने सभी पटनावासियों को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता सर्वेक्षण में भागीदारी के लिए तथा बिहार में सबसे बेहतर स्वच्छता के लिए पटना नगर को मिला सम्मान पटना के हर व्यक्ति का सम्मान है। स्वच्छता के क्षेत्र में सभी ने मिलकर काम किया है जिससे पटना की रैंकिंग में सुधार आया है।

युवक का अपहरण कर लूटपाट करने के आरोपी चार कांस्टेबल निलंबित

चारों निलंबित कांस्टेबल को गिरफ्तार किया, डीसीपी पूर्व आदेश जारी किए

जोधपुर, (कासं)। एक युवक का किडनैप कर लूटपाट करने वाले चार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इसके साथ ही इन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है।डीसीपी पूर्व आलोक श्रीवास्तव ने इस संबंध में आदेश जारी किए है।

माता का थान पुलिस थाने में तैनात कांस्टेबल नृसिंग राम, राकेश पूनिया, लादूराम और जगमाल राम को निलंबित किया गया है। डीसीपी आलोक श्रीवास्तव का कहना है कि इस मामले में एक अन्य जिले के पुलिसकर्मी के शामिल होने की भी बात सामने आ रही है। जल्द ही उसकी भूमिका की जांच कर उसे भी गिरफ्तार किया जाएगा। मामले की जांच आइपीएस अधिकारी हेमंत कलाल कर रहे हैं।

- **'मामले में एक अन्य जिले के पुलिसकर्मी के शामिल होने की भी बात सामने आ रही है'**

जानकारी के अनुसार परिवादी रामदेव नगर बनाड़ रोड निवासी दिलीप गौड़ की ओर से डीसीपी कार्यालय में सौंपे गए प्रार्थना पत्र के आधार पर बुधवार देर रात महामंदिर थाने में एफआइआर दर्ज की थी। इसमें आरोप है कि 14 जुलाई को दिलीप और उसके दोस्त रमेश शर्मा को पुलिसकर्मियों ने डरा-धमकाकर अगवा किया और माता का थान थाने में बंधक बनाकर दो लाख रुपए व क्रिप्टो करेंसी वसूली। दिलीप गौड़ ने शिकायत में आरोप लगाया कि वह 14 जुलाई को अपने दोस्त रमेश शर्मा के साथ मॉल में खरीदारी करने गया था। मॉल के बाहर कार पार्क करते समय वर्दीधारी सिपाही जगमाल व अन्य सादे कपड़ों में मौजूद पुलिसकर्मी वहां पहुंचे और दोनों को डराने धमकाने लगे। दिलीप को कार से उतारकर खुद ड्राइवर सीट पर बैठ गए। पीछे बैठे पुलिसकर्मियों ने कहा कि तुम्हारा अपहरण हो गया है, छूटना है तो रुपए दो। इसके बाद दोनों से मौके पर ही 50-50 हजार रुपए वसूले गए। दिलीप का आरोप है कि इसके बाद उन्हें जबरन कार में बैठाकर माता का थान थाने ले जाया गया। थाने के सीसीटीवी कैमरे पहले ही बंद करवाए गए। थाने में राकेश नामक सिपाही भी मौजूद था। वहां उन्हें धमकाकर परिवार की बैंक डिटेल ली गई और दिलीप की पत्नी के एटीएम कार्ड से पासवर्ड लेकर रमेश से एक लाख रुपए निकलवाए गए। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पुलिसकर्मियों ने दिलीप का कीमती मोबाइल भी ले लिया और उसमें मौजूद क्रिप्टो करेंसी अपने किसी परिचित को ट्रांसफर कर दी। बाद में कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए और किसी से कुछ कहने पर झूठे मामलों में फंसाने की धमकी देकर रात करीब साढ़े आठ बजे छोड़ा गया। पीड़ितों ने डीसीपी से मिलकर कार्रवाई की मांग की, जिसके बाद मामला दर्ज हुआ।

आरपीएससी : विभिन्न पदों पर भर्तियों के विज्ञापन जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा गुरूवार को विभिन्न पदों पर बंपर भर्तियों के विज्ञापन जारी किए गए हैं। इनके तहत 5 विभिन्न विभागों में 12 हजार 121 पदों पर भर्तियां की जाएगी। इनको सम्मिलित करते हुए वर्ष 2025 के दौरान आयोग द्वारा 9 भर्तियों के विज्ञापन अभी तक जारी किए जा चुके हैं। विस्तृत सूचना हेतु भर्ती विज्ञापनों का अवलोकन आयोग की वेबसाइट पर किया जा सकता है।

- **पांच विभिन्न विभागों में 12 हजार 121 पदों पर भर्तियां की जाएगी**

आयोग सचिव ने बताया कि विभिन्न विभागों से प्राप्त भर्ती अर्थनाओं के क्रम में भर्तियां की जानी है। अभ्यर्थी विज्ञापित पदों हेतु आवेदन करते समय विज्ञापन में जारी की गई वांछित योग्यता का अवश्य अवलोकन कर यह सुनिश्चित करें कि जिस पद के लिए उनके द्वारा आवेदन किया जा रहा है, उसके लिए पात्रता की समस्त शर्तों को वे पूरा करते हों। बिना वांछित योग्यता व अनुभव के आवेदन करने पर आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं से डिबार किया जा सकता है।

सहायक कृषि अभियंता (कृषि विभाग) के 281 पद, पशुपालन विभाग (पशु चिकित्सा अधिकारी) के 1100 पद, उप निरीक्षक/प्लाटून कमांडर (गृह ग्रुप-1) विभाग के 1015 पद, प्राध्यापक एवं कोच (स्कूल शिक्षा विभाग) के 3225 पद, वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा विभाग) के 6500 पद है।

सहायक कृषि अभियंता के पदो के लिए 28 जुलाई से 26 अगस्त, पशु चिकित्सा अधिकारी के पदों के लिए 5 अगस्त से 3 सितंबर, उपनिरीक्षक/प्लाटून कमांडर के पदों के लिए 10 अगस्त से 8 सितंबर, प्राध्यापक एवं कोच के पदों के लिए 14 अगस्त से 12 सितंबर तथा वरिष्ठ अध्यापक पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 19 अगस्त से 17 सितंबर तक किए जा सकेंगे।

बेरोजगार युवकों को रोजगार का लालच देकर बंदी बनाया

- **पीड़ितों का आरोप है कि कंपनी ने जॉब दिलाने के नाम रुपए लिए और ट्रेनिंग दी, इसके साथ ही इन्हें कमरों में बंदी बनाकर रखा**
- **'रजिस्ट्रेशन के नाम पर गरीब बेरोजगारों से 41500 रुपए ले लिए और जॉब भी नहीं मिली'**

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के सुखेर थाना क्षेत्र में नौकरी के नाम पर बेरोजगार युवाओं से रुपए हड़पने का मामला सामने आया है। पीड़ितों का आरोप है कि कंपनी ने जॉब दिलाने के नाम रुपए लिए और ट्रेनिंग दी। इसके साथ ही इन्हें कमरों में बंदी बनाकर रखा।

पीड़ितों की ओर से थाने में मामला भी दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने मीरा नगर स्थित ट्रेडेस्टिक वेंचर्स प्रा.लि. नाम की कंपनी से उनके पास जॉब दिलाने के लिए कॉल आया। उन्हें ऑनलाइन और ऑफलाइन कपड़े बेचने का काम बताया। इसके बाद रजिस्ट्रेशन के नाम पर 41500 रुपए वसूले। कुछ गरीब युवा पैसे नहीं दे पाए तो उन्हें कमरे में बंदी बना लिया और मोबाइल ले लिए। घर से पैसे मंगवाने का दबाव बनाकर प्रताड़ित किया। ऐसे में कुछ युवक चोरी छिपे वहां से भाग निकले, जिन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी।

थानाधिकारी रविन्द्र चारण ने बताया कि कुछ युवाओं ने एक कंपनी के खिलाफ जॉब रजिस्ट्रेशन के नाम पर रुपए ऐंठने और बंदी बनाने का आरोप लगाया है। मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस जब कंपनी के ऑफिस पहुंची तो मौके पर कोई नहीं मिला।

पीड़ित संजय कुमार निनामा निवासी प्रतापगढ़ ने बताया कि कुसुम मीणा नाम की महिला ने फोन करके जॉब का लालच दिया। 20 से 25 हजार सैलरी बताई। मैं उनके ऑफिस गया तो मुझे 4 दिन की ट्रेनिंग दी फिर रजिस्ट्रेशन के नाम पर 41500 रुपए जमा कराने को कहा। मेरे पास 10 हजार रुपए थे, वो जमा करा दिए। इसके बाद मुझे एक कमरे में बंद कर दिया। कंपनी कर्मचारियों ने पैसे जमा कराने का दबाव बनाया। वहीं लड़की नर्मदा और पारस ने बताया कि हमें कंपनी ने जॉब के नाम पर झूठ बोला। हमसे 41500 रुपए ले लिए। एक समय खाना देते थे और बाहर नहीं आने देते। हम रात तीन बजे छिपकर वहां से भागे। प्रशासन से गुजारिश है कि हमारे पैसे वापस दिलाए जाएं और कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए।

बीएपी प्रदेश प्रवक्ता अरविंद कोटेड ने बताया कि कुछ युवक-युवतियों ने मुझे इस घटना के बारे में बताया तो मैंने उनके साथ सुखेर थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। कंपनी ने बेरोजगार युवाओं को जॉब का लालच देकर रुपए ऐंठे है। रजिस्ट्रेशन के नाम पर गरीब बेरोजगारों से 41500 रुपए ले लिए और जॉब भी नहीं मिली। पैसे नहीं देने पर उन्हें बंदी बना लिया गया।

1500 रुपए की रिश्वत लेते हेल्थ सुपरवाइजर गिरफ्तार

आशा सॉफ्ट पोर्टल पर क्लेम फार्म अपडेट करने की एवज में मांगी थी रिश्वत

अजमेर/ ब्यावर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो अजमेर इकाई ने ब्यावर जिले के रायपुर ब्लॉक के कानुजा सेक्टर में पदस्थापित हेल्थ सुपरवाइजर चेतन सिंह को 1500 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। आरोपी ने यह रकम आशा सॉफ्ट पोर्टल पर क्लेम फार्म अपडेट करने की एवज में मांगी थी। एसीबी की टीम जांच में जुटी है।

एसीबी महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी को शिकायतकर्ता आशा सहयोगिनी ने शिकायत दी थी, जिसमें बताया कि वह आंगनबाड़ी केन्द्र भीला तहसील रायपुर में कार्यरत है। सेक्टर सुपरवाइजर चेतन सिंह, उससे आशा क्लेम फॉर्म ऑनलाइन अपलोड करने के नाम पर 1500 रुपए रिश्वत की मांग रहा है। शिकायत का सत्यापन होने के बाद एसीबी अजमेर की टीम ने जाल बिछाकर चेतन सिंह को रंगे हाथ रिश्वत लेते धर दबोचा। आरोपी ने 1500 रुपए की राशि अपनी पैंट की जेब में रखी थी, जहां से रकम बरामद कर ली गई। कार्रवाई का नेतृत्व एसीबी चौकी अजमेर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचन्द्र ने किया, जबकि ऑपरेशन का सुपरविजन उप महानिरीक्षक पुलिस कालूराम रावत ने किया। ट्रैप टीम में निरीक्षक मीरा बेनीवाल और अन्य अधिकारी शामिल रहे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भागचन्द ने बताया कि आरोपी संविदाकर्मी चेतन सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। टीम पूछताछ में जुटी है और यह पता लगा रहा ही है कि अन्य कर्मचारियों और आशा कार्यकर्ताओं से भी इसी तरह की और भी वसूली तो नहीं की गई।

चाचा-भतीजे हत्या करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

चाकूबाजी कर चाचा-भतीजे की हत्या करने के मामले में पुलिस ने तीन जनों को गिरफ्तार किया।

अजमेर, (कासं)। रामगंज थाना क्षेत्र के ब्यावर रोड खानपुरा स्थित पाकीजा मीट शॉप पर दो दिन पूर्व चिकन की रेट पांच रुपए बढ़ाने को लेकर हुए दो पक्षों में झगड़े में एक पक्ष द्वारा चाकूबाजी कर चाचा-भतीजे की हत्या करने के मामले में पुलिस ने तीन जनों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक को डिटेन किया है, जो जेएलएन अस्पताल में भर्ती है।

- **पुलिस ने एक को डिटेन किया, जो जेएलएन अस्पताल में भर्ती है**
- **चिकन रेट पांच रुपए बढ़ाने पर दुकान पर आकर चाकू मारा था**

एडिशनल एसपी सिटी हिमांशु जांगिड़ और थाना प्रभारी डॉ. रवीश सामरिया ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि 15 जुलाई दोपहर तीन बजे करीब 50 से 60 लोग गाड़ियों में भरकर आए थे। दोनों पक्षों के बीच मीट की रेट को लेकर विवाद हुआ था। हमलावर पक्ष ने दूसरे पक्ष पर चिकन की रेट पांच रुपए बढ़ाने का दबाव बनाया था। इस बात पर दोनों पक्षों में वॉट्सऐप पर विवाद हुआ था। बात नहीं मानने पर चाकूबाजी कर हत्या कर दी थी। हत्याकांड में पुलिस ने तीन आरोपियों एहसान कुरैशी, यूसुफ कुरैशी और इमरान कुरैशी को गिरफ्तार किया है, जबकि एक घायल आरोपी को डिटेन किया है, जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है।

चाकूबाजी में दोनों पक्षों के सात लोग हुए थे घायल :-मीट शॉप पर आया दूसरा पक्ष सोगरान मोहल्ला दरगाह क्षेत्र का था। इस पक्ष के यूनुस पुत्र मोहम्मद अली, एहसान पुत्र अल्लाह बख्श और इमरान पुत्र अब्दुल अली घायल हैं। वहीं मीट शॉप पक्ष के सलमान पुत्र शब्बीर, शाहरुख पुत्र शब्बीर, शाहबाज कुरैशी पुत्र शब्बीर और इरफान कुरैशी घायल हैं।

पंख पर अद्भुत चित्रकारी देख अभिभूत हुए केंद्रीय मंत्री अमित शाह व गजेन्द्र सिंह

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के आदिवासी कलाकार मांगीलाल गमेती की पक्षियों के पंखों पर की गई अद्भुत चित्रकारी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत को अभिभूत कर दिया। माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान की ओर से जनजाति कलाकारों के लिए संचालित बनफूल से संबद्ध देवाली उदयपुर निवासी मांगीलाल गमेती ने गुरूवार को जयपुर में आयोजित सहकार सम्मेलन के दौरान दोनों केंद्रीय मंत्रियों को अपनी कृतियां भेंट की। छोटे से पंख पर भगवान श्री कृष्ण की चित्राकर्षक छवि देखकर शाह और शेखावत ने प्रशंसा की। साथ ही जनजाति कलाओं को संरक्षित करने के प्रयासों को भी सराहा।

- **उदयपुर के आदिवासी कलाकार मांगीलाल गमेती की अद्भूत चित्रकारी की केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और पर्यटन मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत ने प्रशंसा की**

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मांगीलाल गमेती ने पंख पर उकेरी कलाकृति भेंट की।

उल्लेखनीय है कि टीआरआई, उदयपुर परिसर में जनजाति डिजाइन स्टूडियो बनफूल की स्थापना जनजातीय कला को संरक्षण एवं संवर्धन किए जाने की दृष्टि से की है। यह स्टूडियो पारंपरिक जनजातीय कला और डिजाइन का मंच प्रदान करेगा। इसके साथ ही स्टूडियो पारंपरिक जनजातीय कला से प्रेरित समकालीन परिधान, घरेलू सामान एवं वस्तुओं के डिजाइन में सहयोगी बन रहा है। जनजाति डिजाइन स्टूडियो जनजातीय कलाकारों को सूचीबद्ध करते हुए उनके डिजाइन एवं कलाकृतियों को तैयार कर बाज़ार में उपलब्ध कराया जाता है।

स्टूडियो के लिए कलाकारों की सूची संधारित की गई है। बनफूल जनजाति डिजाइन स्टूडियो जनजातीय कला के समृद्ध भंडार को संहित करने का कार्य करते हुए राजस्थान की विभिन्न पारंपरिक जनजातीय कला सुरक्षित किए जाने के माध्यम के रूप में स्थापित किया गया है। उक्त स्टूडियो अंतर्गत जनजातीय कलाकारों द्वारा चित्रित साड़ियां, चद्दरे, स्कूल ड्रेस, माण्डणा कला, पेंटिंग एवं विभिन्न काष्ठ कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। यह स्टूडियो राज्य के जनजातीय कलाकारों को अपनी कला के प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करता है, जिससे राज्य के जनजातीय कलाकारों को अपनी कला का व्यवस्थित मंच मिल रहा है।

युवक ने की आत्महत्या

उदयपुर, (निसं)। शहर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में युवक ने विषाक्त वस्तु सेवन कर आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार आई ब्लॉक गोवर्धन विलास निवासी पुष्पेन्द्र सिंह पुत्र दिलीपसिंह राजपूत की दो दिन पूर्व विषाक्त वस्तु सेवन करने से तबीयत खराब होने पर परिजनों ने उसे उपचार के लिए निजी चिकित्सालय भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। हेड कांस्टेबल जितेन्द्र ने मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

डॉ. बिंदिया चौधरी प्रशासक पद पर बहाल

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार का फैसला पलटा, अतिरिक्त आयुक्त ने बिना नोटिस पद से हटाया था

श्रीगंगानगर, (निसं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। जैतसर की ग्राम पंचायत 1 एमएसडी की प्रशासक डॉ. बिंदिया चौधरी को उनके पद पर बहाल कर दिया गया है। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के अतिरिक्त आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने दो जुलाई को डॉ. चौधरी को विभिन्न आरोप लगाते हुए पद से हटा दिया था। इसके विरोध में डॉ. चौधरी ने वकील जितेन्द्र सिंह भलेरिया के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की। याचिका में कहा गया कि उन्हें राजनीतिक प्रतिशोध के तहत बिना जांच और नोटिस के पद से हटाया गया। हाईकोर्ट के जस्टिस दिनेश मेहता ने 2 जुलाई के आदेश पर रोक लगाते हुए डॉ चौधरी को पुनः कार्यभार सौंपने का निर्देश दिया। साथ ही प्रतिवादी वकील को चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा है।

लेपर्ड ने बछड़े का शिकार किया

डूंगरपुर, (निसं)। बांसडवाडा मोहल्ले की पहाड़ी पर लेपर्ड ने एक और बछडे को शिकार बना लिया है। स्थानीय निवासियों के अनुसार पिछले कुछ समय से इस पहाडी पर लेपर्ड का आना-जाना देखा जा रहा है। स्थानीय निवासी भरत बांसड और निलेश बांसड ने बताया कि मोहल्ले से सटी पहाडी पर लोग अपने मवेशी चराने के लिए छोडते हैं। लेपर्ड लगातार इन मवेशियों को निशाना बना रहा है। स्थानीय लोगों को आशंका है कि लेपर्ड बस्ती में भी घुस सकता है।

नकल प्रकरण में मंत्री जोगाराम पटेल की पोती को राहत मिली

जोधपुर, (कासं)। नकल प्रकरण में कानून मंत्री जोगाराम पटेल की पोती को राहत मिली है। परीक्षा नियंत्रक ने इस मामले में क्लीन चिट दे दी है।

- **परीक्षा नियंत्रक ने क्लीन चिट दी**

एमबीएम विश्वविद्यालय की बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट (बोम) की बैठक विश्वविद्यालय परिसर में हुई। बैठक में कानून मंत्री जोगाराम पटेल की पोती का नकल प्रकरण भी रखा गया, जिसमें उसको क्लीन चिट दे दी गई। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बोम सदस्यों को उनके एजेंडे के साथ वर्ष 2023-24 में नकल करते पकड़े गए विद्यार्थियों की सूची तो सौंपी, लेकिन वर्ष 2024-25 के विद्यार्थियों की सूची को गोपनीय बता दिया, इसकी सूची दी ही नहीं। बोम बैठक में कुछ सदस्यों ने इसका विरोध किया तो कुलपति प्रो. अजय शर्मा ने उनके विरोध को दरकिनार कर दिया। जानकारी के अनुसार वर्ष 2024-25 में नकल करते हुए पकड़े गए परीक्षार्थियों में कानून मंत्री पटेल की पोती का प्रकरण भी शामिल था। नकल प्रकरणों की सूची परीक्षा नियंत्रक डॉ. अनिल गुप्ता ने एक-एक लिफाफा खोलकर खुद ही सुनाई। जब कानून मंत्री की पोती का नाम आया तो डॉ. गुप्ता बोले 'फाउंड नो गिल्टी'। कुल मिलाकर मंत्री की पोती को दोषमुक्त करार दे दिया गया।

दुबई से पांच करोड़ का सट्टा कारोबार चलाने का खुलासा, सात गिरफ्तार

मोबाइल सिम, एटीएम, लैपटॉप, ऑनलाइन गैम खेलने का करीब पांच करोड़ रूपयों का हिसाब का संधारित रजिस्टर जब्त

उदयपुर, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना पुलिस एवं डीएसटी पुलिस की टीम ने संयुक्त कार्वाई करते हुए दुबई में बैठकर शहर में सट्टा कारोबार चलाने का खुलासा करते हुए मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं इनके कब्जे से सट्टा उपकरण सहित अन्य सामान जब्त किया।

- **मौके पर मौजूद सात लोगों द्वारा विभिन्न ऑनलाइन साइट्स पर रूपयों का दांव लगा कर लोगों को सट्टा खिलाना बताया**

एसपी योगेश गोयल के निर्देश पर ऑनलाइन सट्टा कारोबारियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाने के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उपाधीक्षक छगन राजपुरोहित के सुपरविजन में डीएसटी टीम प्रभारी श्यामसिंह रत्नू, प्रतापनगर थानाधिकारी राजेन्द्र सिंह मय टीम को मुखबीर से आर्ची गैलेक्सी अपार्टमेंट पावर हाउस देबारी के एक फ्लेट में कुछ संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा इलेक्ट्रोनिक डिवाइस, कंम्यूटर, लैपटॉप व मोबाइल के माध्यम से अनजान ग्राहकों को दुबई से ऑनलाइन गेम खेलने व खिलाने काम कर धोखाधड़ी करने की मुखबीर से सूचना मिली। इस पर पुलिस दल ने मौके पर पहुंचकर दबीश दी, जहां पर मौजूद सात लोगों द्वारा विभिन्न ऑनलाइन साइट्स पर रूपयों का दांव लगा कर लोगों को सट्टा खिलाना बताया। सभी ने ऑनलाइन बैटिंग साईट की मास्टर आईडी पर इलेक्ट्रोनिक डिवाईस से सट्टा खेलना व कुटरचित फर्जी खाते, मोबाइल सीम, एटीएम, लेपटॉप, ऑनलाईन गैम खोलने का करीब पांच करोड़ रूपयों का हिसाब का संधारित रजिस्टर आदि से धोखाधड़ी कारित करने की जानकारी दी। इस पर पुलिस दल ने आरोपी सचिन पुत्र अनिल निवासी नीमच एमपी, नवीन पुत्र ओमप्रकाश निवासी लाला लाजपतराय कॉलोनी प्रताप नगर जोधपुर, ओमनारायण पुत्र जगदीशचंद्र निवासी गिलुंड राजसमंद, कश्यप पुत्र अरविंद निवासी घाणेराव पाली, अजय पुत्र जगदीशचंद्र निवासी गिलुंड राजसमन्द, महेश पुत्र अर्जुनराम निवासी दुदीया थाना लुणी जोधपुर, अभिषेक पुत्र अशोक निवासी नीमच एमपी को गिरफ्तार कर मोबाइल सिम, एटीएम, लैपटॉप, ऑनलाइन गैम खेलने का करीब पांच करोड़ का हिसाब का संधारित रजिस्टर जब्त कर प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

52 हजार केरिंग चार्ज वसूला

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज की स्वास्थ्य शाखा ने सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ सख्त कार्वाई शुरू कर दी है। हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल के निर्देश पर स्वास्थ्य शाखा ने गुरुवार को निगम क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान स्वास्थ्य शाखा ने 150 किलो सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त की और 52000 का केरिंग चार्ज वसूल किया। इस संबंध में हेरिटेज निगम उपायुक्त स्वास्थ्य देवानंद शर्मा ने बताया कि हेरिटेज निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल के निर्देश पर सघन तलाशी अभियान चला रहा है।

नाबालिग से दुष्कर्म

जयपुर। मालपुरागेट थाना इलाके में एक नाबालिग लड़की के अपहरण कर उसे दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित पिता की शिकायत पर आरोपी परिचित के खिलाफ पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी। थानाधिकारी मुनींद्र सिंह ने बताया कि थाना इलाके में रहने वाले पीड़ित पिता का आरोप है कि मंगलवार देर रात नाबालिग बेटी पर पर सो रहीं थी। परिवार के अन्य लोगों की रात को नींद खुली तो देखा नाबालिग बेटी घर से गायब है। घर से थोड़ी ही दूरी पर ढूंढने पर वो डरी -सहमी एक गली से आती हुई दिखाई दी। पूछताछ करने पर उसने घटना के बारे में बताया।

कार्यालय उप वन संरक्षक (वन्यजीव) राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभ्यारण्य, धौलपुर
महिला पुलिस थाने के पास हाउसिंग बोर्ड, पुरानी छावनी, धौलपुर पिन कोड 328001
Email-ID-defwighariyalswm@gmail.com

क्रमांक- एफ ()/उवसं/वजीधौ./राचघअ./2025-26/1944 दिनांक-09.07.2025

Notice Inviting Bid

Bid for providing supply of Afforestation Payload For Rapid Dispersal of Seed Balls Across Forests at Forest Block of Wildlife Range Subordinate Of DCF WL NCS Dholpur are invited from interested bidders upto 11.30 AM, 21.07.2025. other state. The approximate value of the procurement is 23.00 lakhs.
UBN NO. FOR2526SLOB00889

(डा. आशीष व्यास)
उप वन संरक्षक (वन्यजीव)
राष्ट्रीय चम्बल घड़ियाल अभ्यारण्य, धौलपुर
DIPR/C/9781/2025

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्र.सं. संक्षिप्त वि.सं.03-07/Exam/AEn(Agri)(V.O./SI-Platoon Commander/Lecturer-Coach/Sr.Teacher/RPSC/EP-I/2025-26 दिनांक-17.07.2025

आयोग द्वारा विभिन्न विभागों के लिए विभिन्न सवा नियमों के अन्तर्गत 05 विज्ञापनों के तहत ऑनलाईन आवेदन पत्र आमन्त्रित किए जा रहे है। उक्त विज्ञापनों के तहत विज्ञापित पदों की शैक्षणिक योग्यता, विभागवार पदों की संख्या, वर्गवार वर्गीकरण आवेदन प्रक्रिया, आयु सीमा व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध पृथक-पृथक विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। इन विज्ञापनों के तहत विज्ञापित पदों हेतु विभाग का नाम, पद नाम, विज्ञापन संख्या, पदों की संख्या, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है-

क्र.सं.	विभाग का नाम	पद का नाम	विज्ञापन संख्या	पदों की संख्या	आवेदन अवधि
1	कृषि विभाग	सहायक कृषि अभियंता	03/2025-26	281	28.07.2025 से 26.08.2025
2	पशुपालन विभाग	पशुचिकित्सा अधिकारी	04/2025-26	1100	05.08.2025 से 03.09.2025
3	गृह (ग्रुप-1)विभाग	उप निरीक्षक/प्लाटून कमाण्डर	05/2025-26	1015	10.08.2025 से 08.09.2025
4	माध्यमिक शिक्षा विभाग	प्राध्यापक एवं कोच (स्कूल शिक्षा)	06/2025-26	3225	14.08.2025 से 12.09.2025
5	माध्यमिक शिक्षा विभाग	वरिष्ठ अध्यापक	07/2025-26	6500	19.08.2025 से 17.09.2025

अन्य बिन्दु व सूचना-एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाईट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते है। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

राम निवास मेहता
सचिव
DIPR/C/_____/2025

राज्यपाल ने वि.वि. के नेक एक्रीडेशन व उच्च शिक्षा में गुणवत्ता से सम्बन्धित विशेष समीक्षा बैठक ली

जयपुर । राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि उच्च शिक्षण संस्थाओं में नामांकन और परीक्षा ही एक मात्र ध्येय नहीं होना चाहिए। वहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए निरंतर कार्य हो, इसके प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में यह किया गया है कि जिस कॉलेज में सुविधा नहीं, अच्छे शिक्षक रखने की क्षमता नहीं है तो उसे बंद किया जाता है। यही व्यवस्था सभी स्थानों पर होनी चाहिए। उन्होंने एक वर्ष पहले राज्य में सभी विश्वविद्यालयों के नेक एक्रीडेशन के लिए हुई पहल की चर्चा करते हुए कहा कि राजस्थान विश्वविद्यालय को सफलता मिली हैं। प्रयास करें जल्द दूसरे विश्वविद्यालय भी इस सम्बन्ध में निर्धारित औपचारिकताएं पूरी कर आगे बढ़ें।

■ **'उच्च शिक्षण संस्थाओं में नामांकन और परीक्षा ही एक मात्र ध्येय नहीं होना चाहिए'**

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में पाठयपुस्तको के अलावा भी दूसरे विषयों का सम सामयिक ज्ञान विद्यार्थियों को दिया जाए। इसी से शिक्षा युगानुकुल हो सकेगी। उन्होंने शिक्षण संस्थाओं में विद्यार्थियों की बौद्धिक और शारीरिक क्षमता में वृद्धि के लिए विद्यार्थियों को कॉपी करके पास होने की प्रवृति की बजाय शिक्षको द्वारा परिवेश की समझ, भारतीय प्राचीन ज्ञान की समृद्ध दृष्टि और आधुनिक विकास से जुड़े समय संदर्भों की जानकारी से समृद्ध किए जाने पर जोर दिया।

राज्यपाल बागडे गुरुवार को राजभवन में विश्वविद्यालयों के नेक एक्रीडेशन और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता से सम्बन्धित विशेष समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नए उच्च शिक्षण संस्थान की शिक्षा विभाग अनुमति दें तो यह देखें कि वहां पढ़ाने की अच्छी व्यवस्था, विद्यार्थियों के लिए बेसिक सुविधाएं हों। संस्थान अच्छे प्रोफेशर रखने की क्षमता रखता है भी या नहीं, इसे विशेष रूप से सुनिश्चित किया जाए।

राज्यपाल ने कहा कि किसी शिक्षण संस्थान के विद्यार्थी राष्ट्र उत्पादक होते हैं। इसलिए उनकी शैक्षिक गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विद्यार्थी शिक्षण संस्थान का एक तरह से प्रोडक्ट होता है। वह अच्छा नहीं है तो पदवी देने वाले संस्थान की खामी हैं।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा की क्वालिटी ख़राब होने से देश का नुकसान होगा। विद्यार्थी देश की प्रगति का साधन है। उन्होंने इंजीनियरिंग और कृषि शिक्षा के अंतर्गत हुनरमंद लोगों को तैयार किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सारी शिक्षा एक छत के नीचे आए। विश्व के शीर्ष शिक्षण संस्थानों के प्राध्यापकों को बुलाकर उनके व्याख्यान विश्वविद्यालयों में हों ताकि विद्यार्थी स्वतंत्र चिंतन से जुड़ सके। उन्होंने कहा कि विनोबा भावे ने कहा था कि देश जब स्वतंत्र हुआ उसी दिन शिक्षा नीति बदलनी चाहिए थी। ब्रिटिश सरकार में लागू शिक्षा नीति उनके खुद के अनुकूल थी। वह हमारी नहीं है। वहीं चलतीं रही।

अब नई शिक्षा नीति बनी है जो पूरी तरह से भारतीय है। उन्होंने कहा कि प्राचीन और नवीन ज्ञान के आलोक में राज्य में शिक्षा क्षेत्र में विकास के लिए प्रभावी कार्य किया जाए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे(बायें) ने राज्य में सभी विश्वविद्यालयों के नेक एक्रीडेशन के लिए हुई पहल की चर्चा की।

दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन आज से

जयपुर। मानव तस्करी जैसे जघन्य अपराध के खिलाफ लड़ाई में राजस्थान पुलिस एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। गृह मंत्रालय, भारत सरकार के महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों के क्रम में राजस्थान पुलिस मुख्यालय की सिविल राइट्स एवं एएचटी शाखा आज से जयपुर स्थित राजस्थान पुलिस अकादमी में दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन कर रही है। यह सम्मेलन शनिवार तक चलेगा। महानिदेशक पुलिस सिविल राइट्स मालिनी अग्रवाल ने बताया कि यह अहम कदम गृह मंत्रालय, महिला सुरक्षा डिवीजन, भारत सरकार के उप सचिव (पीआर और एटीसी) द्वारा जारी पत्र 11 मार्च 2024 और 16 जून 2025 के अनुपालन में उठाया गया है।

इन पत्रों में मानव तस्करी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और रणनीतियों को लेकर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया था, जिस पर गहन मंथन आवश्यक था, इस दो दिवसीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मानव तस्करी से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श करना है। इसमें तस्करी के बदलते स्वरूप, पीड़ितों की पहचान और बचाव, उनके पुनर्वास के तरीके, और अपराधियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर खास जोर दिया जाएगा।

पं. कैलाश शर्मा ने किया पार्थिव शिवलिंग महारुद्राभिषेक के पोस्टर का विमोचन

महंत कैलाश शर्मा ने पोस्टर का विमोचन किया।

जयपुर। शिव महापुराण कथा समिति, जयपुर का अठारहवां वार्षिक 251 सामूहिक पार्थिव शिवलिंग महारुद्राभिषेक रविवार, 3 अगस्त को सीकर रोड पर राजावास पुलिया के पास स्थित अनंतम सफायर में आयोजित किया जाएगा।

गुरुवार को प्रथम पूज्य मोती डूंगरी गणेश मंदिर में विघ्नहर्ता भगवान गणेश को विधिवत निमंत्रण देकर आयोजन का श्रीगणेश किया गया। मंदिर महंत कैलाश शर्मा के सान्निध्य में कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया गया। महंत कैलाश शर्मा ने इस मौके पर कहा कि यह श्रावण मास का पावन महीना है। प्रकृति स्वयं हर-हर महादेव का जयघोष कर रही है। जनमानस का हृदय शिवभक्ति में लीन है। ऐसे माहौल में पार्थिव शिव लिंग का विधिवत अभिषेक शिव भक्तों के हृदय में शिव भक्ति का संचार करेगा। समिति के महामंत्री अरुण खटोड़ ने बताया कि इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष पं.सुरेश शास्त्री, उपाध्यक्ष त्रिलोक खंडेलवाल, दीपक गोयल, बालकृष्ण शर्मा उपस्थित रहे। रुद्राभिषेक में 251 यजमान दंपति पार्थिव शिवलिंगों पर अभिषेक करेंगे। उनके लिए संपूर्ण पूजन सामग्री, पंडितों के लिए वस्त्र, दक्षिणा, अल्पाहार एवं भोजन की पूर्ण व्यवस्था रहेगी।

घर में घुसकर पड़ोसी ने किया एक युवती से दुष्कर्म

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर थाना इलाके में घर में घुसकर पड़ोसी द्वारा एक युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है।

बताया जा रहा है कि आरोपित ने मोबाइल में अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया। अश्लील वीडियो को वायरल कर बदनाम करने की धमकी दी। इस संबंध में खोर थाने में पीड़ित युवती ने मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि जयसिंहपुरा खोर की रहने वाली 20 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि कॉलोनी में रहने के कारण आरोपित व उसके साथियों को वह जानती है।

आरोप है कि चार जून को घर में अकेला पाकर आरोपी पड़ोसी ने उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया। अपने मोबाइल में दुष्कर्म कर उसका अश्लील वीडियो बना लिया।

अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। दोस्तों की मदद से बदनाम करने की धमकी देने लगा। पुलिस ने पीड़ित युवती की शिकायत पर मामला दर्ज किया।

विद्युत निगमों की भर्ती में तकनीशियनों के 1947 पदों की वृद्धि

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राज्य के तीनों विद्युत वितरण निगमों में तकनीशियन- (आईटीआई) के 1947 नवीन पदों के सृजन और उन्हें भरने की स्वीकृति प्रदान की है जिसके अनुसरण में राज्य के विद्युत निगमों में तकनीशियन- (आईटीआई) के 216 पदों की प्रक्रियाधीन भर्ती में उक्त 1947 नये पदों को सम्मिलित करते हुए अब कुल 2163 पदों पर भर्ती हेतु राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा संशोधित विज्ञिप्त जारी की गई हैं।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं को रोजगार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं को रोजगार के और अधिक अवसर प्रदान करने के साथ ही विद्युत निगमों के सुदृढ़ीकरण की दिशा में आगे बढ़ते हुए तीनों वितरण निगमों में तकनीषियन- के सीधी भर्ती के पदों में वृद्धि की गई है। वर्तमान में 216 पदों पर प्रक्रियाधीन भर्ती प्रक्रिया में ही उक्त नव सृजित 1947 पदों को भी सम्मिलित किया गया है जिससे कुल रिक्तियों की संख्या दस गुणा बढ़ कर अब 2163 हो गई है। इसमें जयपुर डिस्कॉम की रिक्तियाँ 66 से बढ़ कर 603 हो गयी हैं। इसके साथ ही अब अजमेर डिस्कॉम में 498 एवं जोधपुर डिस्कॉम में 912 पदों पर भी भर्तियाँ की जावेगी जबकि पूर्व में इन दो डिस्कॉम की कोई भी रिक्ति विज्ञापित नहीं की गयी थी। उत्पादन निगम में पूर्व की भाँति 150 पदों पर भर्तियाँ की जावेगी।

■ **प्रक्रियाधीन भर्ती में अब कुल 2163 पदों के लिए संशोधित विज्ञिप्त जारी**

हीरालाल नागर ने बताया कि विद्युत निगमों में तकनीशियन- (आईटीआई) के इन कुल 2163 पदों पर सीधी भर्ती हेतु संशोधित विज्ञिप्त जारी कर, इच्छुक अभ्यर्थियों से ऑनलाईन माध्यम से आवेदन भरने की प्रक्रिया अगस्त 2025 में प्रारम्भ की जायेगी। टी.एस.पी. क्षेत्र के अभ्यर्थियों के साथ ही आरक्षित एवं अनारक्षित वर्ग के ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने पूर्व में आवेदन नहीं किया था अथवा फीस जमा नहीं कराई थी, वे भी अब इस अवसर का लाभ उठाकर नया आवेदन कर सकेंगे। तथापि ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने पूर्व में सफलतापूर्वक आवेदन कर दिया था, को पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी लेकिन उनको निगमों की वरीयता में परिवर्तन का विकल्प दिया जायेगा।

यह भी उल्लेखनीय है कि विद्युत निगमों में 487 पदों पर शुरू की गई भर्ती प्रक्रिया में, अभियंता संवर्ग के 271 पदों की भर्ती प्रक्रिया में आवेदन प्राप्त होने के पश्चात् मात्र 3 माह के अल्प समय में ही ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षाओं के सफलतापूर्वक आयोजन के बाद परीक्षा परिणाम की घोषणा कर दस्तावेजों के सत्यापन और काउंसलिंग की प्रक्रिया पूरी की गई एवं नियुक्ति आदेश भी जारी किये जा चुके हैं।

ए.डी.जी. क्राइम दिनेश एमएन ने 2 कुख्यात फरार आरोपियों पर 1-1 लाख का इनाम घोषित किया

जयपुर। राजस्थान में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने और संगठित अपराधों पर नकेल कसने के लिए राजस्थान पुलिस लगातार सक्रिय है। इसी कड़ी में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) अपराध शाखा दिनेश एमएन ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। उन्होंने दो कुख्यात एवं लंबे समय से फरार चल रहे अपराधियों श्यामसुंदर उर्फ सांवरिया उर्फ सांवरा विश्नोई और रमेश कुमार उर्फ रामलाल उर्फ अनिल कुमार विश्नोई की गिरफ्तारी पर प्रत्येक पर 1-1 लाख रुपये का नकद इनाम घोषित किया है।

एडीजी एमएन ने गुरुवार को जारी किए अपने आदेश में स्पष्ट किया कि ये दोनों अभियुक्त कई संगीन आपराधिक मामलों में वांछित हैं और लगातार अपनी उपस्थिति छिपाकर पुलिस को चकमा दे रहे हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए राजस्थान के विभिन्न जिलों और संभावित ठिकानों पर पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं एमएन ने बताया कि श्यामसुंदर उर्फ सांवरिया उर्फ सांवरा पुत्र लादूराम बिश्नोई निवासी सोंनगड़ी थाना सेड़वा जिला बाड़मेर के विरुद्ध 13 आपराधिक प्रकरण दर्ज है। जिनमे थाना पिंडवाड़ा जिला सिरोही एवं थाना सेड़वा जिला बाड़मेर के एनडीपीएस एक्ट के दो मामलों में 4 साल से वांटेड है। आरोपी रमेश कुमार उर्फ रामलाल उर्फ अनिल कुमार पुत्र सोहनलाल विश्नोई निवासी शिवमंदिर नेडीनाड़ी थाना धोरीमन्ना बाड़मेर के विरुद्ध भी 13 आपराधिक प्रकरण दर्ज है। जिनमे थाना धोरीमन्ना में फिरौती के लिए अपहरण, जानलेवा हमला, लूट के मामले में 7 साल से वांछित होकर भगोड़ा घोषित है। **सूचना देने पर मिलेगा भारी इनाम:** एडीजी ने बताया कि जो भी व्यक्ति इन आरोपियों को गिरफ्तार करेगा/करवाएगा या उनकी गिरफ्तारी के लिए सही और सटीक सूचना देगा। उसे प्रत्येक आरोपित के लिए एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इस पुरस्कार का वितरण महानिरीक्षक पुलिस जोधपुर रेंज(जोधपुर)के माध्यम से किया जाएगा। यह भी स्पष्ट किया गया है कि जोधपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक द्वारा पहले जारी की गई पचास-पचास हजार रुपये की घोषणा अब निरस्त मानी जाएगी।

■ **राजस्थान पुलिस का अपराधियों पर सीधा वार**

गायत्री शक्तिपीठ में कार्यकर्ता संगोष्ठी आज

जयपुर। शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री परिवार की संस्थापिका भगवती देवी शर्मा माताजी के जन्म शताब्दी वर्ष- 2026 की पूर्व तैयारियों के अंतर्गत जयपुर में दो स्थानों पर कार्यकर्ता संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा।

गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी में 18 जुलाई को अपराह्न 3 बजे प्रथम कार्यकर्ता गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा।

शांतिकुंज हरिद्वार से आने वाली टोली अखण्ड ज्योति प्राकट्यय एवं वंदनीया माताजी के जन्म को 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शांतिकुंज द्वारा घोषित शताब्दी वर्ष योजनाओं की जानकारी, समयदान, अंशदान के नियोजन से जुड़ी जानकारी देगी। इसी कड़ी में 20 जुलाई को किरण पथ मानसरोवर स्थित वेद माता गायत्री वेदना निवारण केन्द्र पर अपराह्न 3 बजे कार्यकर्ता संगोष्ठी आयोजित की जाएगी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सभा के दौरान बारिश का दौर जारी रहा

जयपुर। दादिया में केंद्रीय गृहमंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता सम्मेलन को संबोधित किया। इसके लिए प्रदेश भर से लोग मौजूद रहे।

इस दौरान सुबह से बारिश का दौर जारी रहा इसके लिए लोग अपने आप को बचाते हुए सभा स्थल तक पहुंचे एवं सभा के बाद व पहले लोगों ने बारिश से बचने के लिए फ्लेक्स से बचाव किया। सभा के दौरान रिंग रोड की एक तरफ को पोस्टर बैनर से सजाया गया। दादिया में अमित शाह की सभा से कुछ दूरी पर रिंग रोड पर बड़ा हादसा होते-होते चल गया। रिंग रोड पर बने अंडरपास के बराबर से मिट्टी व दीवार डह गई। हालांकि उसे दौरान वहां लोग मौजूद नहीं थे अगर वहां लोग होते तो बड़ा हादसा हो सकता था लेकिन उसके बाद प्रशासन ने आनन फानन में पुलिस के जवान तैनात किए। घर ले गए फ्लेक्स सभा में आए लोगों के द्वारा सभा हटा हटाकर अपने घर अपने साथ ले गए वहीं कुछ लोगों ने बारिश से बचाव में भी उन्हें काम में लिया। बारिश की दौरान भी डटे रहे पुलिसकर्मी दादिया में आयोजित हुई केंद्रीय गृहमंत्री व सहकारिता मंत्री अमित शाह की सभा के दौरान सुबह से ही बारिश का दौर जारी रहा। इस दौरान पुलिस के जवान बारिश में भी सुरक्षा के लिए डटे रहे। जहां पर पुलिस के जवानों व अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई थी वहां वे बारिश में भी खड़े रहे और सुरक्षा व्यवस्था को संभालते रहे। राजस्थानी लोक कलाकारों ने दी अपनी प्रस्तुतियां सभा के दौरान राजस्थानी गायक व लोक कलाकारों के द्वारा अपनी अलग-अलग परिस्थितियों दी इसके दौरान लोग सभा स्थल पर डटे रहे और उनकी परिस्थितियों को देखकर आनंदित हुए। राजस्थानी लोक कलाकारों ने अपने-अपने क्षेत्र व अपने-अपने लोक नृत्य की वहां प्रस्तुतियां दी।

आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव 31 से

जयपुर। आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव (16 अगस्त) की तैयारियां जोरों पर है। मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी के मार्गदर्शन में मंदिर परिसर में रंग-रोगन और विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। रंग-बिरंगे कपड़े पर बधाई संदेश और बांदरवाल तैयार करवाए जा रहे हैं। कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में सेवा देने वाले स्वयंसेवकों की भर्ती की जा रही है। श्रद्धालुओं को सुगमता पूर्वक दर्शन हो इसके लिए पुलिस प्रशासन के साथ लगातार बैठकें हो रही है।

मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि जन्माष्टमी महोत्सव का शुभारंभ 31 जुलाई से होगा। 17 अगस्त तक विविध धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

31 जुलाई को बंगाली कीर्तन मंडल की ओर से अष्ट प्रहर नाम संकीर्तन किया जाएगा। दोनों द्वारों पर शहनाई वादन होगा।

एक अगस्त को गिर्राज परिक्रमा मंडल की प्रस्तुति होगी। दो अगस्त को निम्बार्क सत्संग मंडल और विट्ठल भैया (जोधपुर) द्वारा संकीर्तन किया जाएगा।

आराध्य देव गोविंद देवजी

■ **17 अगस्त तक होंगे विविध धार्मिक आयोजन**

तीन अगस्त को गोविंद की गैया संकीर्तन मंडल एवं गोपीनाथ महिला मंडल अपनी भक्ति प्रस्तुतियां देंगे।

चार अगस्त को गुरुकृपा सत्संग मंडल और एसएमएस ब्लड बैंक की सहभागिता रहेगी। पांच अगस्त को हरिनाम संकीर्तन परिवार और त्रिवेणी सत्संग मंडल संध्या को संकीर्तन करेंगे। छह अगस्त को राधा गोविंद कृपा प्रभातफेरी मंडल की ओर से प्रभात संकीर्तन होगा।

सात अगस्त को श्रीमन माधव गौड़ेश्वर संकीर्तन मंडल और गौर गोविंद महिला मंडल अपनी प्रस्तुति देंगे। आठ अगस्त को नारायण नाम संकीर्तन मंडल की ओर से झांकी और संकीर्तन का आयोजन होगा। नौ अगस्त को राम सत्संग मंडल प्रात:काल और शिव सत्संग भवन ट्रस्ट परिवार सायंकाल भजन सेवा देंगे।

10 अगस्त को गोविंद देव जी चाकर मंडल के साथ संजय रायजादा एवं मंजू शर्मा की भजन संध्या होगी। 11 अगस्त को निम्बार्क परिषद मंडल तथा आलोक भट्ट जी (कल्पना संगीत विद्यालय) द्वारा भजन-संगीत प्रस्तुत किया जाएगा।

12 अगस्त को निताई गोर हरि बोल मंडल की सहभागिता रहेगी। 13 अगस्त को राधा गोविंद सखी परिवार, मदन मोहन गौड़ीय मठ और अविनाश शर्मा द्वारा धार्मिक कार्यक्रम किए जाएंगे। 14 अगस्त को एल्पाइन स्कूल की कनक जोशी के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा। 15 अगस्त को वृंदावन वैष्णव मंडल की ओर से अष्ट प्रहर नाम संकीर्तन होगा।

आयुक्त डॉ निधि पटेल ने किया वार्डो में निरीक्षण

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज आयुक्त डॉ निधि पटेल ने गुरुवार को आदर्श नगर इलाके में निरीक्षण किया। इस दौरान निगम आयुक्त ने आदर्श नगर जोन कार्यालय में औचक निरीक्षण कर जोन के कार्य को देखा और सभी शाखा अधिकारियों से संवाद किया। इस दौरान निगम आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन के कार्यों में ढिलाई नहीं बरती जाएं। आमजन को जल्द कार्य कर राहत प्रदान करें।

इस दौरान निगम आयुक्त डॉ निधि पटेल जोन उपायुक्त युगांतर शर्मा और अन्य निगम अधिकारियों के साथ वार्डो में सफाई व्यवस्था देखी। इस दौरान वार्ड नंबर 75 में सड़क पर गंदगी पाए जाने पर कार्यवाहक मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक, कार्यवाहक स्वास्थ्य और जमादार को नोटिस देने के निर्देश दिए। इस दौरान निगम आयुक्त ने करीब 10 वार्डो में सफाई व्यवस्था देखी और अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश भी दिए।

सार-समाचार

पुलिस ने दो शातिर लुटेरों को पकड़ा

जयपुर। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राहगीरों से मोबाइल-पर्स छीनने वाले दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बाइक व लूटे गए तीन मोबाइल बरामद किए है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित राहगीरों से मोबाइल-पर्स छीनकर अपने नशे की लत को पूरा करते थे। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि मुरलीपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राहगीरों से मोबाइल-पर्स छीनने वाले आरोपी वसीम (21) निवासी जेपी कॉलोनी भट्टा बस्ती और इरफान उर्फ अरसद (23) निवासी बजरंग नगर भट्टा बस्ती को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में दोनों संदिग्धों ने राहगीरों से मोबाइल-पर्स छीनने की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट में वारदात में प्रयुक्त बाइक जब्त की। जिनकी निशानदेही पर राहगीरों से लूटे गए तीन मोबाइल जब्त किए गए। पूछताछ में आरोपियों ने नशे की लत के चलते लूट करना बताया है। गिरफ्तार दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

77 वर्षीय प्रताप कुमार भाटिया की पेंसिल स्केच प्रदर्शनी 18 से

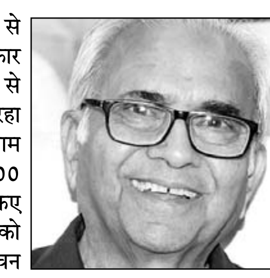

प्रताप कुमार भाटिया

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र में 18 से 20 जुलाई तक 77 वर्षीय कलाकार प्रताप कुमार भाटिया की ओर से प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। सुरेख दीर्घा में सुबह 11 से शाम 6 बजे तक होने वाली प्रदर्शनी में 100 से अधिक पेंसिल स्केच प्रदर्शित किए जाएंगे। प्रदर्शनी में कला प्रेमियों को भगवान गणेश, श्रीनाथ जी, किचन वेयर, राजस्थान के पुरातात्विक स्मारक, ताजमहल आदि के स्केच शामिल रहेंगे। इस संग्रह को तैयार करने में उन्हें एक साल का समय लगा। शुक्रवार प्रात: 11 बजे पद्मतिलक गिताई प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। प्रताप कुमार भाटिया ने बताया कि उन्होंने कलात्मक ट्रेनिंग हासिल नहीं की है। कोरोना काल के बाद उम्र के इस पड़ाव में उन्होंने अपनी ऊर्जा को कला व समाज सेवा की ओर मोड़ा। वे पेशे से इंजीनियर है बतौर सर्वेअर लॉस असेसर भी काम कर रहे हैं। भाटिया रोड सेफ्टी लाइन संस्था फाउंडर सेक्रेटरी है, यातायात नियमों के प्रति जागरूकता भी फैला रहे हैं। स्टांप कलेक्शन और समाज सेवा के लिए उन्हें अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है।

सांसद मंजू शर्मा ने नए पुस्तकालय का लोकार्पण किया

जयपुर। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, जयपुर में नए पुस्तकालय का लोकार्पण सांसद मंजू शर्मा ने फीता काट कर किया। इस अवसर मंजू शर्मा ने कार्मिकों को पुस्तकों के पठन पाठन के लिए प्रेरित किया और कहा कि पुस्तके हमारे लिए सच्चे मायने में मार्गदर्शक और गुरु होते हैं। उन्होने कार्यालय-स्टाफ के बच्चों के लिए भारतीय संविधान विषय पर आयोजित की गई ड्राइग पेटिंग और क्विज़ कॉम्पटिशन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी विपुल देव ने पासपोर्ट संबंधी कार्यप्रणाली की जानकारी दी और अवगत करवाया कि पासपोर्ट सेवा परियोजना भारत सरकार का बहुत ही महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है जिसके अंतर्गत सरकार भारत के नागरिकों को पासपोर्ट एवं पासपोर्ट ससंबधी विभिन्न सेवाएँ प्रदान करने के लिए तत्पर है।

केशव विद्यापीठ में विद्यार्थियों ने पौधे लगाकर दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

जयपुर। एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत गुरुवार को जामडोली स्थित केशव विद्यापीठ में वृक्षारोपण एवं पौध वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। राहुल द्विवेदी ने बताया कि बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं समाजसेवियों ने उत्साह पूर्वक पौधे लगाए और इनके संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर सर्वेश्वर शर्मा, प्रवीण शर्मा, विजेंद्र सिंह, केशव विद्यापीठ के अध्यक्ष ओमप्रकाश गुप्ता, संयुक्त सचिव अशोक गुप्ता, वाइटल केयर फाउंडेशन के प्रतिनिधि, विद्यालय स्टाफ एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भजन संध्या का आयोजन

जयपुर। सिरसी रोड स्थित पाल वाले बालाजी प्रांगण में श्याम भजन संध्या का आयोजन भक्तिभाव के वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में श्याम भक्ति की गंगा बहाते हुए भजन प्रवाहकों सागर शर्मा, सरोज धाकड़, हरि नारायण शर्मा ने अपनी मधुर और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से पूरे माहौल को श्याममय कर दिया। उनके भजनों ने भक्तों को झूमने और भावविभोर होने पर विवश कर दियाा रोशन शर्मा , मनोज नीचनानी, महेश शर्मा, प्रदीप शर्मा, मनोज जांगिड़, संदीप अग्रवाल, कमल मिश्रा, राजेंद्र अग्रवाल, नीलेश शर्मा और मनोज शर्मा ने आयोजन को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई। इस मौके पर श्याम बाबा का भव्य दरबार सजाया गया। अखंड ज्योत सेवा के साथ सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण भी किया गया। संपूर्ण आयोजन में श्रद्धा, भक्ति एवं सेवा का अनुपम संगम देखने को मिला।

वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। चेतना केन्द्र दुर्गापुरा के तत्वावधान में फागी के परवन ग्राम में गुरुवार को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गायत्री परिवार ने फागी तहसील के 9 विद्यालयों के माध्यम से कुल 2400 पौधे लगाने का संकल्प लिया है। इस क्रम में प्रथम चरण में 551 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, परवन में हुई। विद्यालय प्रबंधन को एक शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सद्ग्रंथ सेट और सद्वाक्य पट्टिकाएं भेंट की गई। गायत्री परिवार समाज निर्माण, संस्कार चेतना के लिए चल रही गतिविधियों की जानकारी दी गई। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सरस्वती पूजन और तरु पूजन संपन्न हुआ। तेज वर्षा के बावजूद विद्यालय की प्राचार्या, स्टाफ, विद्यार्थियों, गायत्री परिवार के कार्यकर्ताओं ने मिलकर वृक्षारोपण कार्य में सहभागिता निभाई। सहयोग और सहभागिता के कारण कार्यक्रम का वातावरण उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक रहा।

Black Leaders Awareness Day

From Dr. Martin Luther King Jr. and Maya Angelou to James Baldwin and Rosa Parks, there are a great many names and people who are associated with black leadership in the past. In addition, there are many more black leaders in today's living history, and more to come in the future. Black Leaders Awareness Day seeks to spotlight, feature, encourage and inspire all black leaders, of yesterday, today and tomorrow! The organizers behind the day believe that it is right and just to highlight black leaders, as well as those who support diversity in leadership, so that the important history of black leaders can continue to be told!

#TRADE

Kolhapuri Pe Tariff!

Sambhaji Chhatrapati, heir to the Maratha throne, described the act as 'daylight robbery,' and likened it to 'new age colonialism'

Italian luxury fashion house *Prada* is facing fierce backlash in India after unveiling a pair of leather sandals at Milan Fashion Week that closely mimic the iconic *Kolhapuri chappal*, a centuries-old handcrafted leather sandal originating from Kolhapur, Maharashtra. Retailing for upwards of Rs. 1.2 lakh (over US$1,000), the sandals sparked outrage on social media and among political leaders, who accused the brand of economic exploitation, cultural appropriation, and intellectual theft.

Economic Exploitation

Kolhapuri artisans typically sell their handcrafted sandals for Rs. 300-1,500 while Prada's version is priced 80-400 times higher. Critics, including billionaire Harsh Goenka, argue that local craftsmen continue to struggle economically while international brands reap massive profits. Goenka said on X: "Prada is selling products looking like Kolhapuri chappals for over Rs. 1 lakh. Our artisans make the same by hand for Rs. 400. They lose, while global brands cash in on our culture."

Intellectual and Cultural Appropriation

The design echoes a Geographical Indication (GI) protected craft, yet Prada did not initially credit Kolhapur or its artisans, effectively erasing centuries of heritage. Sambhaji Chhatrapati, heir to the Maratha throne, described the act as 'daylight robbery,' and likened it to 'new age colonialism.' Scholars warn this is symptomatic of a broader trend in fashion, where traditional motifs are lifted from marginalized cultures without attribution or benefit to the source communities.

Prada's Response and Collaboration Steps

Facing mounting criticism and a Public Interest Litigation in Bombay High Court, Prada acknowledged that the sandals were inspired by traditional Indian footwear and announced discussions with the Maharashtra Chamber of Commerce. Company officials have since visited Kolhapur to explore a 'Made in India' collaboration with GI-certified artisan groups.

The Bigger Picture: India's Struggle for Cultural Justice

Despite GI status since 2019, Indian artisans find global enforcement of protections difficult. Experts call for stronger domestic support, such as capital investment, infrastructure, and global marketing platforms, to ensure that artisans receive fair compensation and recognition.

A Silver Lining?

Some argue the uproar has catalyzed renewed interest in Kolhapuri chappals, significantly boosting visibility and demand among younger consumers. Yet, critics insist that recognition alone isn't enough without equitable sharing of profits and intellectual credit. The Prada-Kolhapuri controversy isn't just a fashion scandal, it's a wake up call on economic justice, cultural respect, and intellectual property rights. As luxury brands like Prada face scrutiny, this moment could mark a turning point for India's heritage crafts, provided artisans emerge empowered, not sidelined.

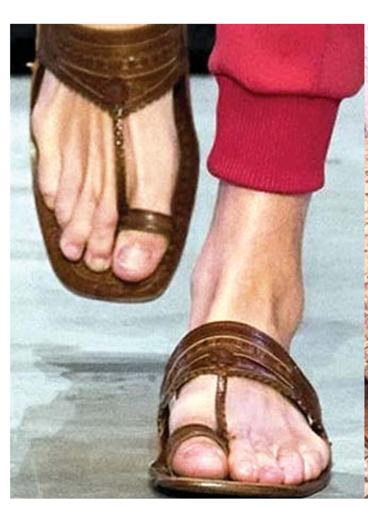

The Father of Plastic Surgery

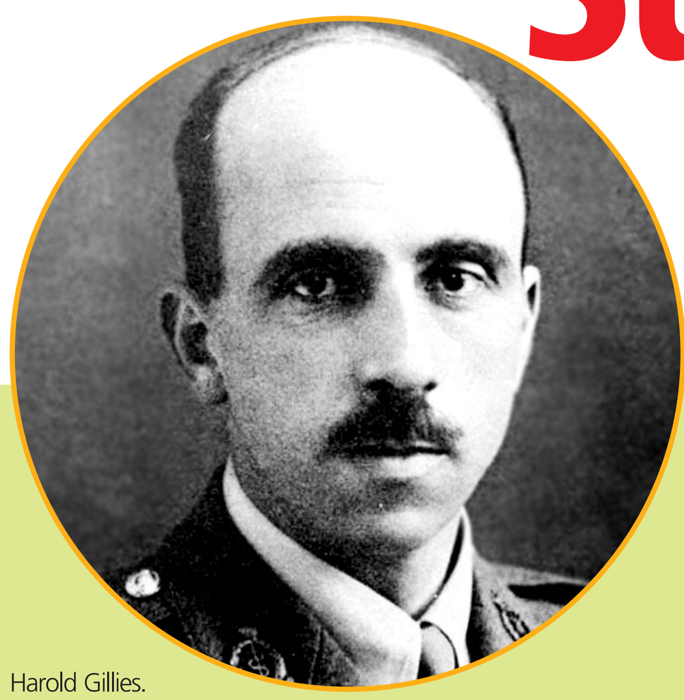

Harold Gillies.

Facial injuries were difficult to treat on the frontlines. Surgeons would sometimes stitch together jagged wounds without accounting for the amount of tissue that had been lost. As the scars healed, the flesh tightened, pulling the face into a permanent, grotesque grimace. Jaw injuries often left men unable to eat or drink, while some had to be nursed sitting upright to prevent suffocation when lying down. Others were blinded or left with a gaping hole where their noses had once been.

● KAUSHIK PATOWARY

This is Walter Yeo, an English sailor who was injured while manning the guns aboard the battleship HMS Warspite during the Battle of Jutland on May 31, 1916. Although the exact cause of his injuries is not documented, he was likely struck by flying shrapnel from an exploding shell and suffered burns from the accompanying hot gases. The blast left Yeo severely disfigured, with the loss of both his upper and lower eyelids.

Yeo was first treated at Plymouth Hospital before being transferred to Queen Mary's Hospital, where he came under the care of Harold Gillies. Thanks to Gillies' pioneering work in reconstructive surgery, Yeo received a ground-breaking facial graft. A flap of skin was transplanted across his face and eyes, and after several months of recovery, he was declared fit for active service once again.

Yeo was among thousands of soldiers who had their faces reconstructed during and following World War One. The Great War produced injuries in a scale and severity previously unseen, caused by weapons such as heavy artillery, machine guns, and poison gas. Facial wounds were especially common among soldiers in the trenches, who had to frequently peer over the parapet, exposing themselves to bullets and shrapnel. Hot, flying metal could rip through flesh with brutal force, leaving behind ragged wounds or even tearing away parts of the face entirely.

Facial injuries were difficult to treat on the frontlines. Surgeons would sometimes stitch together jagged wounds without accounting for the amount of tissue that had been lost. As the scars healed, the flesh tightened, pulling the face into a permanent, grotesque grimace. Jaw injuries often left men unable to eat or drink, while some had to be nursed sitting upright to prevent suffocation when lying down. Others were blinded or left with a gaping hole where their noses had once been.

When these men returned home, they often faced stigma and isolation. Their disfigurements made it difficult to find employment, and many were relegated to working night shifts, away from public view. In some towns, they were made to sit on brightly painted blue benches in public spaces so that others knew not to look at them.

Fortunately, help came in the form of Harold Gillies, a New Zealand-born surgeon, who had witnessed the carnage first-hand during his service at the front. Determined to find better solutions, Gillies dedicated himself to developing innovative techniques for facial reconstruction. Upon returning to England, he established a dedicated ward for facial injuries at the Cambridge Military Hospital in Aldershot.

However, the ward quickly proved insufficient to meet the growing demand. In response, a new facility was established at Sidcup-The Queen's Hospital, which opened in June 1917 with over 1,000 beds. There, Gillies and his team developed many of the foundational techniques of modern reconstructive surgery. Gillies understood that healing a damaged face required more than simply covering wounds, it meant restoring both structure and function. His approach involved first repositioning any healthy tissue back to where it belonged. Then, gaps left by injury could be filled with tissue transplanted from other parts of the body. While surgeons already had some experience with skin grafts, Gillies refined these methods significantly. Once the underlying bone structure had been repaired, the team could begin the meticulous process of rebuilding the soft tissues of the face.

One of the most effective techniques developed by Gillies and his team involved the use of a 'pedicle' graft, a large flap of skin that was partially detached from a donor site near the wound. The flap remained connected to its original blood supply at one end while the free end was carefully positioned over the injured area. This continuous connection ensured that the graft remained nourished, significantly increasing the chances of successful integration with the damaged tissue. Walter Yeo was among the first patients to benefit from this innovative method.

Gillies continued to refine his techniques, often learning through trial and observation. A key breakthrough came during an operation on Willie Vicarage, a sailor who had suffered devastating burns in a fire during the Battle of Jutland. The injuries left his face fused into a tight, expressionless mask, he was unable to close his eyes or mouth.

To reconstruct the lower part of Willie's face, Gillies proposed raising a 'Masonic Collar Flap' from the skin on his chest. During the procedure, he observed that the edges of the skin flap, when stretched, tended to curl inward. To counter this, he stitched the edges together, forming a tube. This simple innovation dramatically improved the results: the tubular shape reduced the risk of infection and ensured a more reliable blood supply throughout the transfer.

Once the tubed pedicle had become firmly established near the injury site, it could be safely severed from the donor location. The tube was then opened and spread across the damaged area, allowing surgeons to cover much larger wounds than had previously been possible.

These advancements by Gillies and his team not only transformed the lives of thousands of disfigured soldiers, but also laid the groundwork for the entire field of modern plastic surgery. The techniques he developed would go on to influence generations of surgeons, extending far beyond the battlefield.

In the years following the war, Gillies continued to push the boundaries of what reconstructive surgery could achieve. His expertise attracted patients from across the globe, and during the Second World War, he once again led efforts to treat injured servicemen. Yet, perhaps, one of the most remarkable chapters in his career came later, when he quietly broke new ground in the field of gender-affirming surgery.

In 1946, Gillies performed one of the world's first documented gender-affirming surgeries, helping Michael Dillon, assigned female at birth, transition to male. A few years later, he also assisted in one of the earliest male-to-female procedures. At a time when such interventions were both socially taboo and medically uncharted, Gillies approached these cases with the same care, curiosity, and compassion that had defined his work with wounded soldiers. In doing so, he helped lay the medical and ethical foundations for gender-affirming care today.

From the shattered faces of war-torn soldiers to the lives of transgender pioneers seeking to live authentically, Gillies' legacy is one of healing, innovation, and humanity. His work reminds us that medicine, at its best, is not only a science, but an art deeply rooted in empathy

rajeshsharma1049@gmail.com.

#HAROLD GILLIES

A wax teaching model showing Gillies' surgical techniques. This model was prepared for the New Zealand Medical Corps' Facial and Jaw Injury unit.

Laura Dillon, born a woman, transformed into Michael Dillon.

> One of the most effective techniques developed by Gillies and his team involved the use of a 'pedicle' graft, a large flap of skin that was partially detached from a donor site near the wound. The flap remained connected to its original blood supply at one end while the free end was carefully positioned over the injured area. This continuous connection ensured that the graft remained nourished.

Walter Yeo before (left) and after the skin graft surgery.

Stunning before and after pictures of soldiers.

#GOODLIFE

Shahi Tukda

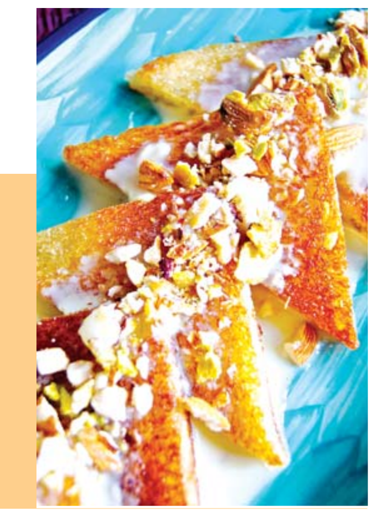

While upscale restaurants across South Asia serve contemporary versions of the classic, including shahi tukda-inspired sandwiches and deconstructed shahi tukda 'shots'

In the twisted streets across from Old Delhi's Jama Masjid, vats of ghee-fried, sugar-soaked bread tempt passersby. Covered in pillows of *rabri* (sticky reduced milk) and jewel-toned dried fruits and nuts, this is *shahi tukda*, a specialty likely dating back to the same Mughals who build Old Delhi's red sandstone walls.

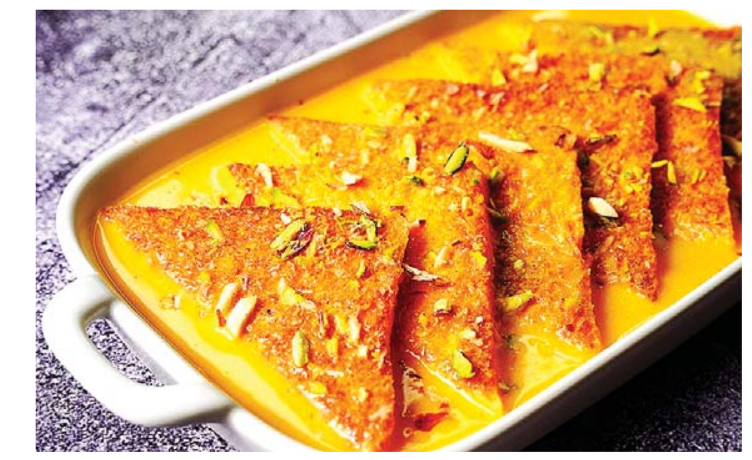

Shahi tukda is a bread pudding eaten in Pakistan and India, and it's particularly famous in Delhi, Lucknow, and Hyderabad. In North India and Pakistan, where it's made of bread deep-fried in ghee, soaked in sugar syrup, and then piled high with rabri and dried fruit and nuts, it's called shahi tukda, meaning 'royal piece.'

In Hyderabad, the dish is baked after the rabri and bread are combined, and it's referred to as *Hyderabadi double ka meetha*, or 'double sweet,' after the local word for Western-style leavened bread, 'double roti' (so-called because of the rising process). Both versions are often dressed up with shiny silver warq, meant to mark festive occasions and beguile potential customers.

Shahi tukda is a favourite street food as well as a home dessert preparation. It's particularly popular during Ramadan, when it's eaten to break the daily fast, and on Eid, when it's eaten to celebrate the end of the month of fasting.

Considered a part of Mughlai and Awadhi North Indian aristocratic cuisines, shahi tukda's origins are mysterious. Some say that Babur, the founder of the Mughal dynasty, brought it with him to South Asia in the 16th century, and that it descends from Middle Eastern bread puddings such as *eish es serny* and the Egyptian *um ali.*

Others claim that the sweet is actually a Mughal take on the bread pudding brought by British East India company officers in the 17th century. While it may have originally been made with roti or even with fried clotted cream, shahi tukda is now mostly made with sliced packaged English bread, demonstrating the culinary creativity with which South Asian people responded to colonialism.

Shahi tukda's origins may be up for debate, but its deliciousness is not. Visitors to Delhi, Karachi, Lucknow, and Hyderabad will find *shahi tukda* and *double ka meetha* on the menu in local restaurants or overflowing from huge vats on the Old City streets. The sweet can also be found in Indian and Pakistani restaurants abroad.

While upscale restaurants across South Asia serve contemporary versions of the classic, including shahi tukda-inspired sandwiches and deconstructed shahi tukda 'shots,' nothing can beat the sugar rush of the original.

HOW TO MAKE KESAR SHAHI TUKDA WITH RABDI RECIPE (SAFFRON BREAD PUDDING WITH SPICED MILK CUSTARD)

Ingredients

- 6 Bread slices
- 1/4 cup Ghee (for shallow frying)
- 1 cup Rabri
- Mixed nuts, Chopped (almonds, pistachios and cashew for garnish)
- Sugar Syrup
- 1/3 cup Sugar
- 1/3 cup Water
- 1 teaspoon Cardamom Powder (Elaichi)
- Saffron strands

Method

1. To begin making the *Kesar Shahi Tukda with Rabdi* recipe, we will first prepare the sugar syrup for the Shahi Tukda and Rabri.
2. Prepare the Rabri according to the Rabri recipe and keep aside.
3. Heat water and sugar in pan, add the saffron strands and allow the water to come to a brisk boil. Turn the heat to low and simmer the sugar water until you get a one string consistency. Turn off the heat and keep the sugar syrup aside.
4. The next step is to prepare the bread slices and roast them in ghee for the shahi tukda recipe.
5. Cut the edges of the bread and slice them into a triangle.
6. Heat ghee in a skillet and shallow fry the bread pieces until they are crisp and golden brown in color on both sides.
7. Once the bread slices are fried, soak each slice in the sugar syrup for about a minute and place them on a serving platter. Pour the prepared Rabri over the bread slices and garnish with chopped nuts and serve.
8. You can serve the Kesar Shahi Tukda with Rabdi either chilled or warm, based on the season and mood.

THE WALL

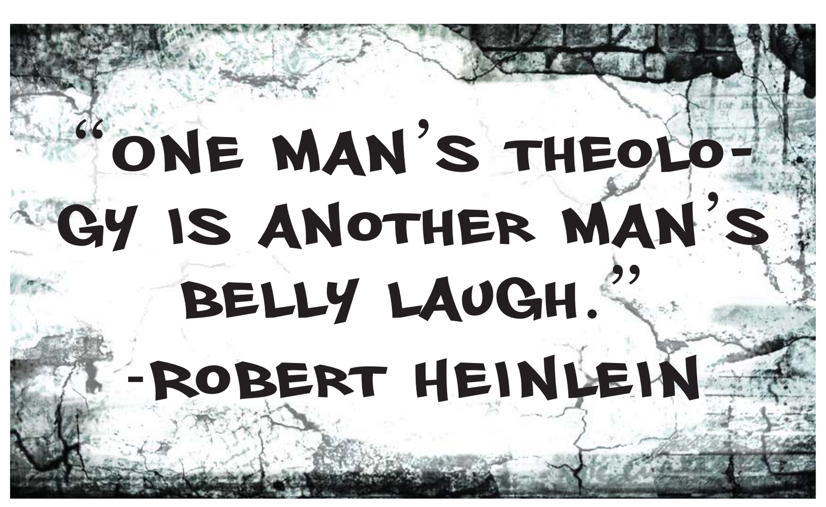

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

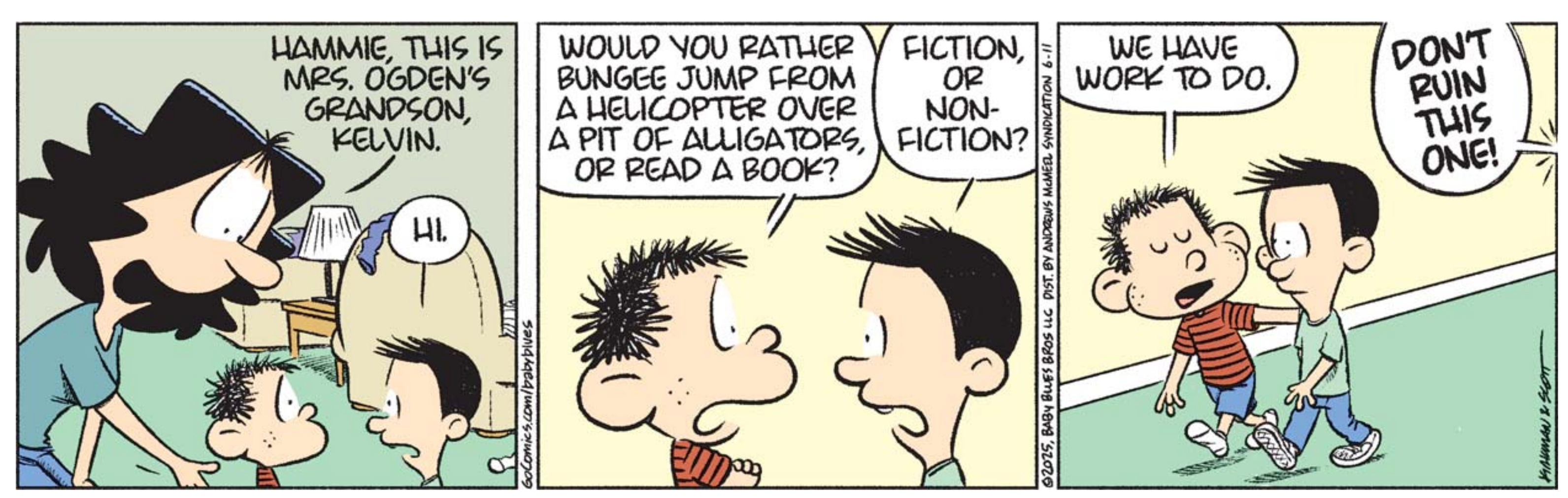

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने रामगंजमंडी में वर्षा प्रभावित इलाकों का दौरा किया

48 घंटे में अतिवृष्टि से हुए नुकसान की रिपोर्ट भेजे अधिकारी : ओम बिरला

■ जल निकासी, नालों से अतिक्रमण हटाने और राहत कार्यों में तेजी के निर्देश दिए

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रामगंजमंडी में प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया।

रामगंजमंडी, (निसं)। रामगंजमंडी क्षेत्र में लगातार हो रही तेज बारिश के चलते रामगंजमण्डी नगर, खैराबाद, कुदायला, मायला सहित कई इलाकों में जलभराव की गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। नालों के ओवरफ्लो होने और जल निकासी बाधित होने से आमजन को हो रही समस्या की जानकारी मिलने पर स्पीकर बिरला गुरूवार को रेलमार्ग से रामगंजमण्डी पहुंचे। उन्होंने मारवाड़ चौराहा, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सहित प्रभावित बस्तियों का दौरा किया और स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं।

रामगंजमण्डी में बाद स्पीकर बिरला मार्ग में जलभराव के कारण वे ट्रैक्टर से कुदायला और मायला पहुंचे। यहां भी उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों से नालों के अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिऐ। निरीक्षण के उपरान्त बिरला ने पालिका सभागागर में बैठक में अधिकारियों से कहा कि वे जिन क्षेत्रों में जलभराव हुआ है उससे सीख लें, प्रशासन इस स्थिति की वीडियोग्राफी करवाकर प्रस्ताव तैयार करें ताकि भविष्य में आबादी क्षेत्र में जलभराव को रोका जा सकें। बिरला ने प्रशासनिक अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाते हुए 48 घंटे के भीतर नुकसान की सर्वे रिपोर्ट बनाकर भेजने के निर्देश दिये। बिरला के निर्देश पर कुदायला में प्रभावित परिवारों को भोजन उपलब्ध करवाने को लेकर कार्यकर्ताओं द्वारा नि:शुल्क रसोई का संचालन शुरू हो गया है।

इसके साथ ही जलभराव वाले क्षेत्र में लोगों को भोजन के पैकेट वितरित किए गए हैं, राहत सामग्री भी वितरित की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय कार्यकर्ता और समाजसेवी संस्थाएं सुनिश्चित करें कि कोई भी भूखा न सोए। स्पीकर बिरला ने आमजन से सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा कि अतिवृष्टि के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में भी जलस्तर काफी बढ़ा हुआ है। जलभराव वाले स्थानों पर जाने से बचे। स्थानीय जनप्रतिनिधि लगातार प्रशासन के सम्पर्क में रहे ताकि विपरीत स्थिति में आमजन तक त्वरित सहायता पहुंचाई जा सके। इस दौरान पालिका चेयरमैन अखिलेख मेड़तवाल, उपजिला प्रमुख कृष्ण गोपाल अहीर, भाजपा नेता बाबूलाल मेघवाल, उप प्रधान भगवत सिंह, पूर्व प्रधान भगवान सिंह धाकड़ जिला महामंत्री नरेन्द्र राजा, जिला उपाध्यक्ष नरेन्द्र काला, नगर अध्यक्ष शैलेष काला, महामंत्री विशाल जैन, उमेश माहेश्वरी, प्रधान प्रतिनिधि ओमप्रकाश मेघवाल, पार्षद महेन्द्र सामरिया, रामेश्वर अहीर, कौशल बाफना, कमलेश गोइन, राजकुमार धाकड़, सुधीर सुनेजा, शिवराज मीणा, पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष महेश श्रीवास्तव, वीरेन्द्र जैन, अजय भदौरिया आदि मौजूद रहे।

जोधपुर में हुये हादसे में महिला राहगीर की मौत

■ ग्रामीणों ने संदेह जताते हुए कहा कि पुलिस की चेतक वाहन से टक्कर लगी है, जिससे महिला की मौत हुई है

■ पुलिस का कहना है कि सड़क पर आवारा पशु लड़ रहे थे, लड़ते समय महिला और पुलिस की गाड़ी को भी चपेट में ले लिया

■ पुलिस के अनुसार हादसे में महिला और तीन पुलिस कर्मी सहित चेतक का चालक भी घायल हो गए

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के लूणी पुलिस थाना क्षेत्र में हुए एक हादसे में महिला राहगीर की मौत हो गई। उसकी मौत को लेकर ग्रामीणों ने संदेह जताते हुए कहा कि पुलिस की चेतक वाहन से टक्कर लगी है, जिससे महिला की मौत हुई है। वहीं पुलिस का कहना है कि सड़क पर आवारा पशु लड़ रहे थे। वे लड़ते समय महिला और पुलिस की गाड़ी को भी चपेट में ले लिया। हादसे में महिला और तीन पुलिस कर्मी सहित चेतक का चालक भी घायल हो गए।

लोगों का आरोप है कि पुलिस घायल महिला को छोड़कर चली गई और अपने लोगों को लेकर अस्पताल पहुंच गई। इस बात से आक्रोशित लोगों ने रास्ता जाम करने के साथ कार्रवाई की मांग की। लूणी थाने में पुलिस के चेतक वाहन से महिला की मौत होने की रिपोर्ट दी गई है। दोपहर में आपसी समझाइश के उपरांत मामला शांत हुआ और मृतका का लूणी अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया। लूणी पुलिस की तरफ से अग्रिम जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार लूणी थाने की चेतक 112 जीप कांकाणी दाता मानसिंह सर्किल से गुढ़ा रोड की तरफ जा रही थी। एक महिला कांकाणी निवासी जस्सू कंवर भी पैदल अपने खेत जा रही थी।

इसी बीच रास्ते में अचानक हुए हादसे में पुलिस की चेतक जीप सड़क पर लड़ रहे आवारा पशु संभवत: सांड थे जो गाड़ी से टकरा गए। साथ ही महिला भी चपेट में आ गई। वहीं ग्रमाीणों का कहना है कि पुलिस की चेतक गाड़ी से महिला को टक्कर लगी थी। बताया जाता है कि महिला जस्सु कंवर की मौके पर ही मौत हो गई। इधर घटना के बाद ग्रामीण एकत्र हो गए। उन्होंने पुलिस की गाड़ी से महिला की मौत का आरोप लगाया और रास्ता जामकर बैठ गए। बाद में लूणी थानाधिकारी डॉ. हनवंत सिंह राजपुरोहित, एसीपी बोरानाडा आनंदसिंह राजपुरोहित आदि पहुंचे और आक्रोशित लोगों से समझाइश कर मामला शांत करवाया। परिजन की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। लूणी अस्पताल में महिला का पोस्टमार्टम करवाया गया। हादसे के बाद गांव में तनाव का माहौल बन हुआ है।

महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में दो जिंदा बम डिफ्यूज किये

■ तीन महीने पहले युद्धाभ्यास में दो बम मिले थे जिनको गड्ढे में रखा गया था

■ बम डिफ्यूज के लिए विस्फोट किया गया तो आसपास का क्षेत्र थर्रा गया

बीकानेर, (निसं)। जिले के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में मिले दो जिंदा बम को सेना और पुलिस ने मिलकर डिफ्यूज कर दिया है। ये बम रेंज के आसपास के क्षेत्र में मिले थे, जो फट नहीं सके थे। बम डिफ्यूज के लिए विस्फोट किया गया तो आसपास का क्षेत्र थर्रा गया।

जानकारी के अनुसार दो जिंदा बम कंवरसेन लिफ्ट नहर किनारे करीब तीन महीने पहले मिले थे। सेना के बम निरोधक दस्ते ने कड़ी सुरक्षा के बीच दोनों को डिफ्यूज किया। बम के तेज धमाके से महाजन क्षेत्र थर्रा गया। बम डिफ्यूज के दौरान महाजन पुलिस और सेना के जवान उपस्थित रहे। तीन महीने पहले जब बम मिले थे। तब दोनों बमों को सुरक्षित स्थान पर गड्ढे में रखा गया था। अब प्रशासन ने दोनों बमों को डिफ्यूज करने के आदेश दे दिए। वहीं सेना का बम निरोधक दस्ता महाजन पहुंचा। सेना के जवान और महाजन पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंच गए। सेना ने सुरक्षा की दृष्टि से आठ सौ मीटर की दूरी तक एरिया खाली करवा लिया। इस दौरान आस पास घूम रहे आवारा पशुओं को भी मौके से दूर कर दिया। सेना ने मौके पर मिट्टी से भरे कट्टे लगाकर लाल झंडे लगाकर निशानदेही की। पुलिस ने हाईवे को दोनों तरफ से बंद कर गुजरने वाले वाहनों को रोक दिया। महाजन क्षेत्र में बम या बम के खोल जैसी वस्तुएं मिलनी आम बात सी हो गई है। फील्ड फायरिंग रेंज होने के कारण देशभर से सैनिक अभ्यास के लिए महाजन पहुंचते हैं। अभ्यास में छोड़े गए कुछ बम बिना फटे रेंज एरिया से बाहर आकर गिर जाते हैं। मिट्टी के धोरों में बिना फटे ये बम कई बार किसानों को मिल जाते हैं। जिन्हें बाद में डिफ्यूज किया जाता है।

पंजाब से चोरी की मिनी बस जोधपुर में चलाई

जोधपुर, (कासं)। कुड़ी पुलिस ने शताब्दी सर्किल पर रूट नंबर 1 की सिटी बस को रोककर दस्तावेज चैक किए। पता लगा कि रूट में चलने वाली यह सिटी बस पंजाब से चोरी हो रखी है। पांच साल पहले उसकी खरीद करना बताया गया। चालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

आरंभिक पड़ताल में बताया कि यह सिटी बस पंजाब से खरीदी गई थी। फिलहाल पुलिस मामले में अग्रिम अनुसंधान में जुटी है। थानाधिकारी हमीरसिंह ने बताया कि शताब्दी सर्किल के पास में रूट नंबर 1 की सिटी बस को एएसआई रामचंद्र ने रूकवाया था। उसके चालक राहुल गहलोत से सिटी बस के संबंध में दस्तावेज मांगे गए। तब उसके द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेज फर्जी प्रतीत होने पर चैक किया तो मालूम हुआ कि यह सिटी बस पंजाब से चोरी हो रखी है।

हादसे में सेवानिवृत्त सहायक निदेशक की मौत

■ सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में सहायक निदेशक से सेवानिवृत्त थे मुकुल मिश्रा

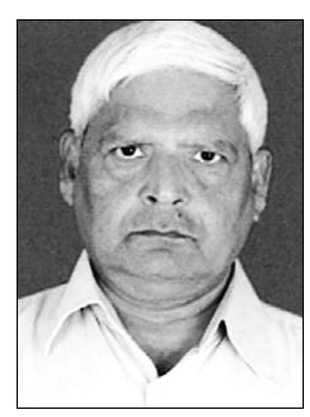

अजमेर, (कासं)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में सहायक निदेशक से सेवानिवृत्त हुए अजमेर निवासी मुकुल मिश्रा का गुरुवार प्रात: आठ बजे गांधीनगर में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मिश्रा प्रात: आठ बजे गांधीनगर घर से एक्टिवा पर पूजा के लिए फूल लेने निकले ही थे कि पीछे से तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मिश्रा की मौत पर अजमेर के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों, कार्मिकों ने संवेदना प्रकट की और उनके परिवार को इस मुश्किल घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

वेटरनरी कॉलेज में एडमिशन के लिए प्री वेटरनरी टेस्ट तीन अगस्त को

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश के सरकारी व प्राइवेट वेटरनरी कॉलेज में एडमिशन के लिए तीन अगस्त को होने वाली प्री वेटरनरी टेस्ट (पीवीटी) के लिए जयपुर में सर्वाधिक 19 सेंटर बनाए गए हैं, जबकि सबसे कम चार सेंटर बीकानेर में होंगे। राज्य के 14 वेटरनरी कॉलेज की करीब डेढ़ हजार सीट पर एडमिशन होंगे।

पीवीटी समन्वयक प्रो. उर्मिला पानू ने बताया कि राज्य के सरकारी और प्राइवेट वेटरनरी कॉलेज में इस बार एडमिशन पीवीटी के माध्यम से होगा। राज्य में अब तक आठ प्राइवेट वेटरनरी कॉलेज थे, जिनकी संख्या बढ़ कर इस बार दस हो गई है। दो नए प्राइवेट वेटरनरी कॉलेज को इस बार मान्यता मिली है। इसके अलावा सभी सरकारी वेटरनरी कॉलेज में भी एडमिशन मिलेगा। वेटरनरी विश्वविद्यालय में स्नातक (बी.वी. एससी. एण्ड ए.एच.) पाठ्यक्रम वर्ष 2025-26 में प्रवेश के लिए 3 अगस्त रविवार को होने वाले प्री-वेटरनरी टेस्ट की सभी तैयारियों के लिए समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। परीक्षा के मद्देनजर बुधवार को अधिष्ठाता एवं संकायाध्यक्ष प्रो. हेमन्त दाधीच, आर.पी.वी.टी. समन्वयक प्रो. उर्मिला पानू एवं निदेशक क्लिनिक प्रो. प्रवीण बिश्नोई के निर्देशन में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। प्रो. पानू ने बताया कि प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर निगरानी के लिए विश्वविद्यालय द्वारा पर्यवेक्षक और सहायक पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। परीक्षा के आकस्मिक निरीक्षण के लिए उड़न दस्तों का गठन किया गया है। परीक्षा के लिए बीकानेर (4), जयपुर (19), उदयपुर (04) और जोधपुर (5) के 32 परीक्षा केन्द्रों को चयनित किया गया है। परीक्षार्थियों को प्रात: 9:30 बजे तक ही परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया जायेगा।

युवक की मारपीट कर हत्या के चार आरोपी गिरफ्तार

■ आपसी पुरानी रंजिश हत्या का मुख्य कारण बताया जा रहा है

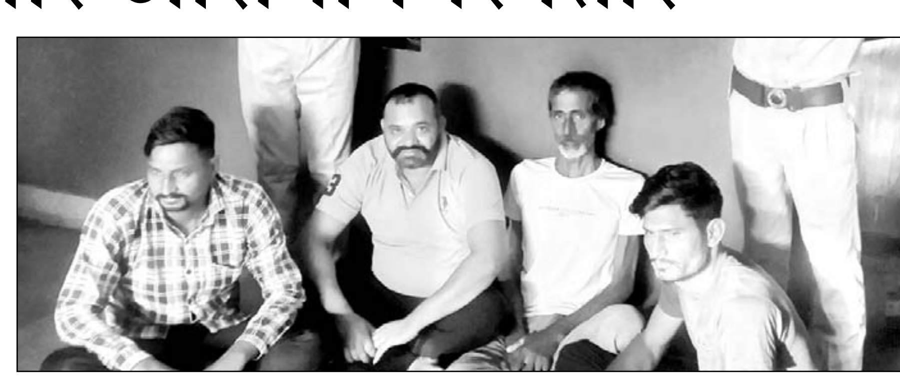

पुलिस ने चार आरोपियों को गिरप्तार किया।

ब्यावर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व वृताधिकारी मसूदा के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी बिजयनगर मय टीम को आपसी रंजिश के कारण बाड़ी निवासी एक युवक के साथ मारपीट कर हत्या करने के मामले में पुलिस टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार जगदीश माली पुत्र बीरमा, माली, निवासी ग्राम बाडी ने शिकायत दर्ज करवाई कि मेरा भाई चांदमल माली व उसकी पत्नी अमरी देवी खेत पर कृषि कार्य कर रहे थे। उसी दौरान 8-10 लोगों ने मिलकर मेरे भाई चांदमल माली व उसकी पत्नी के साथ लकड़ी व कुल्हाडी से मारपीट शुरू कर दी, जिससे मेरा भाई चांदमल माली के गंभीर चोट आने से उसे बिजयनगर अस्पताल से अजमेर जेएलएनएच अजमेर रेफर कर दिया था, जहां मेरे भाई चांदमल माली की इलाज के दौरान मौत हो गयी, जिस पर प्रकरण दर्ज कर घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना स्तर पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम द्वारा घटना स्थल में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु सूचना संकलन के आधार पर सरकारी डेयरी के पास बाडी निवासी श्रवण पुत्र मगना गुर्जर, कन्हैयालाल उर्फ कानाराम पुत्र श्रवण लाल, ओमप्रकाश उर्फ ओमा पुत्र श्रवण मावता और सतकुडिया इन्द्रगढ़ निवासी बालमुकुन्द उर्फ पप्पू गुर्जर पुत्र शंभू गुर्जर को गिरफ्तार किया।

अवैध डोडा पोस्त सहित युवक पकड़ा : जोधपुर के कुड़ी थाना पुलिस ने सेक्टर 9 में एक युवक को पकड़ कर 17 किलो अवैध डोडा पोस्त जब्त कर उसे एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया है। कुड़ी थानाधिकारी हमीर सिंह सांयकालीन गश्त में थे तब सेक्टर 9 में एक संदिग्ध युवक को पकड़ा और उसके पास तलाशी में 17 किलो अवैध डोडा पोस्त मिला। इस पर आरोपी पीथावास डांगियावास हाल तुलसी कॉलोनी प्रतापनगर निवासी सुगनराम विश्नोई को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया।

पैदल राहगीर की दुर्घटना में मौत

जोधपुर, (कासं)। बनाड़ क्षेत्र में पैदल राहगीर को किसी वाहन चालक ने चपेट में लिया। हादसे में गंभीर से घायल व्यक्ति की अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई। पुत्र की तरफ से अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट दी गई। बनाड़ पुलिस ने बताया कि बाड़मेर के नरगासर हाल सरकारी अस्पताल के पीछे बनाड़ निवासी सलमान खां ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उसके पिता अब्दुल सलीम बनाड़ क्षेत्र से पैदल निकल रहे थे। तब किसी वाहन चालक ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में घायल उसके पिता को अस्पताल में भर्ती करवाया गया, मगर उपचार के बीच उनकी मौत हो गई।

युवक का रास्ता रोककर लूट : जोधपुर शहर के पुराने हाईकोर्ट के सामने महावीर उद्यान के निकट एक युवक से लूट हो गई। चार पांच युवकों ने उसका रास्ता रोका और मारपीट कर छह हजार से ज्यादा की नगदी लूट कर ले गए।

पीड़ित ने इस बारे में उदयमंदिर थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने प्रकरण में अब चार संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ आरंभ की है। आरोपी नशेड़ी बताए जाते है। थानाधिकारी सीताराम खोजा ने बताया कि चांदणा भाखर प्रतापनगर सिद्धनाथ रोड पर रहने वाले नरपतराम पुत्र भंवरलाल प्रजापत ने रिपोर्ट दी।

बुजुर्ग दंपती की लूट के लिए हत्या, हत्यारे नकदी-जेवर लूटकर फरार

पुलिस को शक है कि वारदात में शामिल लोग परिचित हैं और किरायेदार हो सकते हैं

■ परिजन और समाज के लोग हत्यारों की गिरफ्तारी को लेकर धरने पर बैठे, पुलिस अधिकारियों ने तीन दिन में हत्यारों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया

बीकानेर, (निसं)। मुक्ताप्रसाद नगर के मकान में रहने वाले बुजुर्ग दंपती की लूट के लिए हत्या की गई। हत्यारों ने चुन्नी से पति-पत्नी का गला घोंटा और घर से नकदी-जेवर लूटकर फरार हो गए। पुलिस को शक है कि वारदात में शामिल लोग परिचित हैं और किरायेदार हो सकते हैं।

आर्मी से रिटायर्ड अधिकारी गोपाल वर्मा (67) और उनकी पत्नी निर्मला वर्मा (60) मुक्ताप्रसाद नगर के मकान नंबर 4/13 में रहते थे। दिन में घर के आंगन में ही दोनों के शव बरामद हुए थे। लूट के लिए बुजुर्ग दंपती की हत्या की गई। हत्यारे परिचित थे जो घर के अंदर गए और बाद में पति-पत्नी की चुन्नी से गला घोंटकर हत्या कर दी।

हत्या के बाद घर का कमरा और स्टोर खंगाला। वहां रखे नकदी-जेवरात लेकर फरार हो गए। हत्यारों ने घर के बाहर ताला भी लगाया जिससे कि किसी को शक ना हो। पुलिस ने अब तक की छानबीन में माना है कि वारदात में परिचित लोग शामिल हैं जो रविवार को गोपाल वर्मा के घर गए। कुछ देर बातचीत के बाद दंपती की हत्या की और लूट के बाद फरार हो गए। पुलिस को आशंका है कि घर के ऊपर किराये पर रहने वाले लोग वारदात में शामिल हैं। इसी एंगल से जांच और खोजबीन की जा रही है। पूर्व में रहे किरायेदारों के बारे में जानकारी जुटाई गई और उनकी तलाश की जा रही है। सीसीटीवी खंगाले गए हैं।

मृतक गोपाल के भाई गोस्वामी चौक के पास निवासी राधाकिशन वर्मा की ओर से पुलिस को रिपोर्ट दी गई है, जिसमें हत्या और लूट का आरोप लगाया गया है। पूर्व में रहे एक किरायेदार पर शक भी जताया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस ने दोनों शवों का पोस्टमार्टम करवाया। इससे पहले परिजन और समाज के लोग हत्यारों की गिरफ्तारी को लेकर धरने पर बैठ गए। पुलिस अधिकारियों ने तीन दिन में हत्यारों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। उसके बाद सहमति बनी। धरने में मृतक गोपाल वर्मा के बड़े भाई रिटायर ब्रिगेडियर मोहनलाल वर्मा, अशोक प्रजापत, रामलाल भोभरिया, किसन संवाल, श्रवण प्रजापत, सोहनलाल प्रजापत सहित अनेक लोग शामिल थे।

एएसपी सिटी सौरभ तिवाड़ी ने बताया कि दंपती की हत्या के संबंध में सुराग मिले हैं जिस पर काम कर हत्यारों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस को घर के ऊपर बने कमरे से किरायेदार का बैग और कपड़े बरामद हुए हैं। पड़ोस में निर्माण कार्य चल रहा है। वहां के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। जल्दी ही हत्यारों को नामजद कर उन तक पहुंचेंगे। मृतक गोपाल के भाई राधाकिशन वर्मा ने बताया कि हत्यारे परिचित थे। वे घर में काफी देर रुके। पूरा घर खंगाला। अलमारी, पलंग, अटैची सब चेक किया। वारदात को अंजाम दिया और नकदी-जेवरात ले गए। हत्यारे एक से ज्यादा थे। क्योंकि, गोपाल वर्मा हमेशा लोटे से पानी पीते थे, जबकि, टेबल पर तीन गिलास पड़े थे। इससे आशंका है कि हत्यारों ने वारदात से पहले बातचीत की और पानी भी पीया। हत्यारों को पता था कि घर में रहने वाले दंपती अक्सर रात को बाहर ताला लगाकर दूसरे गेट से घर में जाकर सोते थे। वारदात के बाद हत्यारे इसी तरह बाहर ताला लगा गए। घर में टीवी-एसी चल रहे थे।

मृतक गोपाल वर्मा का एक बेटा गुड़गांव और दूसरा कनाडा में रहता है। गुड़गांव में रहने वाले बेटे अजय वर्मा ने अपनी मां को फोन किया था तो नो-रिप्लाय था। पिता गोपाल वर्मा का मोबाइल स्विच ऑफ आया। उसने पड़ोस में रहने वाले परिचित को फोन किया। वो मौके पर पहुंचा तो घर के बाहर ताला लगा था और अंदर दुर्गंध आ रही थी। किसी अनहोनी की आशंका पर उसने अजय को फोन किया। अजय ने गोस्वामी चौक के पास रहने वाले अपने चाचा राधाकिशन को फोन किया। वो मुक्ताप्रसाद नगर अपने भाई के घर पहुंचे और पुलिस को बुलाया गया। पुलिसकर्मी ताला तोड़कर अंदर गए तो दंपती के शव पड़े नजर आए।

609 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा सहित दो गिरफ्तार

■ ट्रामाडोल की प्रतिबंधित गोलियां बरामद, दो गिरफ्तार, केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने तीन अलग-अलग कार्रवाई की

कोटा, (निसं)। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थो की तस्करी पर रोकथाम एवं तस्करों की धरपकड़ के लिये केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम द्वारा तीन अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 609 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। साथ ही एक अन्य कार्रवाई में ट्रामाडोल की प्रतिबंधित गोलियों को बरामद कर दो जनों को गिरफ्तार किया है। यह तीनों कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि प्रतापगढ़ जिले के भूरी घाटी गाँव में एक आवासीय घर पर अवैध डोडा-चूरा छिपाकर रखा गया है। सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन), चित्तौड़गढ़-द्वितीय डिवीजन के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर उक्त घर की पहचान करने के बाद, निवारक दल ने घर की तलाशी ली, टीम ने तलाशी के दौरान घर से अवैध मादक पदार्थ डोडा चूरा 576.190 किलोग्राम बरामद किया, बरामद अवैध डोडा-चूरा और एक महिंद्रा पिकअप को जब्त कर लिया गया। एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली की एक व्यक्ति जलोदिया केलुखेड़ा, से नारायणी चौकी रोड़, तहसील-छोटीसादड़ी जिला-प्रतापगढ़ की ओर अवैध डोडा-चूरा की तस्करी कर रहा है। उक्त सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन), प्रतापगढ़ -प्रथम डिवीजन और प्रतापगढ़ सेल, के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम गठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी। टीम ने संदिग्ध व्यक्ति की पहचान करने के बाद उसके सामान की तलाशी ली तो उसके पास से 33.320 किलोग्राम अवैध डोडा चूरा बरामद किया गया। कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद, बरामद अवैध डोडा चूरा को जब्त कर लिया गया है तथा एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की जांच प्रक्रिया जारी है। वहीं केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति अपनी कार में जयपुर के दौसा जयपुर राजमार्ग पर स्थित गाँव जटवाड़ा में ट्रामाडोल की तस्करी करने वाले है, उक्त सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन), जयपुर सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को रवाना किया गया। टीम ने कड़ी निगरानी के बाद, संदिग्ध वाहन और व्यक्तियों की पहचान की गई और उन्हें रोककर उनके वाहन की तलाशी ली। टीम ने तलाशी के दौरान कार की पिछली सीट और डिक्की में छिपाकर रखी गई कुल 14,088 ट्रामाडोल की प्रतिबंधित गोलियां बरामद की गईं। कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद, प्रतिबंधित ट्रामाडोल गोलियाँ वाहन के साथ जब्त कर ली गई तथा एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए दोनो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले में आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

महिला की सड़क दुर्घटना में मौत

पाली, (नि.सं.)। सुमेरपुर रोड स्थित कालू कॉलोनी में रहने वाली 46 वर्षीय महिला की गुरुवार सुबह एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। महिला दूध लेने के लिए घर से निकली थी, तभी एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। मृतका के पति राजाराम देवासी ने बताया कि उनकी पत्नी सीता देवी सुबह दूध लेने के लिए निकली थी। कालू कॉलोनी से बाहर निकलते ही चौराहे के पास किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से उसे तुरंत पाली के बांगड़ अस्पताल लाया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। सिर में गंभीर चोटें लगने के कारण स्थिति अत्यंत नाजुक थी। सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। वहीं मारवाड़ जंक्शन थाना क्षेत्र के सूर्या नगर में दो बाइक की आमने सामने हुई टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना में रमेश नाथ के सिर में गंभीर चोट लगी। मारवाड़ जंक्शन हॉस्पिटल से प्राथमिक इलाज के बाद उसे गंभीर स्थिति को देखते हुए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल रेफर किया गया। वहां जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

टोंक में मॉक ड्रिल कर छात्रों को आग लगने की घटनाओं से बचने के उपाय बताए

टोंक पन्नाधाय राजकीय बालिका आवासीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वजीरपुरा में सिविल डिफेंस टीम ने आपातकालीन मॉक ड्रिल का आयोजन किया।

■ मॉक ड्रिल के दौरान सभी विभागों ने समन्वय के साथ राहत और बचाव कार्यो का प्रदर्शन किया।

टोंक। टोंक शहर स्थित पन्नाधाय राजकीय बालिका आवासीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वजीरपुरा में गुरुवार को सिविल डिफेंस द्वारा आपातकालीन मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल के तहत विद्यालय में आग लगने की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस, चिकित्सा, आरएसी, होमगार्ड, एंबुलेंस व फायर बिग्रेड समेत अन्य संबंधित विभागों की टीमें मौके पर लगभग 3-4 मिनट में पहुंचीं। उपखंड अधिकारी टोंक हुक्मीचंद रोहलानिया, पुलिस उपाधीक्षक राजेश विद्यार्थी एवं तहसीलदार मानवेंद्र सिंह जायसवाल ने स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान विद्यालय में आग बुझाने की स्थिति से निपटने एवं हताहतों को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के त्वरित प्रबंध किए गए।

मॉक ड्रिल के दौरान सभी विभागों ने समन्वय के साथ राहत और बचाव कार्यो का प्रदर्शन किया। एसडीएम ने बताया कि इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य विद्यालय के विद्यार्थियों को आग लगने की घटनाओं से बचने के उपायों एवं आपात स्थिति से निपटने के बारे में बताया गया, ताकि वे स्वयं एवं दूसरों की जान बचा सके। इस तरह की मॉक ड्रिल से वास्तविक आपदा की स्थिति में तैयारियों की समीक्षा होती है और विभागों के बीच समन्वय मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि आग लगने में 3 छात्राएं एवं 1 स्टॉफ का कार्मिक घायल हुए है।

इन सभी का सआदत अस्पताल में प्राथमिक उपचार किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक ने राजेश विद्यार्थी ने कहा कि भविष्य में भी आमजन एवं विद्यार्थियों को इस तरह की घटनाओं से लेकर जागरूक किया जाएगा।

पोस्टर का विमोचन

गंगापुर सिटी, (निसं)। श्री शिव भक्त मंडल के तत्वाधान में सावन मास में आयोजित होने वाली कावड यात्रा के पोस्टर का विमोचन पंचायत समिति परिसर स्थित ममलेश्वर महादेव मंदिर पर मण्डल कार्यकर्ताओ के द्वारा किया गया। मंडल सदस्य आयुष बजाज ने बताया कि 6 अगस्त को धूंधेश्वर से जल भर कर कावडिये ममलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगे जहां जलाभिषेक किया जाएगा।

कलेक्टर ने बानसूर के बुटेरी में रात्रि चौपाल की

जिला कलेक्टर ने बानसूर के बुटेरी में रात्रि चौपाल आयोजित कर आमजन के परिवाद सुने ।

कोटपूतली। जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने कहा कि आमजन की परिवेदनाओं के स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान के लिए रात्रि चौपाल व जनसुनवाई के माध्यम से आमजन के बीच जाकर उनके परीवादों का संवेदनशीलता व गुणवत्ता के साथ समाधान कर आमजन को राहत पहुंचाएं अधिकारीगण। जिला कलक्टर ने बुधवार को उपखंड बानसूर की ग्राम पंचायत बुटेरी के ग्राम पंचायत कार्यालय में आयोजित रात्रि चौपाल में आमजन के परिवाद सुनकर नियमानुसार मौके पर ही निस्तारण के निर्देश दिए।

उन्होंने संपर्क पोर्टल, सीएमओ से प्राप्त शिकायतों, रात्रि चौपाल व जनसुनवाई में प्राप्त होने वाली परिवेदनाओं के समयबद्ध व संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए। रात्रि चौपाल में पेयजल व विद्युत संबंधी परिवाद प्राप्त होने पर जिला कलक्टर ने पीएचईडी व विद्युत निगम के अधिकारियों को मानसून के मध्यनजर निर्बाध पेयजल व विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। रास्तों के विवाद संबंधी व अतिक्रमण के परिवाद प्राप्त होने पर कलेक्टर ने तहसीलदार को समस्त ग्रामों के रास्तों संबंधी परीवादों को चिन्हित कर रिपोर्ट अपडेट करने और आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। इस दौरान विभिन्न परिवादी सड़क, अतिक्रमण, सीमांकन, गिरदावरी, पुलिस, चिकित्सा, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा, पट्टा, शिक्षा, पेंशन की समस्याओं को लेकर पहुंचे। कलक्टर ने आमजन से संवाद करते हुए उन्हें जागरूक रहकर योजनाओं का लाभ लेने, साथ ही जिले के सभी नागरिकों को अधिकाधिक संख्या में जनसुनवाई व रात्रि चौपाल का लाभ लेने की अपील की है।

इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण व एसडीएम अनुराग हरित सहित विभागीय अधिकारियों ने लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में मौजूदा आमजन को विस्तार से जानकारी प्रदान की। रात्रि चौपाल के दौरान संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

भाजपा जयपुर देहात उत्तर जिला प्रवक्ता बनाए जाने पर राजेश शर्मा का स्वागत

भाजपा जयपुर देहात उत्तर जिला प्रवक्ता बनाए जाने पर राजेश शर्मा का समाज ने साफा माला पहनाकर भव्य स्वागत किया ।

पावटा। ब्राह्मण समाज पावटा की ओर से मंगलवार को भाजपा जयपुर देहात उत्तर जिला प्रवक्ता बनाए जाने पर राजेश शर्मा का समाज की ओर से साफा माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। ब्राह्मण समाज के पूर्व नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने बताया कि भाजपा जिला प्रवक्ता जैसे पद पर समाज बन्धु का होना हम सबके लिए गर्व की बात है। इस दौरान भाजपा जिला प्रवक्ता राजेश शर्मा ने कहा कि मेरा सदैव प्रयास रहेगा की समाज का नाम रोशन हो।

■ राजेश शर्मा ने कहा मेरी राजनीतिक यात्रा भाजपा में एक कार्यकर्ता के रूप में हुई थी। आज में ज्यों कुछ भी हूं उसमें मेरे समाज का अहम योगदान है।

शर्मा ने कहा कि मेरी राजनीतिक यात्रा भाजपा में एक कार्यकर्ता के रूप में हुई थी। आज में ज्यों कुछ भी हूं उसमें मेरे समाज का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज के लोग कदापि निराश ना हो उनके हित के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

वही दुर्गादत्त भारद्वाज, संरक्षक सुरेश शर्मा, पूर्व महामंत्री एडवोकेट विष्णु शर्मा, किशन शर्मा, संरक्षक दिनेश शर्मा, ब्राह्मण समाज महामंत्री दीपक पटेल , कोषाध्यक्ष ललित शर्मा , पूर्व कोषाध्यक्ष विकास पुजारी, सवारमल बोहरा, कमल पटेल, आकाश बोहरा सहित समाज के लोगों ने कहा कि राजेश शर्मा को भाजपा जयपुर देहात उत्तर जिला प्रवक्ता बनाकर भाजपा ने सटीक निर्णय लिया है।

भाजपा ने शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी है वह वास्तव में समाज के लिए गौरव की बात है। इस दौरान बड़ी संख्या में विप्र बंधु मौजूद रहे।

जनसुनवाई 18 जुलाई

कोटपूतली। राज्य सरकार द्वारा जन भावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं, समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिये जिला स्तर पर आमजन की परिवेदनाओं के संबंध में जिला स्तरीय जनसुनवाई जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी की अध्यक्षता में 18 जुलाई 2025 शुक्रवार को प्रातः 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जाएगी।

जनसुनवाई में परिवादियों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र, राजस्थान सम्पर्क पोर्टल में दर्ज लम्बित प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 287/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री संजीव भार्गव पुत्र श्री गोपाल नारायण भार्गव निवासी ए-2/352 मनुहार विला, ब्लू स्टार पब्लिक स्कूल के पास, चित्रकूट स्कीम, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रबन्ध समिति आदर्श विद्या मंदिर कार्यालय पता-आदर्श नगर (राजापार्क) जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है। अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 17.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 23.09.2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 284/2025
आइंदा तारीख पेशी 23.09.2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 282/2025
आज दिनांक 14.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 23.09.2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 285/2025
आज दिनांक 14.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 23.09.2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 263/2025
आज दिनांक 11.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 16.09.2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/445
चूंकि प्रार्थी श्री RAMESH RAIGER, M.N. 379, REGAR BASTI GRAM POST MITRPURA TEHSIL BONLI SAWAI MADHOPUR 322023 ...
आइंदा तारीख पेशी 23.09.2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/393
आइंदा तारीख पेशी 23.09.2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/456
आइंदा तारीख पेशी 22.09.2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/444
आइंदा तारीख पेशी 23.09.2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 68/2025
आइंदा तारीख पेशी 23.09.2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 69/2025
आज दिनांक 14.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 23.09.2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 77/2025
आज दिनांक 15.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 23.09.2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग जयपुर

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन लालकोठी टोंक रोड जयपुर-15
(राजस्व द्वितीय प्रकोष्ठ)
क्रमांक एफ 6 उपा.राज.द्वितीय सा.प्र.)/ननिज/2025/115 15.07.2025
सार्वजनिक सूचना
मूल भूखण्ड सं. ए-5, सी स्कीम, जयपुर का सिटी इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, जयपुर द्वारा श्री पदमपत सिंघानिया के नाम क्षेत्रफल 7.12 एकड़ (लगभग 34,460 ...
... अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त (राजस्व-द्वितीय) नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

... विश्वनाथ सोनी पुत्र श्री बाबूलाल व श्रीमती रेणू देवी पत्नी श्री विश्वनाथ सोनी, निवासीयान वार्ड नं. 19 रामगढ शेखावाटी जिला सीकर का अपने पुत्र अरूण सोनी व उसकी पत्नी श्रीमती पूजा सोनी मेरे अभिभाष्यगण के कहने में नहीं है उनका व्यवहार मेरे अभिभाष्यगण के प्रति उपेक्षित है। मेरे अभिभाष्यगण ने उक्त अरूण सोनी व पूजा सोनी को अपनी चल अचल सम्पत्ति, जीवन संव्यवहार से बेदखल कर दिया है। अरूण सोनी व पूजा सोनी से कोई व्यक्ति, लेनदेन, संव्यवहार करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार रहेगा।
दिनांक-17.7.25 (सुनील कुमार शर्मा) एडवोकेट मो. 9829017211

खोया पाया
मेरे मकान 31/79/06 वरुण पथ मानसरोवर का अदेय प्रमाण पत्र (NO Dues) कहीं खो गया। मिलने पर सूचित करें-8387006224

मेरे मकान 31/79/02 वरुण पथ मानसरोवर का अदेय प्रमाण पत्र (NO Dues) कहीं खो गया। मिलने पर सूचित करें-8387006224

हमारे प्लॉट सं. 602/1 मीर जी का बाग, जालुपुरा, जयपुर के मूल सम्पत्ति दस्तावेज रास्ते में कहीं गिर गये हैं। यदि किसी को भी मिले तो सूचित करें। अनुराग मल्होत्रा/नवनीत मल्होत्रा (मो.9799220011

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री रमेश चन्द पुत्र श्री सुवालाल, आयु 65 वर्ष, निवासी-एस-6, अशोक चौक, शास्त्री मार्ग, आदर्श नगर, जयपुर-302004 हाल पता रिंग रोड, कानोता, जयपुर (राज.) के निवासी हैं। मेरे अभिभाष्य के तीन पुत्र क्रमशः लोकेश कुमार, तुषार, दीपक हैं। जो मेरे अभिभाष्य के कहने में नहीं हैं तथा उनके द्वारा मेरे अभिभाष्य की सेवा, सुश्रूषा, देखरेख व सामाजिक कर्तव्य व दायित्व का निर्वहन नहीं किया जा रहा है। उक्त तीनों पुत्र क्रमश लोकेश कुमार, तुषार, दीपक मेरे अभिभाष्य की समस्त अर्जित चल-अचल सम्पत्ति में स्वयं के हिस्से के मकान व धनराशि ले चुके है व मेरे अभिभाष्य एवं उसकी पत्नी का बिलकुल कहना नहीं मानते है ना ही सामाजिक स्तर पर कोई मान सम्मान करते हैं। इससे क्षुब्ध होकर मेरे अभिभाष्य द्वारा उक्त तीनों पुत्रों क्रमश लोकेश कुमार, तुषार, दीपक को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बहिष्कृत (बेदखल) करते हैं। भविष्य में यदि कोई दीगर व्यक्ति उक्त तीनों पुत्रों क्रमश लोकेश कुमार, तुषार, दीपक से मेरे अभिभाष्य की चल-अचल सम्पत्ति बाबत कोई भी संव्यवहार, देनदारी-लेनदारी व कर्जा वसूली करते है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी मेरे अभिभाष्य की नहीं होगी वह अमान्य (शुन्य) होगी एवं उसका कोई भी विधिक महत्व नहीं होगा एवं इसकी समस्त जिम्मेदारी मेरे तीनों पुत्रों क्रमश लोकेश कुमार, तुषार, दीपक की होगी। सूचित रहे। वरवक्त प्रकाशन न्यायालय व सामाजिक स्तर पर काम आवें।
जयपुर (सुनील कुमार जोनवाल) एडवोकेट
दिनांक-17.7.25 मो. 9413460481, 7221917692

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर - 0141-4901853
क्रमांक : 2333 आम जाहिर सूचना दिनांक : 16.07.2025
राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या- 7/17 मालवीय नगर जयपुर, क्षेत्रफल 112.500 वर्ग मीटर का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र क्रमांक 1026 दिनांक 23.07.1998 श्रीमती मनीषा कर्मचन्दानी पत्नी श्री अशोक ... छाया प्रति, जनआधार कार्ड की छाया प्रति, अपनी सर्विस की आई.डी. एवं बैंक की पास बुक की छाया प्रति प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि उनका नाम उक्त आवास की पत्रावली में श्रीमती मनीषा कर्मचन्दानी पत्नी श्री अशोक कर्मचन्दानी के स्थान पर श्रीमती निर्मला परचवानी पत्नी श्री अशोक कर्मचन्दानी दर्ज किया जावे । अतः उक्त आवास की पत्रावली में श्रीमती निर्मला परचवानी पत्नी श्री अशोक कर्मचन्दानी का नाम दर्ज के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रुप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवास की पत्रावली में श्रीमती निर्मला परचवानी पत्नी श्री अशोक कर्मचन्दानी का नाम दर्ज कर दिया जायेगा।
सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा.आ.म., जयपुर

नाम परिवर्तन
मैं, सुजाता सी.जी., 15717098N हवलदार अनूप एम.एम. की माता हूँ। निवासी मुरूप्पेल कोचुकोइकल, चित्तर, सीताथोडु, पधानामधिपट्टा (केरल) मेरे बेटे के सेवा दस्तावेज में मेरा नाम सुजाता जी गलत दर्ज है। सही नाम सुजाता सी.जी. है। शपथ पत्र क्रमांक 1639 दिनांक 13.06.2025

मैं आर्मी नं. 16035161K राइफलमैन विष्णु सिंह चौहान यूनिट 17 राजरिफ (सवाईमान) है मेरे सेना के दस्तावेजों में मेरे पिताजी का नाम राधेश्याम सिंह (Radheshyam Singh) है जो कि गलत है मेरे पिताजी का नाम राधे श्याम (Radhe Shyam) है जो की सही एवं सत्य है।

मैं आर्मी नं. 16029952L राइफलमैन केशव भाटी 17 राजरिफ (सवाईमान) है मेरे सैनिक दस्तावेजों में मेरे पिता का नाम राकेश भाटी (Rakesh Bhati) है जो कि गलत है मेरे पिता का नाम राकेश भाटी (Rakesh Kumar) है जो की सही और सत्य है।

मैं आर्मी नं. 16035508L राइफलमैन रोहित सिंह यूनिट 17 राजरिफ (सवाईमान) है मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरे माताजी का नाम मिथलेश देवी (Mithlesh Devi) है जो कि गलत है मेरे माताजी का नाम मिथलेश सिंह (Mithlesh Singh) है जो की सही और सत्य है।

मैं आर्मी नं. 16020601P राइफलमैन गजेन्द्र यूनिट 17 राजरिफ (सवाईमान) है मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरी पुत्री का नाम नव्या (Navya) और जन्म दिनांक 01.10.2012 है जो गलत है। मेरी पुत्री का सही नाम नव्या कुमारी (Navya Kumari) और जन्म दिनांक 01.10.2011 है।

मैंने अपना नाम निर्मला बाई से बदलकर निर्मला रेवानी रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम जाना जावें। पता-62/162 रजतपथ मानसरोवर जयपुर 302020

I Neeru Devi Alias Neru Devi Alias Neru Bansal D/o Purshottam Lal Singhal and W/o Pawan Kumar Gupta R/o RX-29 Ridhi Sidhi Enclave, 2 ML, Ganganagar, Rajasthan-335001, have changed my name to Neeru Gupta

I ashok kumar ramchand jhamtani S/o Ramchand jhamtani resident of plot no. 14 B sirdhi colony banipark jaipur that I have changed myname from ASHOK KUMAR RAMCHAND JHAMTANI which is wrongly entered in my passport To ASHOK JHAMTANI in future called me ASHOK JHAMTANI for all purposes.

MUNICIPAL CORPORATION (GREATER), JAIPUR
(Pandit Deendayal Uppadhyay Bhawan Lalkothi Tonk Jaipur 302015)
No. F-6()DCR-FIRST (J.S)/RO.LIC/N.N.J/2025/585-586 Date : 16-07-202
PUBLIC NOTICE
The licensee M/s/ Indus Tower Limited Jaipu (Particulars of Licensee) has submitted applicatior in this office for granting permission for erection installation of telecom tower abovegrounc telegraph infrastructure on the land or building o location mentioned below :-

Sr. No.	Site ID	Address
1	IN 3345595	Row, Green Belt Area, Near RRR Restaurant, Near Bharat Mata Circle Vande Mataram Marg, Narayan Vihar Mansarover, Ward No.71, Jaipur
2	IN 3337994	Road Side Area, Near Jaipur Nagar Nigam Office, Lalkothi Ward No.138, Jaipur
3	IN 3343783	Row, In Front of House No. 10 859, After Road Cross, Malviya Nagar, Jaipur

Therefore, it is hereby informed to all concerned that if, any body has any objection or suggestion or granting permission for installation o establishment of above mentioned telecom infrastructure on the land/location above, he may submit objection or suggestion along with supporting documents before the undersigned during office hours on any working day within 7 days of the publication of this notice.
In absence of any objection/ suggestion within above stipulated time it any be deemed that nobody has objection/suggestion and matter will be disposed off accordingly.
Deputy Commissioner (Revenue-I) Municipal Corporation (Greater), Jaipur

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश क्रम 18, सांगानेर
छोटी लाल वगै. विरूद्ध बरजी देवी वगै.
वाद बाबत स्थायी निषेधाज्ञा वाद संख्या-.. सन् 2024
बनाम हर आम एवं खास ग्राम गोनेर स्थान तह. सांगानेर, जयपुर।
वादी ने आपके विरूद्ध स्थाई निषेधाज्ञा के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 23 माह 7 सन 2025 को दिन में 10.30 ए.एम.दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 16 माह 07 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
आज्ञा से-अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश क्रम 18, सांगानेर

राजस्थान सरकार
न्यायालय तहसीलदार (भू.अ.) खण्डेला (सीकर)
क्रमांक-भू.अ./2025/1498 दिनांक-16.07.2025
आम सूचना
हर खास व आम को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम पुजारी का बास पटवार हल्का जयरामपुरा तहसील खण्डेला की भूमि खसरा नं. 223 रकबा 0.73 किस्म बारानी-2 को खातेदार धुंकलराम पुत्र नेतारामहरिजन जाति बलाई सा. ग्राम सिरियासरकलां जिला झुंझुनू के द्वारा अपंजीकृत विक्रय पत्र द्वारा क्रेता प्रहलाद कुमार पुत्र केशाराम निवासी पुष्पनगर श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान को दिनांक 14.08.1995 को विक्रय किया गया है, जिसका नामांतरण क्रेता प्रहलाद कुमार पुत्र केशाराम निवासी पुष्पनगर श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान के नाम दर्ज करने बाबत पत्रावली मु.नं. 02/2025 अंतर्गत धारा 135(2) भू.रा.अ. 1956 अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में विचाराधीन है। यदि किसी व्यक्ति को उपर्युक्त अपंजीकृत विक्रय पत्र में वर्णित भूमि का नामांतरण क्रेता प्रहलाद कुमार पुत्र केशाराम निवासी पुष्पनगर श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान के पक्ष में दर्ज करने बाबत कोई एतराज हो तो इस सूचना के प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर इस न्यायालय में अपना पक्ष प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित अवधि बीतने पर एकतरफा निर्णय की कार्यवाही अमल में लायी जाएगी एवं कोई भी उज्र मान्य नहीं होगा।
तहसीलदार (भू.अ.) खण्डेला (सीकर)

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लाल कोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)
क्रमांक :- ज.स.अ./2025/143 दिनांक :- 16/07/2025
ई-निविदा सूचना सं. अधि0 अभि0 (मु0) 43 से 46/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (मु0) से सम्बन्धित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम ग्रेटर जयपुर की वेबसाईट **www.jaipurmc.org, eproc.rajasthan.gov.in** एवं State Public Procurement Portal Government of Rajasthan की वेबसाईट **http://sppp.rajasthan.gov.in** के UBN No:- JMC2526WSOB01063, JMC2526WSOB01064, JMC2526WSOB01065 एवं JMC2526WSOB01066 पर देखी जा सकती है।
अधिशाषी अभियन्ता (मु0) नगर निगम ग्रेटर जयपुर
राज.संवाद/सी/25/6361

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, आबू
क्रमांक-LU2012/ABU/2025-26/100335 -लोक सूचना- दिनांक-16/7/2025
श्री ARHAM DEVELOPERS पुत्र श्री NOT APPLICABLE निवासी C-298RIICO COLONY ABUROAD ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का आवासीय प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

क्र.सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल(वर्गमीटर)	क्षेत्रफल(हैक्टे.)
1.	पाण्डुरी, देलदर(सिरोही)	ARHAM DEVELOPERS	328	13530	1.353
				कुल	1.353

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू- राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90 क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-AFor Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते हैं। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 16.07.25 को जारी की गयी।
-प्राधिकारी अधिकारी नगर विकास न्यास,आबू

पावरग्रिड POWERGRID
सूचना
1. सीईआरसी (कार्य संचालन) विनियम, 1999 और सीईआरसी (शुल्क की शर्तें और नियम) विनियम, 2019 के विनियम-86 के अंतर्गत अनुमोदन i) 2019-24 टैरिफ ब्लॉक के लिए ट्रांसमिशन टैरिफ का सही निर्धारण और ii) याचिका-1 के लिए 2024-29 टैरिफ ब्लॉक के लिए ट्रांसमिशन टैरिफ का निर्धारण जो कि परिसंपत्ति-1: 400 केवी डी/सी मोहिंदरगढ़-भिवानी ट्रांसमिशन लाइन, दोनों सिरों पर संचार उपकरण सहित और 'उत्तरी क्षेत्र प्रणाली सुदृढ़ीकरण योजना' के अंतर्गत एक अर्थ वायर के स्थान पर ओपीजीडब्ल्यू (एनआरएसएसएस)-XXXV" और परिसंपत्ति-2: उत्तरी क्षेत्र में "भिवानी (पावरग्रिड) सबस्टेशन पर 2 400 केवी लाइन बे के निर्माण" की योजनाओं के तहत भिवानी (पावरग्रिड) सबस्टेशन पर 2 सं.ओं में 400 केवी लाइन बे के लिए है
2. उपरोक्त पारेषण प्रणालियों के लाभार्थी हैं (क) अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ख) जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (ग) जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (घ) पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (ङ) हरियाणा विद्युत क्रय केंद्र (च) जम्मू और कश्मीर विद्युत निगम लिमिटेड (छ) उत्तर प्रदेश विद्युत निगम लिमिटेड (ज) बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (झ) बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (ञ) टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (ट) चंडीगढ़ विद्युत विभाग (ठ) उत्तरांचल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (म) उत्तर मध्य रेलवे (न) नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (ण) हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड
3. टैरिफ के विवरण:
a) 2019-24 ब्लॉक — रुपये लाख में

परिसंपत्ति का विवरण	DOCO	पूरा करने की लागत 31.03.2024 की तिथि में	टैरिफ	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24
परिसंपत्ति-1	24.03.2023	10134.53	एएफसी अनुमोदित	0.00	0.00	0.00	35.88	1673.82
			सही करने के आधार पर संशोधित एएफसी	0.00	0.00	0.00	36.00	1657.54
परिसंपत्ति-2	24.03.2023	1049.14	एएफसी अनुमोदित	0.00	0.00	0.00	4.30	198.11
			सही करने के आधार पर संशोधित एएफसी	0.00	0.00	0.00	4.30	198.17

b) 2024-29 ब्लॉक — रुपये लाख में

परिसंपत्ति का विवरण	पूरा करने की लागत 31.03.2029 की तिथि में		2024-25	2025-26	2026-27	2027-28	2028-29
कुल परिसंपत्ति	12382.80	AFC	1826.33	1891.51	1947.83	1904.80	1863.11

4. इस सूचना और टैरिफ निर्धारण के लिए प्रस्तुत आवेदन की एक प्रति आवेदक की वेबसाइट **www.powergrid.in** पर उपलब्ध है।
5. यदि आवेदन में दिए गए टैरिफ निर्धारण के प्रस्तावों पर सुझाव और आपत्ति, यदि कोई हों, तो लाभार्थी सहित कोई भी व्यक्ति इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के अंदर सचिव, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग, 6ठी, 7वीं और 8वीं मंजिल, टावर बी, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, नौरोजी नगर, नई दिल्ली - 110029 (या आयोग कार्यालय के अन्य पते पर) में दर्ज कर सकते है। इसकी एक प्रति आवेदक को उसके कॉर्पोरेट कार्यालय के पते पर भेजनी होगी।

स्थान: गुरुग्राम — हस्ता./-
दिनांक 11.07.2025 — वरिष्ठ महाप्रबंधक (वाणिज्यिक एवं नियामक प्रकोष्ठ)
पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
पंजीकृत कार्यालय: बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016
कॉर्पोरेट कार्यालय: "सौदामिनी", प्लाट नं.-2, सेक्टर-29, गुरुग्राम, हरियाणा-122001
वेबसाइट: www.powergrid.in, सीआईएन नंबर: L40101DL1989GOI038121
एक महारत्न पीएसयू
PG/CC/Notice-29/Advt-33/2025-26/Dot Communications

संक्षिप्त

स्नातक पार्ट प्रथम के आवेदन शुरु

कोटपूतली। राजकीय एल.बी.एस. पी.जी. महाविद्यालय में स्नातक पार्ट प्रथम में रिक्त रहे स्थान के लिये कैटेगरी वाईज आवेदन प्रक्रिया पुनः प्रारंभ कर दी गई हैं। प्राचार्य डॉ. आर. के. सिंह ने बताया कि सत्र 2025-26 के स्नातक सेमेस्टर प्रथम में कैटेगरी वाईज रिक्त रहे स्थान के लिये पुनः नवीन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये हैं। कैटेगरी वाईज रिक्त रहे स्थान के लिये संबंधित श्रेणी के विद्यार्थी आगामी 22 जुलाई तक ई मित्र के माध्यम से पुनः आवेदन कर सकते हैं। नोडल अधिकारी देशराज यादव ने बताया कि कला संकाय ईडब्ल्युएस, एसटी, ओबीसी वर्ग व बीएससी विज्ञान संकाय जीव विज्ञान वर्ग एसटी, ईडब्ल्युएस एवं बीएससी गणित वर्ग एससी, एसटी, ईडब्ल्युएस तथा वाणिज्य संकाय में सभी वर्गों हेतु आवेदन आमंत्रित किये गये है। इन वर्गो के विद्यार्थी ई-मित्र व एसएसओ के माध्यम से 22 जुलाई तक ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया, पात्रता तथा अन्य दिशा निर्देशों की विस्तृत जानकारी संबंधित महाविद्यालय की सूचना पट्ट पर अथवा वेबसाईट पर उपलब्ध है। इसी प्रकार डाबला रोड़ स्थित राजकीय पाना देवी कन्या महाविधालय में बी.ए. व बी.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर हेतु जारी प्रवेश प्रक्रिया में श्रेणीवार कला संकाय में ईडब्ल्युएस तथा एसटी तथा विज्ञान संकाय (जीव विज्ञान) में एसटी तथा (गणित) में ईडब्ल्यूएस, ओबीसी, एससी, एसटी श्रेणी में स्थान रिक्त हैं।

अवैध शराब रखने का आरोपी पकड़ा

बौंली- बामनवास। भरतपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश के आदेशानुसार चलाए जा रहे दो दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत क्षेत्र की बाटोदा थाना पुलिस ने अवैध शराब के 55 पव्वों के साथ आरोपी काडू हरिजन उम्र 45 वर्ष निवासी हिंगोटिया रोड गंगापुर हाल निवासी जाखोलास खुर्द थाना बाटोदा को एवं विजय गुर्जर उम्र 27 वर्ष निवासी हबीबपुर थाना सदर गंगापुर सिटी को 3 माह से फरार वारंटी में गिरफ्तार किया गया है। बाटोदा थाना प्रभारी यशपाल सिंह ने बताया कि एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत बाटोदा थाना द्वारा तीन टीमों का गठन किया गया, इसके तहत सहायक उप निरीक्षक किरोड़ी लाल की टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर आरामपुरा, फुलवाड़ा रोड पर काडू हरिजन के पास से 55 पव्वै अवैध देशी शराब बरामद कर उसे गिरफ्तार कर एक्साइज एक्ट में मामला दर्ज किया गया है।

एसडीएम ने दिशा निर्देश दिए

टोंक। पीपलू उपखंड अधिकारी गणराज बडगोती ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्यावडी का औचक निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होने विद्यालय परिसर मे अध्ययन व्यवस्था, साफ सफाई तथा विद्यालय में शौचालय व पेयजल की सुविधा सुचारू रूप से पाई गई। विद्यालय में उपखंड अधिकारी द्वारा छात्रों सवाल जवाब भी किया, गत परीक्षा परिणाम का तुलनात्मक अवलोकन करने पर पाया गया की 10वीं व 12वीं कक्षा का गुणात्मक परिणाम विषयों में अंतर है, इस गुणात्मक परिणाम में विद्यालय का सही नहीं आया, जिसमें से भी कुछ विषयों का परिणाम अपेक्षाकृत अत्यंत कम रहा है। उपखण्ड अधिकारी ने प्रधानाचार्य को व विद्यालय कर्मचारियों को स्पष्टीकरण व अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

वन मंत्री आज टोडारायसिंह

टोंक। प्रदेश के वन, पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के राज्य मंत्री संजय शर्मा आज सायं 3 बजे उपखंड टोडारायसिंह आएंगे। मंत्री के वरिष्ठ निजी सचिव लक्ष्मण प्रसाद मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य मंत्री शर्मा दोपहर 1 बजे जयपुर से प्रस्थान कर उपखंड टोडारायसिंह में स्थानीय कार्यक्रम में भाग लेंगे।

परीक्षार्थियों की परीक्षाएं 21 से

कोटपूतली। राजकीय एल.बी.एस. पी.जी. महाविद्यालय में स्नातक भूगोल प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के स्वयंपाठी परीक्षार्थियों की परीक्षायें आगामी 21 जुलाई से प्रारम्भ होगी। प्राचार्य डॉ. आर. के. सिंह ने बताया कि संबंधित विद्यार्थी महाविद्यालय व विभाग के सूचना पट्ट पर अपनी प्रायोगिक परीक्षा का बैच नम्बर, दिनांक एवं समय देखकर प्रायोगिक परीक्षा के समय उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

सतवीर वर्मा अध्यक्ष बने

पावटा। डॉ. भीमराव अंबेडकर विचार मंच की एक बैठक का आयोजन अंबेडकर कॉलोनी भांकरी में किया गया। बैठक की अध्यक्षता सहायक लेखाधिकारी गोकुल चंद वर्मा द्वारा की गई। बैठक के दौरान डॉ. भीमराव अंबेडकर विचार मंच शाखा भांकरी की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया।

इस दौरान डॉ अंबेडकर विचार मंच शाखा भांकरी के अध्यक्ष पद पर सतवीर वर्मा को सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। इस उपलक्ष्य में अंबेडकर विचार मंच शाखा भांकरी के नवनियुक्त अध्यक्ष सतवीर वर्मा व उनकी टीम द्वारा स्कूली बच्चों को निशुल्क पाठ्य सामठी वितरित की गई।

इस मौके पर आगंतुक अतिथियों जयपुर जिला सरपंच संघ अध्यक्ष मेहर सिंह धनकड, सामाजिक कार्यकर्ता ओ पी बायला, पूर्व उप सरपंच रामेश्वर गढवाल, वी टी नगर अध्यक्ष टिंकू वर्मा, बनवारी वर्मा, सुरेंद्र वर्मा, प्रकाश वाल्मीकि, गनी खान, सुंदर वर्मा, राजेंद्र वर्मा, सोणाराम वर्मा ने डॉ अंबेडकर विचार मंच शाखा भांकरी के नवनियुक्त अध्यक्ष सतवीर वर्मा का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। डॉ अंबेडकर विचार मंच वरिष्ठ कार्यकर्ता जिला प्रभारी कोटपुतली बहरोड सुरेश बुनकर ने बताया कि यह मंच छोटे गांव कस्बो, तहसील, जिले से लेकर प्रदेश तक लगातार 40 वर्षों से शिक्षा सामाजिक आर्थिक आदि सभी क्षेत्रों में अथक प्रयास कर रहा है। समाज में फैली कुरीतियों मृत्यु भोज, मदिरा पान जैसी विचारधाराओं को नष्ट कर ज्ञान विज्ञान की और अग्रसर है।

दो शातिर चोर गिरफ्तार, कब्जे से ट्रैक्टर-ट्रोली बरामद

थानाधिकारी सदर टोंक जयमल सिंह के नेतृत्व गठित टीम ने फरार दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया।

टोंक। सदर थाना क्षेत्र में चोरी व नकबजनी के खिलाफ कार्यवाही के दौरान वृत्ताधिकारी टोंक राजेश विद्यार्थी के निर्देशन में थानाधिकारी सदर टोंक जयमल सिंह के नेतृत्व गठित टीम ने थाने में दर्ज प्रकरण में फरार दो शातिर चोरो को गिरफ्तार कर प्रकरण में चोरी किये गये ट्रैक्टर मय ट्रोली को बरामद किया गया है। थानाधिकारी ने बताया कि गत 26 मई को परिवादी कालू नायक ने थाने में प्रकरण दर्ज कर बताया कि रात का उसका ट्रैक्टर ट्रोली सवाईमाधोपुर रोड स्थित महेन्द्र की दुकान के सामने खडे थे, जहां रात अज्ञात चोर ट्रैक्टर को चोरी कर ले गए। प्रकरण में कार्यवाही करते हुए थाना सदर टोंक टीम ने साक्ष्य जुटाकर एंव मुखबीर की सूचना शातिर चोर रोहित पुत्र श्योनारायण गुर्जर उम्र 19 साल निवासी बम्बोर एवं कन्हैया पुत्र गंगाराम बैरवा जाति बैरवा उम्र 22 साल निवासी तारण को गिरफ्तार कर चोरी गये गये ट्रेक्टर व ट्रोली को बरामद किया। दोनो से पूछताछ के दौरान उन्होने पूर्व में भी जगदीश पेट्रोल से एक ट्रेक्टर व बम्बोर रोड से एक ट्रोली तथा कुछ दुपहिया वाहन चोरी की वारदाते करना बताया है। दोनो गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस अभिरक्षा रखा गया है।

> ■ ट्रैक्टर ट्रोली सवाईमाधोपुर रोड स्थित महेन्द्र की दुकान के सामने खडे थे, जहां रात चोर ट्रैक्टर को चोरी कर ले गए

शिव कांवड शिविर शुरू

पावटा। श्री बाबा भूतनाथ कांवड़ सेवा संघ पावटा की ओर से शिवरात्रि के उपलक्ष्य में 8वें विशाल कांवड सेवा शिविर का आयोजन 17 जुलाई से 22 जुलाई तक निकुंज सिटी ग्रांउड सफायर आर बी एल बैंक के पास जैनपुरबास में श्री श्री 1008 श्री मंगलदास महाराज टोरडा धाम, श्री सेवादास महाराज पावटा भोमिया धाम, श्री मोहनदास महाराज गोपाल भैया मंदिर पावटा, श्री जयराम दास महाराज बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम पावटा, तुलसी दास महाराज के करकमलों व पंडित मनोज शास्त्री द्वारा विधि-विधान से किया गया। वही झंडा एवं भट्टी पूजन गुरुवार को सुबह विधि-विधान से हुआ। शिविर के शुभारंभ पर वरिष्ठ जनो गिरधारी लाल सैन, नरेश जिंदल, अशोक सिंह शेखावत, जगदीप धनकड सहित समिति सदस्यों द्वारा आगंतुक साधु संतो का माला व साल ओढाकर सम्मान किया गया। श्री बाबा भूतनाथ कांवड़ सेवा संघ के वरिष्ठ सदस्य नीरज सैन, पंकज जिंदल ने बताया कि श्रावण मास में बडी संख्या में शिव के भक्त भोले को जल चढाने के लिए दूर-दूर से कांवड लाते है। शिव भक्तों को रास्ते में किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं हो इस हेतु कांवड यात्रियों की सेवा के लिए सात दिवसीय कांवड सेवा शिविर लगाया गया है। यह पावटा का सबसे प्रमुख एवं विख्यात शिविर है। इस मौके पर नीरज सैन, सुभाष यादव, पंकज जिंदल, सीए रमन सैनी, अक्षय सिंह, सत्यवान, पुष्पेंद्र सिंह सहित बडी संख्या में शिव भक्त एवं कमेटी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

टोंक में सहकार एवं रोजगार उत्सव का लाइव प्रसारण

टोंक। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की उपस्थिति में गुरुवार को जयपुर जिले के दादिया ग्राम में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर सहकार एवं रोजगार उत्सव का आयोजन हुआ। जिले में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण एवं जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन कृषि ऑडिटोरियम टोंक में किया गया। इस अवसर पर जिला प्रमुख सरोज बंसल, जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, सहायक निदेशक लोक सेवाएँ रूबी अंसार, सहकारिता विभाग के उप रजिस्ट्रार रविंद्र यादव, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक वीरेंद्र सिंह सोलंकी, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. छोटू लाल बैरवा एवं एनआईसी के डीआईओ सुशील कुमार अग्रवाल समेत डीओआईटी के अधिकारी एवं समाज सेवी ओमप्रकाश गुप्ता, निलिमा सिंह आमेरा समेत अन्य मौजूद रहे।

इस अवसर पर जिला प्रमुख सरोज बंसल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भारत को एक आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए ग्रामीण भारत में हाशिये पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया है। उन्होंने देश के किसानों, पशुपालकों, मछली पालकों, सहकारी समितियों एवं स्वयं सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे है। उन्होंने कहा कि समय-समय पर आयोजित होने वाले रोजगार उत्सवों के माध्यम से युवाओं को प्रोत्साहन मिल रहा है। कार्यक्रम में जिले में विभिन्न सरकारी विभागों में नवनियुक्त 135 कार्मिकों को स्वागत किट का वितरण किया गया। वहीं सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा ब्याज मुक्त ऋण राशि के 5 लाभार्थियों को 50 हजार रुपये का चेक का वितरण किया गया।

25 वें शिव कांवड सेवा शिविर का शुभारम्भ

कोटपूतली। श्रावण मास की पवित्र बेला में जब पूरा वातावरण हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता है, तब सेवा, श्रद्धा और आस्था की त्रिवेणी बनकर शिव भक्तों की भावनाओं को साकार करने के लिये गुरूवार को 25 वें शिव कांवड सेवा शिविर का भव्य शुभारम्भ हुआ। महाराज श्री श्री 1008 मंगल दास महाराज ने द्वीप प्रज्जवलित कर इस पावन शिविर का उद्घाटन किया। यह शिविर दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित सरोज मार्केट के पास आयोजित किया गया। शिविर के प्रारम्भ में श्री श्याम मंदिर के पुजारी नरेंद्र महाराज द्वारा वैदिक विधियों के साथ पूजा-अर्चना कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। यह शिविर हर वर्ष की भांति इस बार भी रामावतार सैनी एवं फल-सब्जी मंडी अध्यक्ष रमेश सैनी भगत की प्रेरणा और संयोजन से आयोजित किया गया है। 25 वर्षों की

पावटा में शिव कांवड सेवा शिविर का शुभारम्भ महाराज श्री मंगल दास महाराज ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

यह यात्रा केवल सेवा की नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, नई पीढ़ी को संस्कार देने और भक्ति के साथ कर्मयोग को जोड़ने की मिसाल बन चुकी है। शिविर में भव्य पांडाल, जल एवं भोजन की व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवायें, विश्राम स्थल, मेडिकल सहायता आदि हर सुविधा शिव भक्तों के लिये सुलभ कराई गई है। हर वर्ष सैंकड़ों की संख्या में शिव भक्त कांवड लेकर हरिद्वार, गौमुख, नीलकंठ आदि स्थानों से पवित्र जल लाकर भोलेनाथ को अर्पित करते हैं। इस दौरान रमेश मुनीम, कालूराम सैनी, इंद्राज सैनी, अमरसिंह मुनीम, मिलन व मनोज सैनी सहित बडी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शाकंभर से अजमेर रोडवेज सेवा 5 साल बाद बहाल

सांभरझील, (निसं)। कोरोना काल के समय से सांभर से अजमेर और अजमेर से सांभर रोडवेज बसों के बंद पड़े संचालन को फिर से बहाल कराने में नंदीकेश्वर मेला कमेटी के अध्यक्ष कुलदीप व्यास के प्रयास एक बार फिर से रंग लाए हैं। व्यास ने पहले भी सांभर को निवर्तमान सरकार के समय राजकीय कन्या महाविद्यालय, उप जिला अस्पताल, पर्यटन महोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत सहित अनेक सौगाते दिलवाई वह किसी से छिपी नहीं है। सांभर से अजमेर और अजमेर से सांभर बसों के संचालन को शुरू करवाने की सोशल मीडिया पर की गई पुकार को भले ही बड़े राजनेताओं ने नजर अंदाज कर दिया हो, लेकिन क्षेत्र की जनता की मार्मिक पीड़ा को समझते हुए उन्होंने तुरंत एक्शन लिया और बाकायदा महज कुछ दिनों के अंतराल में ही वर्तमान प्रदेश सरकार के मुखिया व संबंधित मंत्री से वार्ता कर रोडवेज बसों के संचालन के लिए आदेश भी प्रसारित करवा दिए, यह आम लोगों के लिए एक बड़ी सौगात है। लोगों का कहना है कि विगत 5 साल में पूर्व विधायक की ओर से यदि प्रयास किए जाते अथवा वर्तमान सरकार से गुहार लगाई जाती तो जनता को यह दंश नहीं झेलना पड़ता। जिन राजनेताओं के जिम्मे यह काम था और लोकल लीडरशिप संभाल रहे कार्यकर्ताओं का जो दायित्व था उससे तो वे पूरी तरह से विमुख रहे ही साथ समर्पण की भावना से भी दोनों ही दलों के नेता पूरी तरह से खाली दिखे। बसों का संचालन शुरू करवाने के आदेश होने पर क्षेत्र में जबरदस्त हर्ष की लहर व्याप्त है। इस संबंध में मुख्य प्रबंधक अजमेर आगार के पत्र क्रमांक 1706 दिनांक 14 जुलाई 2025 को आदेश प्रसारित किया है जिसके अंतर्गत अजमेर से सांभर वाया किशनगढ़, दूदू नरेना प्रातः 7:00 बजे, सांभर से अजमेर प्रातः 10:00 बजे, अजमेर से सांभर दोपहर 1:00 बजे तथा इसी प्रकार सांभर से अजमेर सायं 4:00 बजे बसों का विधिवत संचालन होगा।

फुलेरा में सुने मकानों में चोरी की वारदातें

फुलेरा। फुलेरा थाना क्षेत्र में सूने मकानों में चोरी की वारदातें बढ़ चुकी है। चोर दिन में सूने मकानों की रैकी करते है और रात में बड़ी सफाई से चोरी की वारदातों को अंजाम दे जाते है। इससे चोर तो मालामाल हो रहे है, वहीं आमजन कंगाल होते जा रहे है। पूर्व की कई चोरियों का खुलासा हुआ ही नहीं था कि बुधवार रात्रि को चोरों ने श्रीरामनगर स्थित ईश्वर देवी वासदेव के सूने मकान को निशाना बनाया और सोने के आभूषण सहित गुल्लक में रखे करीब दस हजार रुपए लेकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार जब ईश्वर देवी अगले दिन गुरुवार को करीब प्रातः 11 बजे अपने घर पहुंची और मुख्य द्वार को खोला तो देखा कि अन्दर दरवाजे के गेट के ताले टूटे हुए थे। इसके अलावा अलमारी खुली पड़ी और सामान बिखरा हुआ पड़ा था। जहां पर देखा तो पता चला चोरों ने 2 जोड़ी कानों के सोने के टॉप्स, 1 सोने का पैंडल एवं 8 से 10 हजार रुपए नगद चुरा कर फरार हो गए। इस घटना को लेकर पुलिस को सूचना दी गई। उक्त सूचना मिलने ही थानाधिकारी चन्द्र प्रकाश यादव मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। इसके साथ ही जयपुर से आई एमओबी टीम ने साक्ष्य जुटाए। थानाधिकारी ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज तलाशे। थानाधिकारी चंद्र प्रकाश ने कहा कि पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है, अपराधियों को किसी भी सूरत में नहीं बक्शा जाएगा।

रेल समस्याओं से करवाया अवगत

फुलेरा। दैनिक रेलयात्री संघ एकीकृत के एक शिष्टमण्डल ने विभिन्न समस्याओं को लेकर मण्डल वाणिज्य प्रबंधक के.के. शर्मा से मुलाकात कर विभिन्न रेल समस्याओं से अवगत करवाया। पिछले कुछ दिनों से फुलेरा बुकिंग पर जो मासिक सीजन टिकट बनाई जा रही है, उसका प्रिंट 4 से 5 दोनों के बाद अपने आप उड़ जाता है। जबकि मासिक सीजन टिकट दैनिक रेल यात्री एक माह या तीन माह के लिए बनाते है। इसके चलते प्रिंट नहीं देखने के कारण प्रतिदिन उन्हें काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ढीण्ढा रेलव स्टेशन पर जो कि एक फ्लैग स्टेशन है, उसके दोनों तरफ रेल प्रशासन द्वारा जानवर नहीं आए इस कारण से दोनों बाउंड्री को लोहे की चद्दर के माध्यम से बंद किया हुआ है। स्टेशन की एक ओर तो जाने का पैसेंजरों को रास्ता दिया है, मगर प्लेटफार्म की दूसरी ओर रास्ता नहीं दिया है। जिससे महिलाओं बुजुर्गों बच्चों को लोहे की चद्दर के नीचे निकल आना पड़ता है। जिससे उन्हें काफी समस्या सामना करना पड़ता है। इन दोनों समस्याओं समाधान शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया किया।

स्कूली छात्रों को साइबर क्राइम से बचने के टिप्स दिए

पावटा। पुलिस महानिदेशक के आदेश से जिलो में चलाए जा रहे ऑपरेशन जागृति चरण-3 के तहत वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत ने स्कूली छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। उन्होंने पावटा कस्बा स्थित एम एम पब्लिक स्कूल में स्कूल निदेशक मनोज कुमार अग्रवाल के सानिध्य व प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह यादव, कालिका यूनिट की उपस्थिति में विद्यार्थियों को

> ■ पुलिस ने दी पोक्सो एक्ट की जानकारी
>
> ■ सोशल मीडिया पर फोटो न डालने की सलाह

पॉक्सो एक्ट, साइबर क्राइम और यातायात नियमों की जानकारी दी। वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत ने छात्राओं को महत्वपूर्ण सुरक्षा सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि छेड़छाड़ की स्थिति में तुरंत 1090 पर कॉल करें,

वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत ने स्कूली छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया।

पुलिस तुरंत मदद के लिए पहुंचेगी। छात्राओं को सोशल मीडिया पर अपनी फोटो पोस्ट न करने की सलाह दी गई और उनसे सोशल मीडिया से दूर रहकर पढ़ाई पर ध्यान देने का आठाह किया। साइबर सुरक्षा पर जोर देते हुए शिप्रा राजावत ने कहा कि बैंक खाता नंबर, पासवर्ड या अन्य बैंकिंग जानकारी किसी से भी साझा न करें। विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने, सीट बेल्ट और हेलमेट का उपयोग करने की सलाह दी गई। उन्होंने छात्रों से आठाह किया कि वे अपने परिवार के सदस्यों को भी इन नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित करें। साथ ही, दुर्घटना पीड़ितों की मदद करने की अपील भी की। इस अवसर पर उन्हें पोक्सो एक्ट के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह एक्ट एक विशेष कानून है, जो 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा प्रदान करता है।

सार-समाचार

डोडा चूरा सहित तीन आरोपी पकड़े

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत जिले में अवैध मादक पदार्थो के खिलाफ विभिन्न थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 102.65 किलोग्राम डोडा चुरा जप्त कर तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। इसी क्रम में मेहंदवास थाना पुलिस टीम ने सोनवा टोल प्लाजा के पास एनएच-52 पर नाकाबंदी के दौरान एक कार की तलाशी के दौरान चार कट्टों में 70 किलो डोडा चूरा जप्त किया तथा कार से 93 हजार रुपए नकद भी बरामद किये, कार्यवाही में आरोपी सिन्दर सिंह उम्र 42 साल निवासी देहदना, थाना घाघा, जिला पटियाला (पंजाब) को मौके पर ही गिरफ्तार किया गया। वहीं टोंक सदर थाना पुलिस ने 16 जुलाई शाम को गश्त के दौरान एनएच 52 पर एक युवक की तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 14.505 किलो डोडा चूरा मिला। जहां आरोपी राजकुमार प्रजापत उम्र (25 साल निवासी रायती, थाना बैंगू, जिला चित्तौड़गढ़ को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। इसी तरह निवाई थाना पुलिस ने दशहरा मैदान के पास संदिग्ध युवक लाभचन्द धाकड उम्र 27 साल निवासी प्रतापपुरा, थाना भैसरोडगढ़, जिला चित्तौडगढ से पूछताछ के दौरान उसके कब्जे से मिले बेग में 17.660 किलो डोडा चूरा मिला। इस कार्यवाही में जब्त किये गये माल की कीमत 15 लाख 32 हजार 475 रुपए आंकी गई है। पुलिस ने तीन तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से एक कार और 93 हजार रुपए नकद भी जब्त किए गए। मामलों में जिला स्पेशल टीम की अहम भूमिका रही है।

अभियान में पौधे रोप

बौंली- बामनवास। क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कोडियाई के प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम की अध्यक्षता बौंली पंचायत समिति प्रधान कृष्ण

पोसवाल ने की, कार्यक्रम में ग्राम पंचायत प्रशासक प्रेम देवी मीणा सचिव जोधराज गुर्जर एवं भूपेंद्र सिंह राजौरा सहित विद्यालय का स्टाफ एवं अध्यनरत छात्र-छात्राओं ने विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया। कार्यक्रम में शामिल अतिथियों का संस्था प्रधान भगवान सहाय मीणा व स्टाफ द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

कोटपूतली में वेलकम किट दिए

कोटपूतली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार युवाओं की समृद्धि, खुशहाली एवं सहकारिता की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर सहकार एवं रोजगार उत्सव समारोह का राज्य स्तरीय कार्यक्रम जयपुर में गृह मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। इसी कड़ी में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटपुतली के सभागार भवन में गुरुवार को जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह में अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण, एसडीएम बृजेश चौधरी, नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट, डीएसओ शशि शेखर शर्मा, सहकारिता रजिस्ट्रार अशोक दीप पिंगोलिया, केवीवीएस चेयरमैन हंसराज कसाना सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह में जिले के 117 नवचयनित कार्मिकों को जिला कलेक्टर ने शुभकामनाएं दी और सरकार के निर्देशानुसार कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने का संदेश दिया एवं युवाओं को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के 47, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 43, सांख्यिकी विभाग के 2 तथा विद्युत निगम के 7, संस्कृत शिक्षा विभाग से 1, शिक्षा विभाग से 8 एवं आयुर्वेद विभाग से नवनियुक्त 9 कार्मिकों को वेलकम किट वितरित की गई। कार्यक्रम में नव नियुक्त कार्मिकों में सुभाष चंद स्वामी (फार्मासिस्ट), मंजू कुमारी (व्याख्याता), आशीष अग्रवाल (जे ई एन), कविता बाई (नर्स), देशराज गुर्जर (संगणक), सुरेश चंद गुर्जर (सूचना सहायक), निरमा कुमावत (राजस्व अधिकारी) को मुख्य अतिथि एवं अधिकारियों ने वेलकम किट व प्रमाण पत्र प्रदान किए. नव नियुक्त कार्मिकों ने अपने अनुभव साझा किए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम का संचालन चिकित्सा विभाग के जिला नोडल अधिकारी रविकांत जांगिड़ द्वारा किया गया।

नियमित टीकाकरण किया

कोटपूतली। खण्ड कोटपूतली के विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों पर गुरूवार को नियमित टीकाकरण का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा बच्चों व गर्भवती महिलाओं का नियमानुसार टीकाकरण किया गया। इस मौके पर बीसीएमओ डॉ. पूरण चंद गुर्जर ने स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि टीकाकरण कार्य बेहद जिम्मेदारी के साथ सम्पादित किया जायें। इसमें किसी भी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरती जायें। उन्होंने नियमानुसार टीकाकरण करने, सभी टीके समय पर लगाने, टीकों की ऑनलाईन यूविन व पीसीटीएस पोर्टल पर शत-प्रतिशत एन्ट्री करने, साथ ही आरसीएच रजिस्टर में टीकों को इन्द्राज करने, एईएफआई किट, बायोवेस्ट मैनेजमेंट समेत अन्य सभी प्रकार की सावधानी बरतने के निर्देश दिये। बीसीएमओ डॉ. पूरण चन्द गुर्जर ने आमजन को टीकाकरण के प्रति जागरूक करते हुये कहा कि नियमित टीकाकरण से बच्चों में विभिन्न रोगों की रोकथाम की जा सकती है। सभी टीके समय पर लगवाने चाहिये। पोलियो राउण्ड के समय दी गई पोलियो की खुराक बच्चे को केवल पोलियो से सुरक्षित करती है, जबकि नियमित टीकाकरण के दौरान दिए गए अन्य टीके उसे टी.बी., डिप्थीरिया, काली खांसी, टिटेनस, हेपेटाइटिस-बी, हिब, खसरा एवं पोलियो आदि रोगों से सुरक्षा प्रदान करते हैं।

हैंडबॉल प्रतियोगिता शुरु

पावटा। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय पावटा में तीन दिवसीय हैंडबॉल प्रतियोगिता का गुरुवार को प्रात 10 बजे शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी पावटा कपिल कुमार उपाध्याय ने सरस्वती मां के सामने दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का आरंभ किया। छात्रों को संबोधित करते हुए उपाध्याय ने इस तरह के आयोजन के लिए नवोदय विद्यालय परिवार को धन्यवाद दिया। साथ ही बच्चों के उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने अपने संबोधन में बताया कि दिल्ली, हरियाणा, और राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए खिलाड़ियों का पावटा की इस पावन धरती पर भगवान इन्द्र ने बारिश करके अभिनंदन किया है। इस दौरान उपखण्ड अधिकारी उपाध्याय ने सभी खिलाड़ियों को खेल को खेल की भावना से खेलने का आठाह किया। प्रभारी प्राचार्य सुभाष चंद ने तीन दिन में होने वाली खेल प्रतियोगिता की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी के आगमन हेतु आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में श्री केशव देव मीणा, मोहम्द आरिफ़ खान, बलवान सिंह, राजकुमार मीणा, कृष्ण सिन्धु, अरुण शर्मा, दुष्यंत यादव,भगवान् दास, विनोद कुमारी, मोनिका यादव, ममता, सुनिता यादव, आदि उपस्थित रहे।

दक्षिण अफ्रीका के लिए खेलने जैसा कुछ नहीं है। इन दिग्गजों के समूह के साथ, उन प्रशंसकों के सामने, जिन्होंने हमेशा हमारा समर्थन किया है, वापस आना वाकई खास है। डब्ल्यूसीएल क्रिकेट की भावना का उत्सव है।

- एबी डीविलियर्स

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज, चार साल बाद वापसी को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — डी गुकेश

वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश लास वेगास में हो रहे 16 खिलाड़ियों के फ्रीस्टाइल शतरंज टूर्नामेंट में मौजूद नहीं हैं। इस समय भारत की अगुवाई आर प्रज्ञानंद कर रहे हैं, उन्हें मैग्नस कार्लसन के साथ एक ही ग्रुप में रखा गया है। इसके विपरीत, अर्जुन एरिगैसी और विदित गुजराती को टूर्नामेंट के दूसरे ग्रुप में रखा गया है। वहीं, डी गुकेश इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। जिसकी वजह भी अब सामने आ गई है। दरअसल, क्लासिकल विश्व चैंपियन होने के कारण गुकेश को सभी ग्रैंड स्लैम टूर इवेंट में एंट्री मिल जाती है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट अगस्त 2021 में हुआ था, अब इंग्लैंड ने एक पारी और 76 रनों से बड़ी जीत दर्ज की थी।

आरसीए स्कोरर पद से भाटी को हटाया

जोधपुर जिला क्रिकेट संघ कोषाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भाटी को पद मुक्त करें : कुमावत

जयपुर, 17 जुलाई। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन एडहॉक कमेटी के कन्वीनर दीनदयाल कुमावत ने बताया कि जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भाटी को आरसीए स्कोरर पद से हटा दिया गया है। इसके अलावा जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के सचिव को भी कहा गया है कि भूपेंद्र सिंह भाटी की जांच करके उन्हें पद मुक्त किया जाए। कुमावत ने कहा कि जोधपुर जिला क्रिकेट संघ की ओर से भूपेंद्र सिंह भाटी को नोटिस भेजा गया है। जिसका 10 15 दिनों में, जितना वक्त संघ ने दिया है उसके बाद यदि कोई कार्यवाही नहीं होती है तो आरसीए एडहॉक कमेटी भूपेंद्र सिंह भाटी पर कार्यवाही करेगी। कुमावत ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा कि चाहे भूपेंद्र सिंह भाटी राजस्थान रॉयल्स का हो या फिर किसी ओर जगह का या कितने ही बड़े आदमी हो, भ्रष्टाचार तो किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भूपेंद्र सिंह भाटी कोई सिक्योरिटी में ही नहीं था, वो तो सिर्फ इवेंट मैनेजमेंट का एक हिस्सा था।

-राजस्थान रॉयल्स, उपाध्यक्ष राजीव खन्ना

क्या है पूरा मामला

तीन माह पहले जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष बने भूपेंद्रसिंह भाटी भी जुआरियों में शामिल थे। एसीपी आनंदसिंह राजपुरोहित के अनुसार पुलिस को पूछताछ में भूपेंद्र सिंह ने बताया था कि वे वर्तमान में डीसीए जोधपुर के कोषाध्यक्ष पद पर हैं। इसके अलावा ऑफिशियल स्कोरर ऑफ बीसीसीआई एंड आरसीए भी हैं। भूपेंद्र सिंह राजस्थान रॉयल्स से भी जुड़े रहे हैं। गत वर्ष अगस्त में आरसीए द्वारा आयोजित तीन दिवसीय पिच क्यूरेटर की सेमिनार में जोधपुर जिले का प्रतिनिधित्व किया। इससे पहले बीसीसीआई के स्कोरर भी बने। गंभीर बात यह है कि लंबी जद्दोजहद के बाद डीसीए की जो भारी भरकम टीम बनी, उसमें कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी भूपेंद्रसिंह को दी गई। ऐसे में कोषाध्यक्ष के पद पर रहते हुए इनके कार्यकाल में हुए चयन ट्रायल और स्कोरिंग को लेकर भी सवाल उठने

लगे हैं। बोरानाडा थाना पुलिस ने गत शनिवार रात को एक फार्म हाउस पर छापा मारकर जुआ और सट्टा खेल रहे 50 जुआरियों सहित 52 लोगों को गिरफ्तार किया था। 27 पुलिसकर्मियों की टीम ने कार्रवाई में जुआ खेलते हुए जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष भूपेंद्रसिंह भाटी भी गिरफ्तार हुए। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि गंगाणा झंवर रोड स्थित अयोध्या फार्म हाउस में बड़ी संख्या में लोग जुआ और सट्टा खेल रहे हैं। वहां शराब और हुक्का भी परोसा जा रहा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और फार्म हाउस को चारों ओर से घेर लिया। मौके पर 50 जुआरी तीन पत्ती और कॉइन के जरिए जुआ व सट्टा लगा रहे थे। पुलिस ने सभी जुआरियों की तलाशी ली तो उनके पास से 5 लाख 69 हजार नकद, जुआ-सट्टा के लिए प्रयोग में ली जाने वाली 5 लाख रुपए से अधिक के कॉइन्स, ताश के पत्ते, हुक्का व फ्लेवर, मोबाइल, स्मार्ट वॉच, 23 लग्जरी कारें और बीयर की बोतलें बरामद हुईं। पुलिस ने धूम्रपान अधिनियम, जुआ एक्ट, आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। एसीपी आनंदसिंह राजपुरोहित ने बताया था कि कार्रवाई में जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह निवासी धांगड़वास भी पकड़े गए हैं।

आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग में बीसीसीआई व आरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र पर हुई महत्वपूर्ण चर्चा : कुमावत

जयपुर, 17 जुलाई। आरसीए ऑफिस, आरसीए अकादमी, सवाई मानसिंह स्टेडियम में आयोजित आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत, सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर, पिंकेश पोरवाल, आशीष तिवारी व मोहित यादव ने बीसीसीआई वआरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र, राष्ट्रिय व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के आयोजन स्थल (मैदान, आरसीए की पुरुष - महिला चयन कमेटियों के गठन सहित विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व खेल मंत्री राजवर्धन सिंह राठौड़ ने राजस्थान में क्रिकेट के विकास, युवा खिलाडियों को आवश्यक सुविधाओं सहित उच्च स्तरीय क्रिकेट गतिविधियों व प्रतियोगिताओं में अपना प्रदर्शन दिखाने, राज्य क्रिकेट को वापस पटरी पर लाने की जो जिम्मेदारी नव गठित आरसीए एडहॉक कमेटी को दी है उसे सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आरसीए एडहॉक कमेटी अथक प्रयास कर रही है।

मीटिंग में सभी सदस्यों ने अपने सुझाव रखे।संयोजक डी डी कुमावत ने बताया कि मीटिंग में राज्य में क्रिकेट गतिविधियों की समस्त रुपरेखा व आरसीए के घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 का क्रिकेट कैलेंडर को तैयार करने हेतु गठित राज्य के पूर्व पुरुष - महिला खिलाडियों (कमेटी) द्वारा दिए गए सुझावों को रखा गया व राज्य के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र की विभिन्न गतिविधियों को उनके सुझावों के अनुसार ही आयोजित किये जाने पर सकारात्मकचर्चा हुई।संयोजक ने ये भी बताया कि राज्य में विभिन्न राष्ट्रिय व राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु जयपुर सहित राज्य के अन्य जिलों में उच्च स्तरीय क्रिकेट ग्राउंड्स की उपलब्धता पर भी विशेष जोर रहा।

हमें नाथद्वारा के मिराज क्रिकेट स्टेडियम संचालकों से उनके स्टेडियम को आरसीए की प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु उपलब्ध करने का प्रस्ताव भी मिला है साथ ही जयपुर, जोधपुर का बरकतुल्लाह खान स्टेडियम, उदयपुर, व अन्य जिलों में भी हमारे पास विभिन्न उच्च स्तरीय क्रिकेट ग्राउंड्स उपलब्ध हैं जिन पर बीसीसीआई की राष्ट्रिय व राज्य की विभिन्न आयुवर्ग की पुरुष व महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा।राज्य में बारिश का दौर कमजोर पड़ने पर जल्द से जल्द सीनियर चैलेंजर ट्रॉफी के आयोजन से राज्य की घरेलू क्रिकेट सत्र को पटरी पर लाया जायेगा।

रसेल ने की अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा

किंग्स्टन, 17 जुलाई। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्र रसेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच आगामी पांच मैचों

की घरेलू टी20 सीरीज के शुरुआती दो मैच टीम के लिए उनके आखिरी मुकाबले होंगे। सेंतीस वर्षीय रसेल को पांच मैचों की सीरीज के लिए विंडीज की टीम में शामिल किया गया है। इस सीरीज के शुरुआती दो मैच जमैका के सबीना पार्क में खेले जाएंगे, जो इस ऑलराउंडर का घरेलू मैदान है। विंडीज क्रिकेट ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उनके संन्यास की खबर के बारे में जानकारी दी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 16 सदस्यीय वेस्टइंडीज टीम में शामिल आंद्रे रसेल 20 जुलाई से शुरू होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। पिछले साल के अंत में चोट के कारण वह इंग्लैंड के खिलाफ टीम का हिस्सा नहीं बन पाए थे। दो बार के विश्व चैंपियन और 2012 और 2016 में आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे जमैका के रसेल अपने आखिरी दो अंतरराष्ट्रीय मैच 20 और 22 जुलाई को अपने घरेलू मैदान सबीना पार्क में खेलेंगे। रसेल वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करने के लिए आभारी हैं और उन्होंने एक दशक से भी ज़्यादा समय तक मैरून जर्सी पहनने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने क्रिकेट वेस्टइंडीज से कहा, शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता कि इसका क्या मतलब था।

मैनचेस्टर में खत्म होगा भारत का 89 साल का इंतजार

मैनचेस्टर में पहली जीत की तलाश में उतरेगा भारत

मैनचेस्टर, 17 जुलाई। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम फिलहाल 1-2 से पीछे है। भारत और इंग्लैंड के बीच अब चौथा टेस्ट मैच 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। भारत का यहां रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। टीम इंडिया 1936 में पहला टेस्ट खेली थी जिसके बाद से उसे 89 साल से जीत का इंतजार है। शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम से केवल 1 खिलाड़ी को यहां खेलने का अनुभव है। जसप्रीत बुराह और केएल राहुल जैसे खिलाड़ियों को भी यहां खेलने का अनुभव नहीं है।

मैनचेस्टर में भारत के आखिरी शतक 1990 में लगा था। भारतीय टीम यहां 4 में से 2 मैच पारी से हारी है। 2 मैच 100 से ज्यादा रन से हारी है। भारत यहां अपना पिछला मैच 2014 में एमएस धोनी की कप्तानी में खेला था। उस टीम का केवल 1 खिलाड़ी वर्तमान टीम का हिस्सा है। वो और कई नहीं बल्कि रवींद्र जडेजा हैं।

मैनचेस्टर में 8 भारतीय बल्लेबाजों ने शतक लगाए हैं। 1936 में विजय मर्चेंट और सैयद मुश्ताक अली ने शतक जड़ा था। अब्बास अली बेग और पाली उमीरगर ने 1959 में शतक जड़ा था। 1974 में सुनील गावस्कर ने शतक जड़ा था। 1984 में संदीप पाटिल ने शतक जड़ा था। 1990 में मोहम्मद अजहरुद्दीन और सचिन तेंदुलकर ने सेंचुरी ठोकी थी।

मैनचेस्टर में भारत का प्रदर्शन

मैनचेस्टर में भारत और इंग्लैंड के बीच 1936, 1946, 1971, 1982 और 1990 में खेला गया मैच ड्रॉ रहा था। 1952 में पारी और 207 रन से हारका सामना करना पड़ा। 1959 में 171 रन से हार मिली। 1974 में 113 रन से हार मिली। 2014 में पारी और 54 रन से हार झेलनी पड़ी थी।

वहीं मैनचेस्टर के इस ग्राउंड में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट वीनू मांकड़ के नाम हैं। उन्होंने 2 मैच की 3 पारियों में 9 विकेट झटके थे। आबिद अली और लाला अमरनाथ ने 8-8 विकेट झटके। दिलीप दोशी और सुभाष गुप्ते ने 6-6 विकेट लिए। बिसन सिंह बेदी, नरेंद्र हिरवानी, मदल लाल और सुरेंद्रनाथ के नाम 5-5 विकेट हैं।

प्रज्ञानंद ने कार्लसन को दी मात, फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में बनाई बढ़त

नई दिल्ली, 17 जुलाई। शतरंज में भारतीय खिलाड़ी आए दिन नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। इसी कड़ी में भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने लास वेगास में फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर में दुनिया के नंबर-1 मैग्नस कार्लसन पर बेहतरीन जीत दर्ज की। 19 वर्षी प्रज्ञानंद ने पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन को महज 39 चालों में मात दी है।नॉर्वे के ग्रैंडमास्टर कार्लसन, जो हाल ही में भारत के मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश से लगातार हार चुके हैं, उन्हें एक और हार झेलनी पड़ी है। कार्लसन को 19 साल के आर प्रज्ञानंद ने टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज के चौथे राउंड में हरा दिया। इस टूर्नामेंट में हर खिलाड़ी को 10 मिनट का समय और हर चाल पर 10 सेकंड अतिरिक्त मिलते हैं। प्रज्ञानंद अब आठ खिलाड़ियों वाले ग्रुप व्हाइट में 4.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं। प्रज्ञानंद ने टूर्नामेंट की शुरुआत नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ काले मोहरों से ड्रॉ खेलकर की। इसके बाद उन्होंने असाउबायेवा को हराया। तीसरे राउंड में उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए कीमर को हराया और फिर चौथे राउंड में कार्लसन को चौंका दिया। हालांकि, कार्लसन पेरिस और कार्लजूए में फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीत चुके हैं। वह पूरे टूर में शीर्ष पर थे, लेकिन उन्हें अब लास वेगास में खिताबी दौड़ से बाहर होना पड़ा है। राउंड-रॉबिन चरण में उतार-चढ़ाव भले दिन के बाद कार्लसन अपने ग्रुप में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहे और प्लेऑफ में लेवोन अरोनियन से हारकर बाहर हो गए। अब वह निचले ब्रैकेट में पहुंच गए हैं, जहां तीसरे से ऊपर नहीं आ सकते। कार्लसन ने दो जीत के साथ शुरुआत की, लेकिन फिर उनकी परफॉर्मेंस गिर गई। प्रज्ञानंद और वेस्ली सो से हार और दो ड्रॉ के बाद, उन्हें अंतिम दौर में जीत की जरूरत था।

चौथा टेस्ट बेहद अहम है और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बुमराह खेले : दीप दास गुप्ता

नई दिल्ली, 17 जुलाई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर दीप दासगुप्ता ने महत्वपूर्ण चौथे टेस्ट के लिए भारत की प्लेइंग इलेवन में जसप्रीत बुमराह को शामिल करने के महत्व पर जोर दिया है। बुमराह सीरीज के दूसरे टेस्ट में नहीं खेले थे लेकिन तीसरे टेस्ट में उन्होंने वापसी की। सीरीज से पहले कहा गया था कि बुमराह के कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए वह सीरीज में तीन टेस्ट में खेलेंगे। भारत सीरीज में 1-2 से पीछे है। चौथा टेस्ट 23 जुलाई से मैनचेस्टर में शुरू होना है। जियो हॉटस्टार विशेषज्ञ दीपदास ने कहा, चौथे टेस्ट में जसप्रीत बुमराह, बिल्कुल। मैंने अफवाहें सुनी हैं कि उन्हें पहले, तीसरे और पांचवें टेस्ट में खेलाने की योजना थी। लेकिन चूंकि भारत 2-1 से पीछे है, इसलिए वापसी के लिए चौथा टेस्ट बेहद अहम हो जाता है। आप जरूर चाहेंगे कि दुनिया का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज खेले। और दोनों टेस्ट मैचों के बीच 8 दिनों का अंतर है। पांचवां टेस्ट तभी प्रासंगिक होगा जब चौथे टेस्ट में क्या होता है - और यह बाद में चिंता का विषय होगा। लेकिन चौथे टेस्ट की प्रासंगिकता बहुत ज्यादा है।

इंग्लैंड के खिलाफ चौथा टेस्ट खेलें कुलदीप यादव : कपिल देव

नई दिल्ली, 17 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट मैच 23 जुलाई से मैनचेस्टर में खेला जाएगा। फिलहाल पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में दो मैच गंवाकर टीम इंडिया 1-2 से पीछे है। अभी तक खेले गए तीनों मैच के दौरान कुलदीप यादव के चयन को लेकर काफी सवाल उठे हैं क्योंकि अभी तक उन्हें मौका नहीं मिला है। उनकी जगह स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा को मौका मिला है जो कि गेंद से कोई कमाल नहीं दिखा पाए हैं। वहीं कपिल देव ने कुलपीद यादव को लेकर उठ रहे सवाल पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व दिग्गज ने आगे कहा कि, इस समय कुलदीप बेहतरीन फॉर्म में है। वह वनडे वर्ल्ड कप में काफी खतरनाक गेंदबाज रहे थे। वनडे वर्ल्ड कप टूर्नामेंट में खतरनाक गेंदबाजी की। उसे सही समय पर न खिलाना भारत के लिए भारी पड़ा है। हाल के मैचों में गेंदबाजी नहीं बल्कि बल्लेबाज नाकाम रहे हैं। पूर्व कप्तान ने कहा कि, आप कुलदीप या बुमराह जैसे खिलाड़ियों से 100 रन की उम्मीद नहीं कर सकते। मैंने हाल ही में कुलदीप से बात की और उसे फिट रहने के लिए बताया और जब भी मौका मिले तो अच्छा प्रदर्शन करने के लिए कहा। हम सभी उम्मीद कर सकते हैं कि अंतिम निर्णय कोच और कप्तान को लेना है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि कुलदीप यादव मौजूदा समय में देश के सबसे अच्छे और सीनियर स्पिनर हैं।

शीर्ष क्रम को लेकर अभी भी 'अनिश्चितता' बरकरार : मैकडोनाल्ड

जमैका, 17 जुलाई। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड का मानना है कि कैरेबियाई दौरे पर टेस्ट श्रृंखला में वेस्टइंडीज का 3-0 से सफाया करने के बावजूद सलामी जोड़ी को लेकर अभी भी 'अनिश्चित' स्थिति बनी हुई है। ऑस्ट्रेलिया के दो सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और सैम कोंस्टास, उनके शीर्ष सात बल्लेबाजो में से थे जिन्होंने तीन टेस्ट मैचों के दौरान अर्धशतक नहीं लगाए। जहां हाल के दिनों में बल्लेबाजी के लिए सबसे कठिन परिस्थितियां पैदा हुईं, जहां दोनों टीमों का संयुक्त औसत (17.68) तीन या अधिक मैचों की किसी भी द्विपक्षीय श्रृंखला के इतिहास में चौथा सबसे कम था। ख्वाजा की सर्वश्रेष्ठ पारी 47 रन की थी। जबकि कोंस्टास का दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 25 रन का सर्वोच्च स्कोर था। मैकडोनाल्ड ने कहा कि उन्हें लगता है कि ख्वाजा घरेलू समर में इंग्लैंड के खिलाफ अहम भूमिका निभाएंगे, जबकि कोंस्टास के लिए, शेफील्ड शील्ड में न्यू साउथ वेल्स के लिए उनका प्रदर्शन टीम में अपनी जगह बनाए रखने के लिए बेहद अहम होगा। इससे मार्नस लाबुशेन, जिन्हें वेस्टइंडीज सीरीज के लिए टीम से बाहर रखा गया था, के साथ-साथ पूर्व टेस्ट सलामी बल्लेबाजों कैमरन बैनक्रॉफ्ट, मार्कस हैरिस और मैथ्यू रेनशॉ जैसे अन्य खिलाड़ियों के लिए घरेलू समर की शुरुआत में अपनी दावेदारी पेश करने का रास्ता खुल गया है। नाथन मैकस्वीनी और जेक वेदरल्ड, जिन्होंने डार्विन में श्रीलंका ए के साथ ऑस्ट्रेलिया ए के पहले चार दिवसीय मुकाबले में क्रमशः 94 और 54 रन बनाए थे, भी इस दौड़ में शामिल हो सकते हैं। जमैका में तीसरे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की 176 रनों की जीत के बाद मैकडोनाल्ड ने सेन रेडियो से कहा, मुझे लगता है कि सीजन की शुरुआत में शील्ड क्रिकेट के मामले में (कोंस्टास) बाकी सभी खिलाड़ियों की तरह ही होंगे। हम इस बात से पीछे नहीं हटेंगे कि कुछ खिलाड़ियों के लिए अपना काम जारी रखना, स्कोर बोर्ड पर रन लगाना और फिर इंग्लैंड के खिलाफ अपनी जरूरतों पर गौर करना बहुत बड़ी बात होगी। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि जिस तरह से यहां (वेस्टइंडीज के खिलाफ) प्रदर्शन हुआ है, उसे देखते हुए हम अभी भी शीर्ष क्रम में अपने संयोजन को लेकर थोड़े अनिश्चित हैं। शील्ड क्रिकेट, ऐसा लगता है कि यह पिछले साल की शुरुआत जैसा ही होगा जहां कुछ खिलाड़ियों पर नजर रखी जाएगी और उन मैचों में जो कुछ भी होगा उसका पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट से गहरा संबंध होगा।

भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड को चार विकेट से हराया

साउथैंप्टन, 17 जुलाई। दीप्ति शर्मा (नाबाद 62) और जेमिमाह रॉड्रिग्स (48) रनों की शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारतीय महिला टीम ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को 10 गेंदे शेष रहते चार विकेट से हरा दिया। इसी के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। दीप्ति शर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' के पुरस्कार से नवाजा गया। 259 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत के लिए प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़े। आठवें ओवर में लॉरेन बेल ने स्मृति मंधाना (28) को आउटकर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। 19वें ओवर में सोफी एकल्सटन ने प्रतिका रावल (36) को आउट कर भारत का दूसरा झटका दिया। हरलीन देओल (27) रनआउट हुई। जेमिमाह रॉड्रिग्स और दीप्ति शर्मा के बीच 90 रनों की साझेदारी हुई। कप्तान हरमनप्रीत कौर (17) रन बनाकर आउट हुई । 42वें ओवर में लॉरेन फाइलर ने जेमिमाह रॉड्रिग्स (48) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। ऋचा घोष (10) रन बाकर आउट हुई। भारत ने 48.2 ओवर में छह विकेट पर 262 रन बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। दीप्ति शर्मा ने 64 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के लगाते हुए (नाबाद 62) रनों की पारी खेली। अमनजोत कौर 20 रन बनाकर नाबाद रही। इंग्लैंड की ओर से शार्लेट डीन ने दो विकेट लिये। लॉरेन बेल, सोफी एकल्सटन और लॉरेन फाइनलर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले बुधवार रात खेले गये मुकाबले में इंग्लैंड की कप्तान नेट सायबर ब्रंट ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट 258 रनों का स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और उसने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकट महज 20 रन के स्कोर पर गवां दिये। एमी जोंस (एक) और टैमी बोमॉन्ट (पांच) को क्रांति गौड़ ने आउट किया। इसके बाद एमा लैंब और कप्तान नेट सायबर ब्रंट ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच 71 रनों की साझेदारी हुई।एमा लैंब (39) और नेट सायबर ब्रंट (41) को स्नेह राणा ने अपना शिकार बनाया। अब सोफिया डंकली और ऐलिस डेविडसन-रिचर्ड्स ने मोर्चा संभाला।

टी-20 सीरीज के लिए ज्वेल एंड्रयू और जेडिया बेल्ड्स वेस्टइंडीज टीम में

जमैका, 17 जुलाई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 20 जुलाई से शुरु होने वाली पांच टी-20 मैचों की सीरीज के लिए वेस्टइंडीज ने 16 सदस्यीय टीम में ज्वेल एंड्रयू और जेडिया ब्लेड्स को शामिल किया है। चयनकर्ताओं ने स्पिनरों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन से प्रभावित करने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ज्वेल एंड्रयू को टी-20 टीम में जगह दी हैं। वहीं 2024 में एकदिवसीय में पर्दापण करने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेडिया ब्लेड्स ने पावरप्ले गेंदबाजी में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था।

टीम की कमान शाई होप के हाथ होगी, जिसमें जेसन होल्डर, अकील होसेन और रोवमैन पॉवेल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। आंद्रे रसेल, जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले हैं, पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों का हिस्सा होंगे।

टीम चयन को लेकर मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा, हमारे लक्ष्य और रणनीतिक योजनाएं 2026 में टी-20 विश्व कप जीतने के लिए हैं। पिछली श्रृंखलाओं से हमारी टीम में निरंतरता है और एक टीम के रूप में हम विश्वकप से पहले अपनी शैली और ब्रांड को और बेहतर बनाते रहेंगे।

भारत की अंडर-20 महिला टीम ने मैत्री मैच में उज्बेकिस्तान को 4-1 से हराया

ताशकंद, 17 जुलाई। भारत की अंडर-20 महिला राष्ट्रीय टीम ने अपने दूसरे मैत्री मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 4-1 से हरा दिया। डोस्टलिक स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में हाफ टाइम तक दोनों टीमें 1-1 गोल से बराबरी पर थीं। भारत के लिए सिबानी देवी नोंग्मीकापम ने (28वें, 85वें) मिनट में दो गोल दागे, और सुलांजना राउल ने (65वें) और नेहा ने (71वें) मिनट में एक-एक गोल किये। बुधवार को उज्बेकिस्तान के लिए एकमात्र गोल शखनोजा डेकनबायेवा (37वें) ने किया।

पहले मैत्री मैच वाली टीम में उज्बेकिस्तान ने चार बदलाव किए। जबकि भारतीय अंडर-20 टीम के कोच जोआकिम एलेक्जेंडरसन ने दो बदलाव किए। डिफेंस में निशिमा कुमारी की जगह जूही सिंह, ल्हिंगदेइकिम की जगह एरीना देवी नामीराकपम ने मिडफील्ड संभाला।

सिबानी ने 28वें मिनट में नेहा के क्रॉस को अपने पैर से गोल में बदल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। भारतीय टीम का यह जश्न केवल नौ मिनट तक ही चला। उज्बेकिस्तान की डेकनबायेवा ने हाफ-टाइम से पहले मेजबान टीम के लिए गोलकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। भारत ने 71वें मिनट में सुलंजना ने उज्बेकिस्तान की गोलकीपर एजोजा सेविनोवा को छका कर गोल दाग दिया। इसके बाद सिबानी ने गोलकर भारत की जीत पक्की कर दी।

प्रो. लीग में खराब प्रदर्शन भारतीय टीम के लिए एक चेतावनी : पीआर श्रीजेश

नई दिल्ली, 17 जुलाई। भारत के पूर्व महान हॉकी खिलाड़ी पीआर श्रीजेश का मानना है कि एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में भारतीय टीम का खराब प्रदर्शन अगस्त में होने वाले एशिया कप से पहले एक चेतावनी है। कल शाम 20वें वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन के उद्घाटन समारोह में पत्रकारों से बातचीत में श्रीजेश ने कहा, मुझे लगता है कि टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया, हमने कई मौके बनाए, हमने मैदान पर कड़ी टक्कर दी, लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि परिणाम हमारे खिलाफ जाता है। यह परिणाम एशिया कप और अगले साल होने वाले विश्वकप और एशियाई खेलों जैसे अन्य महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले हमारे लिए एक चेतावनी है।

भारत एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण में लगातार सात हार के बाद अंक तालिका में आठवें स्थान पर रहा था। एशिया कप 2025 राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। हॉकी विश्वकप 2026 बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में 14 से 30 अगस्त तक खेला जायेगा।

भारतीय टीम की कोच मनीषा राठौड़, ममता एवं मुस्कान भारतीय हैंडबॉल टीम में

जयपुर, 17 जुलाई। जियांग्शेन (चीन) में 18 से 26 जुलाई तक होने वाली 11वी एशियाई यूथ महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप में भाग लेने के लिये भारतीय महिला हैंडबॉल टीम गुरुवार को चीन पहुँच गई। भारतीय हैंडबॉल टीम में राजस्थान की ममता एवं मुस्कान का चयन हुआ हैं। जबकि टीम की कोच प्रदेश की श्रीमती मनीषा राठौड़ को बनाया गया हैं। भारतीय महिला टीम का प्रशिक्षण शिविर 12 जून से 15 जुलाई तक साईं द्वारा साईं एक्सीलेंस सेंटर गांधीनगर (गुजरात) में लगा था। राजस्थान राज्य हैंडबॉल संघ के सचिव यश प्रताप सिंह ने बताया कि लेफ्ट बैक की पोजीशन पर

खेलने वाली सुश्री मुस्कान तथा पीवट पोजीशन पर खेलने वाली ममता राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद द्वारा जयपुर में संचालित महिला हैंडबॉल एकेडमी की खिलाड़ी है। वहीं टीम की कोच बनाई गई मनीषा राठौड़ राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् में हैंडबॉल प्रशिक्षक के पद पर कार्यरत है तथा इससे पहले वह भारतीय टीम की एशियन व वर्ल्ड चैंपियनशिप में प्रशिक्षक रह चुकी हैं। **भारतीय टीम:** कनिष्का (कप्तान), शिवानी, रिधिमा, गरिमा, नेहा, शिक्षा, मुस्कान (हिमाचल प्रदेश), ममता, मुस्कान (राजस्थान), नैना-उप कप्तान, कोमल, अनन्या, वैष्णवी सिंह (उत्तर प्रदेश), मनाली (गुजरात), काफ़ी (हरियाणा), अमृता, अदिति, साक्षी (साईं)। कोचः- सचिन चौधरी, मनीषा राठौड़, बिनोय, नवीन पूनिया। फिजियोः- मोनिका शर्मा।

34वीं राज्य स्तरीय राजीव गांधी क्रिकेट प्रतियोगिता 25 जुलाई से

जयपुर, 17 जुलाई। राजीव गांधी किकेट क्लब द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली राजीव गाँधी स्मृति किकेट प्रतियोगिता का 34वाँ संस्करण दिनांक 25 जुलाई 2025 से आयोजित किया जाऐगा। प्रतियोगिता नॉक आधार पर खेली जाऐगी। प्रतियोगिता के सभी मैच 50-50 ओवर के खेले जाऐगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रमुख टीमें इस प्रकार है।जयपुर ब्लूज, नीरजा मोदी एकेडमी, राजस्थान यूथ, जयपुर क्लब, जयपुरिया एकेडमी, राजीव गांधी एकेडमी, संस्कार एकेडमी, अरावली क्लब, नैना एकेडमी, कैण्डलविक एकेडमी। टीम की प्रविष्ठि के लिए कन्वीनर रोशन कटारिया से मोबाईल न.9887999191पर सम्पर्क कर सकते है।

19 जुलाई को खड़गे के आवास पर इंडिया गठबंधन की बैठक

नई दिल्ली, 17 जुलाई। विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक में सबकुछ ठीक नजर नहीं आ रहा है। 19 जुलाई की शाम को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर यह बैठक होनेवाली है। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक में आप और टीएमसी शामिल नहीं होगी। संसद के मानसून सत्र से पहले विपक्षी सासंद इस बैठक में अपनी रणनीति बनाएंगे।

पिछली इंडिया गठबंधन या इंडिया ब्लॉक की पिछली बैठक लोकसभा चुनाव के बाद 1 जून 2024 को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष

- सूत्रों ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस व आम आदमी पार्टी ने बैठक में शामिल होने से मना कर दिया है।

मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई थी। इसके बाद इंडिया ब्लॉक की कोई बैठक नहीं हुई है। हालांकि इंडिया ब्लॉक के संसद में फ्लोर लीडर्स की बैठक जून 2025 में हुई थी, जब इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने एक साझा खत लिखकर ऑपरेशन सिंदूर और सीजफायर पर अमेरिका की मध्यस्थता को लेकर विशेष संसद सत्र बुलाने की मांग की थी।

सूत्रों के मुताबिक, टीएमसी नेता 21 जुलाई को होने वाले शहीद दिवस कार्यक्रम की तैयारियों में व्यस्त होने की वजह से इस बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे। सूत्रों के मुताबिक, आम आदमी पार्टी भी इस बैठक में शामिल नहीं होगी।

संसद के मानसून सत्र में 8 नए विधेयक लाएगी सरकार

इसी के साथ 7 लंबित विधेयकों पर भी विचार विमर्श की संभावना है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- संसद का मानसून 21 जुलाई से शुरू होगा और 21 अगस्त तक चलेगा। इसमें कुल 21 बैठकें होंगी क्योंकि 12 से 18 अगस्त तक संसद में अवकाश रहेगा।

नई दिल्ली, 17 जुलाई। संसद का एक माह लंबा मॉनसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान कुल 21 बैठकें होंगी, हालांकि 12 अगस्त से 18 अगस्त तक कोई बैठक नहीं होगी। इस सत्र के लिए सात लंबित विधेयकों और आठ नए विधेयकों को विचार के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

नए विधेयक हैं: जन विश्वास (संशोधन) विधेयक, 2025, जो व्यापार में सुगमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाया गया है। कराधान कानून (संशोधन) विधेयक, 2025; कुछ कर कानूनों में संशोधन हेतु। मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2025। राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, जो खेलों के विकास, खिलाड़ियों के कल्याण और खेलों में नैतिक आचरण को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है।

राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग (संशोधन) विधेयक, 2025, जो राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग अधिनियम, 2022 की परिभाषाओं और प्रावधानों को वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी कोड और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप लाने तथा राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग अपील पैनल की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया है।

इसके अलावा हैं, खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2025, जिसका उद्देश्य महत्वपूर्ण खनिजों की पुनर्प्राप्ति, गहरे खनिजों के लिए खनन पट्टों में सटे क्षेत्रों को शामिल करने, और राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण न्यास के दायरे को विस्तृत करना है। जियोहेरिटेज साइट्स और भू-अवशेष (संरक्षण और रखरखाव) विधेयक, 2025। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमैंट (संशोधन) विधेयक, 2025, जिसके तहत आईआईएम गुवाहाटी को भारतीय प्रबंध संस्थान अधिनियम, 2017 की अनुसूची में शामिल करना है।

लंबित विधेयकों में शामिल हैं: आयकर विधेयक, 2025; गोवा विधानसभा क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों का पुनर्समायोजन विधेयक, 2024; भारतीय बंदरगाह विधेयक, 2025; व्यापारी पोत विधेयक, 2024; कोस्टल शिपिंग विधेयक, 2024; समुद्र के माध्यम से वस्तुओं का परिवहन विधेयक, 2024; बिल ऑफ लाडिंग विधेयक, 2024।

'किस कानून के तहत जज पर मुकदमा हो सकता है?'

नयी दिल्ली,17 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीशों के खिलाफ उनके न्यायिक निर्णयों के लिए प्राथमिकी दर्ज करने की मांग वाली याचिका पर गुरुवार को सवाल किया कि ऐसा किस कानून के तहत किया जा सकता है। इसके साथ ही,न्यायालय ने इस पर सलाह देने के लिए न्यायमित्र नियुक्त किया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की खंडपीठ ने याचिका की सुनवाई की योग्यता पर सवाल उठाया और याचिकाकर्ता के वकील से पूछा कि किस कानून के तहत

- सुप्रीम कोर्ट ने जजों के फैसले के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सवाल किया।

न्यायाधीशों पर निर्णय देने के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है।

न्यायालय ने कहा, हमें बताइए कि आपके खिलाफ निर्णय देने के लिए न्यायाधीशों पर किस कानून के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है, सिर्फ इसलिए कि अवैध या विकृत याचिकाएं दायर की जा रही हैं। आप न्यायाधीशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग नहीं कर सकते। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि उनके मुवक्किल ने एक परीक्षा में टॉप किया था, लेकिन विभिन्न उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों ने उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया।

मांगलियावास के पास सड़क दुर्घटना में चार युवकों की मौत

रात दो बजे कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर रॉन्ग साइड पर क्षतिग्रस्त हो गई

- कार में सवार 5 युवक सांवरिया सेठ होते हुए देवमाल्या जोधपुरिया देव के दर्शन के लिए जा रहे थे, जब यह दुर्घटना घटी। चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई तथा पांचवें युवक की हालत चिकित्सालय में गम्भीर बनी हुई है।

अजमेर, 17 जुलाई (कासं)। अजमेर संभाग के ब्यावर जिले में अजमेर-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 पर देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसे में मौके पर चार युवकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, मांगलियावास थाना क्षेत्र के लामाना कट के पास रात सवा दो बजे डीडवाना (चौसला गांव) की एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर रॉन्ग साइड में जाकर पलट हो गई। कार में पांच लोग सवार थे। हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

ग्राम पंचायत चौसला के सरपंच प्रतिनिधि अशोक शर्मा ने बताया कि सभी युवक रात में सांवरिया सेठ होते हुए, देवमाल्या जोधपुरिया देव के दर्शन करने जा रहे थे। मांगलियावास थाना क्षेत्र के लामाना कट के पास रात 2.15 बजे डीडवाना (चौसला गांव) की एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर रॉन्ग साइड में जाकर क्षतिग्रस्त हो गई। कार में सवार चार युवकों में सूरज पुत्र मोहनलाल, बजरंगलाल पुत्र रामलाल, प्रेमचंद पुत्र बोदूराम प्रजापत और कमलेश पुत्र भंवरलाल यादव की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक युवक विमलेश पुत्र कैलाश गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को 108 एम्बुलेंस की मदद से जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय लाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। हादसे की खबर मिलते ही मांगलियावास थाने के एएसआई हुकुम सिंह जाप्ते सहित पहुंचे और क्रेन व गैस-कटर की मदद से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई कार से क्षत-विक्षत शव निकाले।

अतिरिक्त जिला कलेक्टर (शहर) गजेन्द्र सिंह भी जेएलएन अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मोर्चरी में मौजूद परिजनों से संवेदना जताई और मामले की जानकारी ली। पुलिस द्वारा सूचना मिलने के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। आधी-रात को ही परिजन अजमेर के लिए रवाना हो गए। सरपंच प्रतिनिधि शर्मा ने बताया कि वे पुलिस की सूचना पर परिजन के साथ अस्पताल पहुंचे। मृतक चौसला गांव के रहने वाले थे। मृतक प्रेमचंद की पत्नी की एक साल पहले प्रसव के दौरान मौत हो गई थी। मृतक बजरंग ट्रैक्टर चलाकर परिवार का भरण पोषण कर रहा था। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

मांगलियावास थाने के एएसआई हुकम सिंह ने बताया कि वे पुलिस दल के साथ रात्रि गश्त पर थे। पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि लमाना कट के पास हादसा हुआ है। वे मौके पर पहुंचे। सिंह ने बताया कि हादसा सड़क के विपरीत दिशा में हुआ है, यह पता लगाने का प्रयास कि जा रहा है कि कट के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से हादसा हुआ या फिर कार तेज रफ्तार के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुई। पुलिस ने बताया कि तीन युवकों की मौके पर मौत हो गई जबकि एक ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

लगातार बारिश से झालावाड़ के कई इलाके जलमग्न

पानी की निकासी के लिए भीम सांगर बांध तथा कालीसिंध बांध के गेट खोले

- गेहूँखेड़ी व अकलेरा के बीच स्थित खाल में जलस्तर बढ़ने से मार्ग अवरूद्ध हो गया। ग्रामीणों को जान जोखिम में डालकर रास्ता पार करना पड़ा। यह इस क्षेत्र की बरसों पुरानी समस्या है जिस पर आज तक किसी ने ध्यान नहीं दिया।

कोटा, 17 जुलाई (निसं)। झालावाड़ जिले में गुरुवार सुबह पौने छह बजे से शुरू हुई बारिश दोपहर तक जारी रही। लगातार बारिश के चलते झालावाड़ के कई इलाके जलमग्न हो गये और कई बांध ओवरफ्लो हो गये और रास्ते भी अवरुद्ध हो गये। ओवरफ्लो के कारण भीमसागर बांध और कालीसिंध बांध के गेट खोले गए। जिले में सुबह आठ बजे तक कुल 279 एमएम बारिश दर्ज की गई।

बारिश के कारण भीमसागर बांध के 4 गेट खोलकर पानी की निकासी की गई। साथ ही, कालीसिंध बांध का एक गेट खोलकर पानी छोड़ा गया। सुरक्षा की दृष्टि से, भीमसागर डैम का गेट खोलने से पहले सायरन बजाकर लोगों को चेतावनी दी गई। प्रशासन ने नागरिकों को नदी के किनारे न जाने की हिदायत दी। जिले के सभी जलाशयों में पानी की आवक जारी है। अकलेरा इलाके में गेहुंखेड़ी और अकलेरा के बीच में स्थित खाल में जलस्तर बढ़ने से मार्ग अवरुद्ध हो गया। सुबह से ही इस खाल में पानी की आवक हो रही है, पर लोग अपने कामकाज के लिए जान जोखिम में डालकर निकलते रहे। ग्रामीणों ने बताया कि यह समस्या बरसों पुरानी है, लेकिन इस और कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इस समस्या से विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों को समय-समय पर अवगत करवाया गया, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में ग्रामीणों को अकलेरा या झालावाड़ जाने के लिए विकल्प के रूप में बारिश के दौरान लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है।

प्रतिदिन बड़ी संख्या में राजकीय कर्मचारी, स्टूडेंट और ग्रामीण अपने कामकाज को लेकर आते- जाते हैं।

निचली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अध्यक्ष नरेन्द्र यादव ने कहा कि गुरुवार को सभी जिला अध्यक्षों की आपात बैठक बुलाई ग, जिसमें तय किया गया कि शुक्रवार से सभी कर्मचारी अवकाश पर रहेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने अन्य विभागों में कैडर पुनर्गठन कर दिया है, लेकिन हाईकोर्ट की फुल बैंच के निर्णय के बाद भी राज्य सरकार मनमानी कर रही है। गत चार दिनों से प्रदेशाध्यक्ष सहित, अन्य पदाधिकारी अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं, लेकिन राज्य सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

इसलिए प्रदेश की समस्त अधीनस्थ अदालतों में कर्मचारी सामूहिक अवकाश पर रहेंगे। इनमें अदालतों के साथ-साथ, जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के सदस्य भी शामिल हैं। प्रदेश स्तर पर सामूहिक अवकाश का निर्णय होने का असर प्रदेश की न्यायपालिका पर पड़ेगा। बताया जा रहा है कि राजस्थान की अधीनस्थ न्यायपालिका में करीब 21 हजार से अधिक कर्मचारी हैं।

'भारत वहीं से ऑयल खरीदेगा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हम घटनाक्रमों पर बारीक नजर रखे हुए हैं।

प्रस्तावित 'द्वितीयक प्रतिबंध' भारत के उन परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात को प्रभावित करेंगे, जो रूसी कच्चे तेल से बनते हैं और जिन पर अतिरिक्त शुल्क लगेगा।

मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा था कि यदि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति समझौते पर सहमत नहीं होते हैं, तो 50 दिनों के अंदर रूसी तेल पर नए प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने ट्रंप की बात को दोहराते हुए ब्राज़ील, चीन और भारत को चेतावनी दी कि अगर ये देश रूस के साथ व्यापार जारी रखते हैं तो इन पर बहुत कठोर द्वितीयक प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

भारत रूसी कच्चे तेल का एक बड़ा आयातक है, जिसकी कीमत प्रति बैरल 60 डॉलर निर्धारित है। यह कीमत वर्तमान अंतरराष्ट्रीय दरों से काफी कम है। भारत रूस से फिलहाल 2.08 मिलियन बैरल प्रतिदिन आयात कर रहा है, जो भारतीय कुल तेल आयात का लगभग 42 प्रतिशत है।

रूस से हो रहे कुल आयात का आधे से ज्यादा भारत की तीन रिफाइनरियों द्वारा किया जाता है, जो बाद में परिष्कृत उत्पाद जी 7 देशों को निर्यात करती हैं।

जब अतिरिक्त शुल्क लगेंगे, तो भारत से परिष्कृत उत्पादों का निर्यात बाज़ार में महंगा हो जाएगा। ट्रंप ने रूसी मूल के उत्पादों, जिसमें तेल भी शामिल है, पर लगभग 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ की चेतावनी दी है।

भारतीय सूत्र नाटो महासचिव के बयान से हैरान हैं, क्योंकि यूरोपीय संघ, जिसमें नाटो के घटक देश शामिल हैं, ने 2027 तक रूसी गैस का आयात जारी रखने की योजना बनाई है। एक अधिकारी ने कहा, यह दोहरी बात है तो क्या यूरोप को भी ये अतिरिक्त शुल्क झेलने होंगे?

रुटे ने यह बयान अमेरिकी कांग्रेस में सीनेटरों से मुलाकात के दौरान दिया था। इससे एक दिन पहले ट्रंप ने यूक्रेन के लिए नए हथियारों की घोषणा की थी, और 50 दिन में कोई शांति समझौता नहीं होने की स्थिति में, रूसी निर्यात के खरीदारों पर 100 प्रतिशत चुभते हुए द्वितीयक शुल्क लगाने की धमकी दी थी।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद से भारत रूसी कच्चे तेल का एक बड़ा खरीदार बन गया है और निरन्तर रणनीतिक स्वायत्तता की नीति अपनाए हुए है। भारत की यह दृढ़ मान्यता है कि जब तक किसी देश पर पर सीधे प्रतिबंध नहीं हैं, तब तक उसे (भारत) यह अधिकार है कि वह वहां से तेल खरीद सकता है, जहां से उसे सबसे अच्छा सौदा मिले।

विशेषज्ञों का कहना है कि ध्यान देने योग्य बात यह है कि नई दिल्ली अमेरिका की धमकियों और उकसावे पर प्रतिक्रिया न देते हुए बेहद सतर्क रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि भारत का यह संतुलित रुख संभवत: ट्रंप को खुश रखने के लिए है, ताकि उसे अमेरिका से बेहतर व्यापार समझौते का लाभ मिल सके।

अमेरिका की भारत पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में रखकर उठाया जा रहा है, जो रूस के प्रमुख तेल खरीदार हैं और जिनकी वजह से रूसी अर्थव्यवस्था युद्ध जारी रखने लायक बनी हुई है।

ये देश हैं भारत और चीन। ये दोनों रूस से सबसे अधिक तेल खरीदते हैं। अगर उन्हें यह खरीद बंद करनी पड़ी तो उन पर भारी असर पड़ेगा। भारत की कुल तेल जरूरत का 40 प्रतिशत और चीन 20 प्रतिशत रुस से खरीदता है और अचानक बदलाव करना इन दोनों के लिए बहुत महंगा साबित हो सकता है।

लेकिन, अमेरिका के इस कदम से भारत की वैश्विक कूटनीति और आर्थिक स्थिति में एक अलग प्रभाव देखने को मिल रहा है।

अब बड़े पैमाने पर यह मानी जाने लगी है कि भारत एक महत्वपूर्ण वैश्विक अर्थव्यवस्था है और उसकी कूटनीतिक ताकत को पहले कम आंका जाता था। अब तक कुछ ही देश मानते थे कि भारत ऐसे वैश्विक भू-राजनीतिक मुद्दों को प्रभावित करने की ताकत रखता है।

लेकिन अब वैश्विक मीडिया में भारत को चीन के बराबर माना जा रहा है, जो रूस पर युद्ध रोकने के लिए दबाव बना सकते हैं। साथ ही, भारत को एक बड़ा बाज़ार भी माना जा रहा है, जो अमेरिकी कदमों से प्रभावित हो सकता है।

नाटो के महासचिव और नीदरलैंड्स के पूर्व प्रधानमंत्री मार्क रुटे ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि वे भारत और चीन से अपील कर रहे हैं कि वे फोन उठाएँ और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से युद्ध रोकने के लिए कहें।

लेकिन भारत और चीन दोनों की स्थिति एक जैसी है। दोनों के रूस के साथ लंबे समय से मजबूत राजनयिक संबंध हैं। साथ ही, वे रूसी तेल पर अलग-अलग स्तर पर बहुत ज़्यादा निर्भर हो गए हैं। इतनी जल्दी और बड़ी मात्रा में तेल की आपूर्ति के विकल्प तैयार करना बहुत मुश्किल होगा।

'मुख्यमंत्री के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समितियों और पैक्स को सशक्त बना रही है। आज प्रदेश में 41 हजार से अधिक सहकारी समितियां हैं, जिनसे 1 करोड़ 10 लाख से अधिक लोग जुड़े हैं। अब तक 976 नए एम-पैक्स का गठन किया जा चुका है। दो वर्षों में शेष सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सेवा सहकारी समितियों का गठन कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नया को-ऑपरेटिव कोड लाने की दिशा में कार्य कर रही है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने विश्व की वृहत अन्न भण्डारण योजना के तहत निर्मित 24 गोदामों तथा 64 मिलेट्स आउटलेट्स का वर्चुअल लोकार्पण एवं श्वेत क्रांति 2.0 पीडीसीएस ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्लेटफॉर्म की लॉन्चिंग भी की। गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत, 1400 लाभार्थियों को लगभग 12 करोड़ रूपये का ऋण और दुग्ध उत्पादक सहकारी समितियों को 2346 माइक्रो एटीएम का वितरण किया। शाह ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सांकेतिक रूप से चैक व प्रमाण-पत्र तथा युवाओं को नियुक्ति पत्र भी सौंपे। कार्यक्रम से जुड़े जिला स्तरीय रोजगार उत्सव में 8 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। शाह ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े की सफलता पर आधारित लक्ष्य-पथ-प्रण-अन्त्योदय पुस्तक का विमोचन भी किया। इससे पहले शाह ने 100 नए पुलिस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और सहकारिता विभाग की उपलब्धियों पर आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

अमरनाथ यात्रा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समय, बालटाल मार्ग पर भारी बारिश के चलते अचानक भूस्खलन हो गया। इस हादसे में सोना देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के तुरंत बाद उन्हें बालटाल आधार शिविर के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि मौसम की स्थिति को देखते हुए शुक्रवार को अमरनाथ यात्रा पर निर्णय लिया जाएगा। बताया जाता है कि अब तक 2.47 लाख तीर्थयात्री पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं।

'सुपर स्वच्छ लीग शहरों में इंदौर फिर टॉप पर

नयी दिल्ली, 17 जुलाई। इंदौर को लगातार आठवीं बार देश का सबसे स्वच्छ शहर चुना गया है। दस लाख से अधिक जनसंख्या वाले 'सुपर स्वच्छ लीग शहरों' में इस बार इंदौर को पहला स्थान मिला, जबकि सूरत दूसरे स्थान पर रहा। दस लाख से अधिक जनसंख्या वाले 'स्वच्छ शहर' में पहले स्थान पर अहमदाबाद, दूसरे स्थान पर भोपाल और तीसरे स्थान पर लखनऊ रहा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को यहां स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह 2024-25 में 23 सुपर स्वच्छ लीग शहरों और पंद्रह स्वच्छ शहरों के प्रतिनिधियों को पुरस्कार से सम्मानित किया। दस लाख जनसंख्या वाले स्वच्छ शहरों में पहला पुरस्कार इंदौर को, जबकि दूसरा, सूरत तीसरा नवी मुंबई को दिया गया।

24 घंटे में दूसरी बार उद्धव और फड़नवीस की मुलाकात

एक के बाद एक हुई दो मुलाकातों से महाराष्ट्र की राजनीति में अटकलों का बाज़ार गर्मा गया है

- गुरुवार को विधान परिषद के सभापति राम शिंदे के कार्यालय में दोनों नेता मिले। इस दौरान आदित्य ठाकरे भी मौजूद थे।
- इन मुलाकातों को बुधवार को देवेन्द्र फड़नवीस द्वारा उद्धव को साथ आने के ऑफर से जोड़कर देखा जा रहा है।

पुणे, 17 जुलाई। महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर करवट लेती दिख रही है। बुधवार को विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को अप्रत्यक्ष रूप से सत्ताधारी पक्ष में शामिल होने का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद दोनों नेता एक-दूसरे से मिलते नजर आए थे। वहीं, ठीक एक दिन बाद गुरुवार को दोनों नेताओं की मुलाकात विधान परिषद के सभापति राम शिंदे के कार्यालय में हुई। यह बैठक करीब 20 मिनट तक चली। इस बैठक में आदित्य ठाकरे भी मौजूद थे। इन दो मुलाकातों ने राजनीतिक गलियारों में नई संभावनाओं को जन्म दिया है।

इस मुलाकात पर शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि आज हमने मुख्यमंत्री को एक संकलन दिया है, जिसमें लिखा है कि पहली कक्षा से तीन-भाषा नीति क्यों नहीं होनी चाहिए।

बता दें कि बुधवार को विधानसभा में फड़नवीस ने साफ कहा था कि भारतीय जनता पार्टी 2029 तक विपक्ष में जाने वाली नहीं है। उन्होंने उद्धव ठाकरे को इशारों में संदेश दिया था कि वह चाहें तो किसी अलग रास्ते से सत्तापक्ष में आ सकते हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब उद्धव ठाकरे लगातार गठबंधन सरकार की तीन-भाषा नीति को लेकर आलोचना कर रहे हैं।

शिवसेना और भाजपा ने 25 साल तक साथ मिलकर महाराष्ट्र में राजनीति की। लेकिन 2014 में सीटों के बंटवारे को लेकर दोनों में दरार आ गई। 2019 में उद्धव ठाकरे ने भाजपा से नाता तोड़कर कांग्रेस और एनसीपी के साथ मिलकर सरकार बनाई। लेकिन 2022 में एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद सरकार गिर गई और फडणवीस ने शिंदे के साथ मिलकर सत्ता संभाली।

हैल्थ इन्श्योरैंस पर लगे जी.एस.टी. में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पास स्वास्थ्य बीमा है और टर्म लाइफ बीमा की पहुँच 4 प्रतिशत से भी नीचे है, इतना ऊँचा टैक्स लोगों को बीमा लेने से हतोत्साहित करता है।

रिपोर्टों के अनुसार, जी.एस.टी. काउन्सिल 18 प्रतिशत जी.एस.टी. को घटाकर 5-12 प्रतिशत करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। कुछ विशिष्ट श्रेणियों में पूरी छूट देने की संभावना भी है। बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (इन्श्योरैंस रैग्युरेटरी एण्ड डवलपमैंट अथॉरिटी ऑफ इण्डिया) और बीमा पर गठित मंत्री समूह ने मिलकर एक साहसिक सुधार की सिफारिश की है: वरिष्ठ नागरिकों के लिए टर्म लाइफ और स्वास्थ्य बीमा पर शून्य जी.एस.टी. दर और 5 लाख तक की पॉलिसियों पर पूरा टैक्स माफ किया जाए।

अगर यह कदम स्वीकृत हो जाता है, तो 2047 तक "हर नागरिक के लिए बीमा" के लक्ष्य की दिशा में यह एक मजबूत कदम होगा। यह नीति निर्माताओं की इस सोच को भी दर्शाता है कि जीवन और स्वास्थ्य बीमा अब कोई विलासिता नहीं, बल्कि एक आवश्यक सुरक्षा उपकरण है, खासतौर पर उस दौर में, जब मेडिकल खर्च और जेब से होने वाले खर्च तेजी से बढ़ रहे हैं।

बीमा उद्योग के प्रमुख लोगों ने इस संभावित बदलाव का गर्मजोशी से स्वागत किया है। फिनकेडा के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर, मनीष कुमार गोयल ने इस प्रस्ताव को "गेम-चेंजर" बताया। उन्होंने कहा, "जी.एस.टी. को 18 प्रतिशत से घटाकर 5-12 प्रतिशत करना सीधे प्रीमियम की लागत को कम करेगा और बीमा को अधिक लोगों के लिए सुलभ बनाएगा। जब मेडिकल खर्च तेजी से बढ़ रहे हैं, तो हमें ऐसे संरचनात्मक बदलावों की ज़रूरत है, जो नए पॉलिसी खरीदारों को प्रोत्साहित करें।" इंश्योरेंस समाधान की सी.ओ.ओ. शिल्पा अरोड़ा ने भी सहमति जताते हुए कहा, "हेल्थ और टर्म बीमा पर लग्ज़री आइटम जैसा टैक्स नहीं लगना चाहिए। जी.एस.टी. से बीमा महँगा हो जाता है, जबकि पहले ही प्रीमियम बढ़ते जा रहे हैं। इसे हटाने या कम करने से बीमा अधिक भारतीयों के लिए एक व्यवहारिक विकल्प बन जाएगा।" बीमापे फिनश्योर के सी.ई.ओ. हनुत मेहता ने इस संभावित नीति बदलाव को "संरचनात्मक सहायक" कहा। उन्होंने कहा, "जी.एस.टी. में कमी न सिर्फ बीमा पॉलिसियों को सस्ता बनाएगी, बल्कि यह हेल्थकेयर फाइनेंसिंग के प्रति भारतीयों के नज़रिए को भी बदल सकती है, जिससे लोग अचानक खर्च करने के बजाय, स्वास्थ्य के लिए पहले से योजना बनाएंगे।

इसका असर सिर्फ व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहेगा। बीमा प्रीमियम पर जी.एस.टी. घटाने से नए और सस्ते प्रोडक्ट लॉन्च करने की राह खुलेगी, जिससे इनोवेशन और बाज़ार में गहरी पैठ बनेगी, खासतौर पर ग्रामीण इलाकों और टियर-2, टियर-3 शहरों में।

ऐसे समय में, जब चिकित्सा खर्च आम परिवारों के बजट पर दबाव डाल रहे हैं और भारत में बीमा लेने की दरें वैश्विक औसत से काफी पीछे हैं, तब जी.एस.टी. काउन्सिल का यह निर्णय एक बदलावकारी (ट्रांसफॉरमेटिव) सुधार साबित हो सकता है। करोड़ों भारतीयों के लिए यह एक सुरक्षित भविष्य की शुरुआत हो सकती है, जिसमें बीमा अब कोई विशेषाधिकार नहीं, बल्कि नीति द्वारा समर्थित अधिकार बन जाएगा।

महेश जोशी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की रिश्वत का आरोप लगा रही है, जबकि इसे लेकर ईडी के पास कोई साक्ष्य नहीं है और परिवादी यह राशि कहां से लाया, इसका भी उल्लेख नहीं है। इसके अलावा ईडी अपनी रिपोर्ट में जोशी के बेटे की फर्म में 50 लाख रुपए का लेनदेन बता रही है। यह राशि कंपनी ने लोन के तौर पर ली थी और उसे लौटाया भी जा चुका है। वहीं, इस राशि को लेकर सिविल केस भी लंबित चल रहा है। ऐसे में उसे जमानत का लाभ दिया जाए।

राहुल गांधी ने एक बार फिर पूर्व ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- पर क्या कुछ लोगों के हाथ, इतनी जिम्मेवारी सौंपना, अक्लमंदी का काम है, राजनीतिक पार्टी के लिए।

गांधी इन दोनों से बहुत प्रभावित हैं।

अब के. राजू को राहुल गांधी के इनर सर्कल और ऑफिस से बाहर कर दिया गया है और वे अब झारखंड ए आई सी सी के प्रभारी हैं, जबकि सैंथिल वर्तमान में पूरी तरह से राहुल के भरोसेमंद और ताक़तवर सहयोगी बने हुए हैं।

दिलचस्प बात यह है कि राहुल गांधी, जो आमतौर पर सूक्ष्म मुद्दों में रुचि नहीं लेते, सुबह 10:30 बजे सी ई सी की बैठक में केवल इसीलिए भाग लिया था, ताकि मौजूदा उस समय सांसद जयकुमार का टिकट काटा जा सके और वह टिकट सैंथिल दिया जा सके। राहुल की रुचि केवल उस एक सीट तक सीमित थी। सैंथिल चुनाव जीत गये और उन्होंने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा।

ऐसा माना जा रहा है कि जिला अध्यक्षों को असीमित अधिकार देने का जो फैसला लिया गया, ताकि कांग्रेस को पुनर्जीवित किया जा सके, वह सैंथिल के दिमाग की उपज है, और राहुल गांधी ने इस विचार को ऐसे पकड़ लिया है, जैसे किसी डूबते को तिनके का सहारा मिल गया हो। पूरी पार्टी राहुल गांधी की इस अपरिपक्वता से हतप्रभ है, लेकिन सवाल यह है कि बिल्ली के गले में घंटी कौन बांधे, अर्थात उन्हें रोकने-टोकने की हिम्मत कौन करे।

अब जिला अध्यक्षों की कोई जवाबदेही नहीं रह गई है। उनके नाम पर्यवेक्षकों द्वारा प्रस्तावित किये जा रहे हैं और इससे ज़्यादातर जिलों में भारी गुटबाज़ी शुरू हो गई है, क्योंकि ज़िले के वरिष्ठ नेताओं से कोई सलाह नहीं ली जा रही और अंदरूनी झगड़े साफ दिखाई दे रहे हैं। जिला अध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पी सी सी) अध्यक्ष के प्रति जवाबदेह नहीं होंगे, क्योंकि वे हाईकमान द्वारा नियुक्त किए जा रहे हैं। इससे पी सी सी अध्यक्ष और राज्य इकाई की प्रभावशीलता और अधिकार में कमी आयेगी।

जैसा कि एक वरिष्ठ नेता ने कहा, "इस निर्णय के बाद, कांग्रेस और ज्यादा अराजकता और अव्यवस्था की ओर बढ़ रही है, क्योंकि नेतृत्व ने इस फैसले के सभी नतीजों और प्रभावों पर सोच विचार नहीं किया है।"

राहुल गांधी के एक और चहेते सहयोगी हैं, कनुनगोलू, जो इस समय बिहार में सर्वेक्षण कर रहे हैं, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर वहां टिकट बांटे जाएंगे। उन्होंने महाराष्ट्र और हरियाणा में भी सिफारिशें की थीं, जिन्हें पार्टी ने गंभीरता से लिया था और कांग्रेस दोनों राज्यों में हार गई थी।

राहुल गांधी की मुख्य समस्या यह है कि वे नौकरशाहों और तकनीकी विशेषज्ञों (टैक्नोक्रैट्स) पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करते हैं, और उनका मानना है कि राजनेताओं पर न तो भरोसा किया जा सकता है और न ही उन्हें कोई बड़ा निर्णय लेने देना चाहिए।

इस मामले में केवल के. सी. वेणुगोपाल अपवाद हैं, जो कांग्रेस पार्टी में "सारी राजनीतिक समझदारी के संरक्षक" माने जाते हैं।

उन्हें राहुल गांधी ने "पावर ऑफ अटॉर्नी" दे रखी है कि वे सभी अहम फैसले खुद ले सकते हैं।

अब वेणुगोपाल ने जिला अध्यक्षों के संबंध में सभी निर्णयों की ज़िम्मेदारी भी संभाल ली है।

आंध्र प्रदेश के एक नेता चेल्ला वम्शी चंद रेड्डी को जिला अध्यक्षों के चयन की प्रक्रिया देखने और उनके काम-काज व कार्यशैली का विश्लेषण करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रेड्डी को के सी वेणुगोपाल का नज़दीकी माना जाता है। मनमाने तरीके से निर्णय लेने, राहुल गांधी के करीबी एक छोटे समूह के हाथों में सारी ताकत सिमटने तथा चर्चा एवं बहस के पूर्व अभाव के फलस्वरूप, पार्टी का एक बड़ा हिस्सा पार्टी से दूर हो गया है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908